Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20 || पश्चिमी राजस्थान की आवाज || मूल्य : दो रुपये

दैनिक जलतेदीप

संस्थापक स्व. माणक मेहता

www.dainikjaltedeep.com वर्ष: 22 अंक: 348 जयपुर, गुरुवार 16 जनवरी, 2020 कुल पृष्ठ: 8 Email : news@dainikjaltedeep.com

चौखी बात

भगवान मूर्तियो में नहीं बसता बल्कि आपकी अनुभूति ही आपका ईश्वर है और आत्मा आपका मंदिर

चाणक्य

।। दसवां वेद ।।

कुगटल निपट नाकार, नीच कपट छोडै नहीं। उत्तम करै उपकार, रूठा-तूठा राजिया।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

एक नजर

स्वाइन फ्लू का जयपुर में नए साल का पहला मामला आया सामने

जलतेदीप, कासं जयपुर। प्रदेश में मौसम में बदलाव के साथ ही स्वाइन फ्लू का वायरस फिर सक्रिय हो गया है। जारी रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू का एक मामला सामने आया है। चिकित्सा विभाग ने मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क कर दिया है। लगातार केसेज मिलने पर विभाग इसे रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। इसके अलावा डेंगू के 38 केसेज मिल चुके हैं। इनमें से जयपुर में 14, बीकानेर में 8, दौसा में 3, बारां, करौली, कोटा, बाड़मेर में दो-दो पॉजिटिव मिले है। अलवर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, नागौर में एक-एक केसेज पाया गया है। ये ही नहीं माइट या पिस्सू के काटने से स्क्रब टाइफस के केसेज भी आ रहे हैं। पिछले साल स्वाइन फ्लू के 5,092 पॉजिटिव मिले थे, जिनमें 208 की मौत हो गई थी।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने में भारत निभाएं अहम भूमिका : जरीफ

एजेंसी, नई दिल्ली। रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने दिल्ली आए ईरान के विदेश मंत्री जवाद जरीफ ने बुधवार को कहा कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जरीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरानी मेजर जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। वहीं भारत भी यह कहता रहा है कि वह जल्द से जल्द तनाव कम करने के पक्ष में है। भारत ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और कतर सहित प्रमुख पक्षों के साथ संपर्क में है, क्योंकि इस क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण हित हैं।

दिल्ली विस चुनाव: अब तक 10 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में चुनाव के विविध रंग अब नजर आने लगे हैं। विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन कोई दंगा का आरोपी तो कोई भ्रष्टाचार में दोषी उम्मीदवार ने चुनाव लड़ने का पर्चा दाखिल कराया है। दिल्ली चुनाव कार्यालय के अनुसार बुधवार को सात उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। इनमें मुस्तफाबाद, विकासपुरी, गोकलपुर, द्वारका, शाहदरा, तिमारपुर और आरकेपुरम शामिल है। 14 से 21 जनवरी तक चलने वाली इस नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन तीन उम्मीदवारों के पांच नामांकन जमा हुए थे। यानि अब तक दिल्ली में 10 उम्मीदवारों के 12 नामांकन दाखिल हो चुके हैं। जबकि दिल्ली के 11 जिलों में से छह जिलों में तो एक भी नामांकन नहीं हुआ है।

रूस के प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव ने दिया इस्तीफा

एजेंसी, मास्को। रूसी प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव ने बुधवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने मेदवेदेव को उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया, साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री का मंत्रिमंडल निर्धारित सभी उद्देश्यों को पूरा करने में विफल रहा। रूसी मीडिया ने कहा कि पुतिन ने मेदवेदेव को राष्ट्रपति सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में नामित करने की योजना बनाई है। मेदवेदेव और पुतिन लंबे समय से करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने 2012 में रूस के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था। इससे पहले वह चार साल (2008-2012) तक राष्ट्रपति भी रह चुके हैं। पुतिन ने मेदवेदेव के मंत्रिमंडल के सदस्यों से एक नया मंत्रिमंडल बनने तक काम करते रहने को कहा है। मेदवेदेव के इस्तीफे के बाद बुधवार को पुतिन ने पहले वार्षिक स्थिति पर राष्ट्र के संबोधित किया।

सरपंच चुनाव 2020 : पहले चरण के लिए चुनाव-प्रचार बंद

गांव की सरकार का चुनाव कल

जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान में पंचायतीराज आम चुनाव 2020 के पहले चरण के मतदान में महज दो दिन शेष हैं और चुनावी सरगर्मियां भी पूरे परवान पर हैं। लेकिन गांव की सरकार का चुनाव बहुत ही खर्चीला हो रहा है, निर्वाचन विभाग के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं, बरसों से गांव की सत्ता पर काबिज असरदार सरपंच अब भी सत्ता का मोह छोड़ने को तैयार नहीं है, तो महिलायें भी मुकाबले में पूरा दम लगा रही हैं।

इसबार महिलायें सिर्फ वोट देने तक सीमित नहीं

जयपुर की रोजदा ग्राम पंचायत में आशादेवी सरपंच का चुनाव लड़ रही हैं, घर-घर गीत गाती-गाती वोट मांगती हैं, बुजुर्गों के पांव छूकर जीत का आशीर्वाद लेती हैं. दरअसल उनकी चुनाव प्रचार की कमान महिलाओं ने संभाल रखी है। क्योंकि इस बार महिलायें सिर्फ वोट देने तक सीमित नहीं हैं बल्कि राजनीति में उनकी भूमिका भी बढ़-चढ़कर गांवों में देखी जा रही है।

सरपंच के लिए चुनावी खर्च 50 हजार रुपए, उड़ रही आचार संहिता की धज्जियां

आरक्षण की लॉटरी ने इस बार बड़े-बड़े सूरमाओं को जमीन पर ला पटका है। नारायण कुलरिया जयपुर के उपजिला प्रमुख रह चुके हैं। सात बार के सरपंच हैं, अब फिर मैदान में ताल ठोक रहे हैं। दर्जनों गाड़ियों का काफिला साथ लेकर चलते हैं। चुनाव आचार संहिता की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। क्यों कि प्रचार के लिए सिर्फ एक गाड़ी ही काम में ले सकते हैं।

प्रत्याशियों ने प्रचार में अपना पूरा दमखम लगा दिया है.

मगर यहां तो दर्जनों कारें हैं, जो चुनाव चिन्ह उन्हें मिला है, उसका खर्च अलग से जहां भी जाते हैं, चौपाल पर गुब्बारे बांटते हैं। हर हाथ में गुब्बारा पकड़ा देते हैं। दरअसवल, सपने जिला प्रमुख के ले रहे थे, सीट रिजर्व हो गई और ये पुरानी खांटी नेता जालसू पंचायत के गांवों में अपनी इज्जत बचाने के घर-घर धोक लगा रहा है। मगर न नियम कायदों की परवाह है और न ही कहीं पालना। बस चुनाव जीतना है।

घूंघट के खिलाफ अभियान

लाड कंवर ने घूंघट के खिलाफ अभियान चलाया है। महिलाओं को घर से बाहर निकाल कर मुख्य धारा से जोड़ने की उन्होंने कोशिश शुरू की है. पूरे अभियान को उन्होंने महिला शक्ति को समर्पित किया है। वो सरपंच प्रत्याशी है और इस बीच गांवों में शराब के दरिया बहने और वोट के बदले नोट की खबरें आ रही हैं। पुलिस भी सतर्क है और कई जगह दबिश दी जा रही है। उम्मीदवारों से लेकर उनके समर्थकों तक को अनुशासन में रहने की हिदायत दी गई है। गांव की पगडंडियों पर पड़ी खाली बोतलें बता रही है कि गांव के चुनाव में नशा वोट को प्रभावित करने का बड़ा जरिया बन रहा है।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश से बड़ी सर्दी

जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान में बुधवार को भी तापमान में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। सुबह जहां ज्यादातर क्षेत्रों में आसमान खुला रहा। वहीं दिन में बारां और उसके आसपास बादल छा गए। दिन में करीब 11 बजे बारिश शुरू हो गई। जिसके कारण वातावरण में ठंड बढ़ गई। जिसके बाद कोटा और भरतपुर में भी बूंदाबादी हुई। वहीं मौसम विभाग की माने तो आने वाले दो दिन प्रदेश में बारिश हो सकती है। सबसे कम तापमान माउंट आबू में 1.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

वहीं सीकर के फतेहपुर में तापमान 2.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यहं मंगलवार के मुकाबले बुधवार रात पारे में 0.2 डिग्री की बढ़त देखने के लिए मिली। वहीं सीकर में पारा 5.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। साथ ही चूरू मे तापमान 2 डिग्री तो पिलानी में 1.5 डिग्री रहा। राज्य के कुल 15 जिलों में तापमान 10 डिग्री या उससे कम रिकॉर्ड किया गया। पाली, फतेहपुर, गंगानगर में घना कोहरा छाया रहा। फतेहपुर में सुबह विजिबिलिटी 15 फीट ही रही।

मकर संक्रांति : पतंगबाजी में 22 छत से गिरे, 1 की मौत, 155 लोग घायल

जयपुर में 4200 पक्षी हुए घायल, 2000 की मौत

जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के चलते 350 से अधिक दुर्घटनाएं हुई, जिनमें घायल 330 लोग अस्पताल पहुंचे। सबसे अधिक हादसे छत से गिरने से हुए तो राह चलते मांझे की चपेट में आने वाली दुर्घटनाओं ने भी लोगों में दहशत पैदा कर दी। एक आंकड़े के अनुसार, प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल में मंगलवार के दिन 330 से अधिक लोग पहुंचे। इनमें से 155 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें भर्ती किया गया। वहीं एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की ओर से मकर संक्रांति को लेकर विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसके चलते सभी घायलों को त्वरित उपचार दिया गया।

22 लोग छत से गिरे, कई मांझे का शिकार हुए

जानकारी के अनुसार, शहर में पतंगबाजी के दौरान करीब 22 लोग छत से गिरने से घायल अवस्था में एसएमएस अस्पताल पहुंचे। पतंगबाजी के दौरान जयपुर में एक व्यक्ति की मौत की भी सूचना है। जबकि जिले में अलग-अलग घटनाओं में पंतग उड़ाने के दौरान हुए हादसों में घायल होने वालों की संख्या तीन सौ से ऊपर है।

4200 पक्षी हुए घायल, 2000 की मौत

प्रदेश पतंगबाजी से हजारों परिंदें घायल राजधानी जयपुर में अलग अलग क्षेत्रों में लगाये गए बर्ड ट्रीटमेंट कैंप में करीब चार हजार दो सौ पक्षी पहुंचे, जिनमें से दो हजार के करीब पक्षी इलाज के दौरान अपनी जान गंवा गए। इस साल पहली बार झालावाड़ में पक्षियों को बचाने के लिए बर्ड ट्रीटमेंट कैंप लगाया गया। इस कैंप के साथ ही कंजरवेशनिस्ट अनिल रोजर ने रैली निकाल कर लोगों को जागरुक किया। राजधानी जयपुर के वैशाली नगर में मंत्री लालचंद कटारिया ने शिकरत की और ट्रीमेंट कैंप में घायल पक्षियों के इलाज का जायजा लिया।

पक्षियों के इलाज के लिए लगाए गए 60 मेडिकल कैंप

राजधानी जयपुर में इस बार करीब 60 बर्ड ट्रीटमेंट कैंप लगाये गए हैं। इन कैंप में घायल पक्षियों में सबसे ज्यादा कबूतर पहुंचे। इनके साथ ही, तोते, फाख्ता, गौरया, चील, मोर, उल्लू, हवासील जैसे पक्षी भी मांझे का शिकार होकर इलाज के लिए ट्रीमेंट कैंप पहुंचाए गए।

गणतंत्र दिवस : आज से जैसलमेर में सेना का ऑपरेशन अलर्ट

जलतेदीप निसं, जैसलमेर

गणतंत्र दिवस के मौके पर राजस्थान से लगती भारत-पाक अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने निगरानी और कड़ी कर दी है। जवानों के साथ अधिकारी भी सीमाओं पर एक तरह से पहरेदारी कर रहे हैं. आम दिनों की तुलना में वर्तमान में बल ने पचास फीसदी नफरी को बॉर्डर पर तैनात कर दिया है। बढ़ी हुई तैनाती आगामी 29 जनवरी तक कायम रहेगी. बीएसएफ ने इसको ऑपरेशन सर्द हवा का नाम दिया है। गौरतलब है की कड़ाके की ठंड के चलते सीमा पार से घुसपैठ की आशंका बहुत बढ़ जाती हैं. फिलहाल भारत पाक के बीच तनाव की स्थिति है उसको देखते हुए सीमा सुरक्षा बल 16 जनवरी से भारत पाक बार्डर पर ऑपरेशन अलर्ट अभियान चलाएगी. सीमा पार से कोई भी घुसपैठ और आतंकी घटना नहीं घटे जिसको लेकर बीएसएफ मुस्तैद हो गई है. ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान बीएसएफ़ की नफरी बढ़ाई जाएगी जो 29 जनवरी तक रहेगी। गणतन्त्र दिवस पर हाई अलर्ट घोषित होने के बाद सीमा सुरक्षा बल के जवान चौकस निगाहों से सीमा सुरक्षित के जज्बे के साथ पूरी चौकसी बरत रहे हैं। वे रेगिस्तानी इलाकों में कड़ाके की ठण्ड के बावजूद रात में तारबंदी के पास बंकर बना कर कड़ा पहरा दे रहे हैं।

रुपए की मजबूत के लिए नोट पर हो लक्ष्मी की तस्वीर : सुब्रमण्यम स्वामी

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा नेता व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी ने रुपये की स्थिति सुधारने के लिए एक अनोखा सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि वह नोटों पर देवी लक्ष्मी की तस्वीर प्रकाशित करने के पक्ष में हैं। इससे भारतीय मुद्रा की स्थिति अच्छी होगी। मध्य प्रदेश के खंडवा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद स्वामी ने ये बातें कहीं। इंडोनेशिया में नोट पर भगवान गणेश की तस्वीर को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सवाल का जवाब दे सकते हैं। मैं इसके पक्ष में हूं। भगवान गणेश बाधाओं को दूर करते हैं।

चीन ने यूएनएससी में फिर उठाया कश्मीर मुद्दा, आज होगी फिर चर्चा

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र संघ

सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में गुरुवार को कश्मीर मुद्दे पर बंद कमरे में चर्चा होगी। यह चर्चा पाकिस्तान के दोस्त चीन की मांग के मद्देनजर की जा रही है। इससे पहले फ्रांसीसी राजनयिक के ही एक सूत्र ने बताया कि यूएनएससी में कश्मीर मुद्दे पर चर्चा के लिए चीन की मांग को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर मुद्दे पर फ्रांस का रुख साफ है। फ्रांस का मानना है कि यह मुद्दा द्विपक्षीय स्तर पर सुलझाया जाना चाहिए।

पी-5 देशों में से एक चीन ने मांग की थी कश्मीर पर बंद कमरे पर चर्चा बुलाई जाए। इससे पहले सभी पी-5 देशों ने स्पष्ट किया है कि यह भारत और पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा है। दावा किया जा रहा है कि यह मीटिंग परिणामहीन ही रहने वाली है क्योंकि ज्यादतर देश कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच का आंतरिक मुद्दा मानते हैं। भारत वैसे भी किसी भी विदेशी राष्ट्र के हस्तक्षेप से इनकार करता है और कश्मीर को देश का अभिन्न अंग मानता है। पी5 चीन, फ्रांस, रूस, युनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट्स का संगठन है। चीन ने 'एनी अदर बिजनेस' के तहत यह मांग रखी थी। पाकिस्तान ने चीन से पहले ही मांग की थी इस मुद्दे पर चर्चा की जाए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने दिसंबर 2019 में चीन के सामने यह मांग रखी थी। यह बैठक पहले 24 दिसंबर को होने वाली थी लेकिन किन्हीं कारणों से यह बैठक पूरी नहीं हो सकी थी।

15 सदस्यीय टीम करेगी बैठक

15 सदस्यीय एक टीम न्यूयॉर्क में भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 30 मिनट पर बैठक करेगी। इस मीटिंग में कश्मीर में लागू पाबंदियों के साथ-साथ राजनेताओं की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक 5 स्थाई सदस्यों के अतिरिक्त अन्य 10 देश भी शामिल होंगे। ज्यादातर देश कश्मीर पर चर्चा के पक्षधर नहीं हैं. इसलिए इस मीटिंग का कोई परिणाम सामने नहीं आ सकता है. कश्मीर पर हो रही यह चर्चा 16 अगस्त 2019 के दिन हुई चर्चा की तरह परिणामहीन होने वाली है।

अनुच्छेद 370 : लोगों को जागरूक करने जम्मू-कश्मीर जाएंगे 36 केंद्रीय मंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के बाद अब इसके सकारात्मक प्रभावों के बारे में लोगों को बताने के लिए एक नई पहल शुरू करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने के सकारात्मक प्रभावों और क्षेत्र के लिए सरकार के विकास कदमों के बारे में लोगों को अवगत कराने के लिए केंद्रीय मंत्रियों का एक समूह इस महीने के अंत में जम्मू कश्मीर के दौरे पर जायेगा।

इसमें कुल 36 मंत्री शामिल होंगे और इनका दौरा 18 से 25 जनवरी तक होगा। मंत्रियों के जम्मू कश्मीर यात्रा कार्यक्रम को 17 जनवरी को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की एक बैठक में अंतिम रूप दिये जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि यह यात्रा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की एक पहल है और मंत्रालय इसमें समन्वय कर रहा है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के 19 जनवरी को केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की यात्रा किए जाने की उम्मीद है।

निर्भया का गुनहगार मुकेश जाएगा निचली अदालत, 22 जनवरी को फांसी मुश्किल

एजेंसी, नई दिल्ली

निर्भया के दोषियों की फांसी में देरी हो सकती है। अब दोषी मुकेश के वकील सत्र न्यायालय में डेथ वारंट के खिलाफ याचिका डालेंगे।

बुधवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि उसे डेथ वारंट के खिलाफ या तो सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए था या फिर सत्र न्यायालय। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि उसकी फांसी 22 जनवरी को नहीं होगी। अदालत की इसी बात पर गौर करते हुए दोषी मुकेश के वकील ने अपनी याचिका वापस ले ली, अब वह सत्र न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

बता दें कि दोषी के वकीलों ने अदालत से कहा था कि राष्ट्रपति के दया याचिका खारिज कर देने के बाद भी उसे 14 दिन का समय मिलता है। वहीं ये खबर भी है कि मुकेश ने राष्ट्रपति को दया याचिका भी भेजी थी, जिसे दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल को भेज दिया है। दिल्ली सरकार ने इसे खारिज करने का सुझाव दिया है।

गौरतलब है कि निर्भया के दोषियों की फांसी के लिए अदालत ने सात जनवरी को डेथ वारंट जारी किया था। इन दोषियों को 22 जनवरी को फांसी दी जानी है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मुकेश व विनय की क्यूरेटिव याचिका खारिज कर दी थी।

आइशी घोष के विवादित बोल, इस लड़ाई में हम कश्मीर को पीछे नहीं छोड़ सकते

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में 15 दिसंबर की पुलिस कार्रवाई के खिलाफ एक बार फिर छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्र दिल्ली पुलिस के खिलाफ एक बार फिर से छात्रों ने बुधवार को प्रदर्शन किया। एफआईआर की मांग की। वहीं, जेएनयू की छात्र अध्यक्ष आइशी घोष भी इनके बीच पहुंची। आइशी

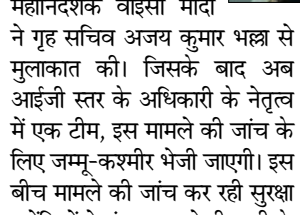

ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस लड़ाई में हम कश्मीर को पीछे नहीं छोड़ सकते हैं। हमारे साथ जो हो रहा है वो कहीं न कहीं सरकार ने वहीं से शुरू किया था कि हमारे संविधान को हमसे छीना जाए। जानकारी के मुताबिक जामिया के छात्रों का समर्थन करने जेएनयू के अलावा दूसरे विश्वविद्यालयों के छात्र भी प्रदर्शन में पहुंचे हैं। प्रदर्शनकारी गेट नंबर सात और आठ पर बड़ी संख्या में जुटकर प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि 15 दिसंबर को जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में नागरिकता कानून को लेकर हिंसा हुई थी।

केंद्र सरकार जल्द कर सकती है ट्रस्ट का ऐलान | **राम जन्मभूमि न्यास के नक्शे से ही होगा निर्माण**

25 मार्च से 2 अप्रैल के बीच शुरू हो सकता है राम मंदिर का निर्माण

जलतेदीप ब्यूरों, नई दिल्ली

अयोध्या के वर्षों पुराने विवाद पर नवंबर महीने में देश की सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने के अंदर मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाने को कहा था। यह अवधि 10 फरवरी को समाप्त हो रही है. ट्रस्ट गठन के लिए सरकार के पास 8 फरवरी तक का समय है, लेकिन सूत्रों की मानें तो ट्रस्ट में कौन-कौन से लोग होंगे, इसे लेकर फैसला लगभग लिया जा चुका है और इसका औपचारिक ऐलान जल्द ही कर दिया जाएगा। सूत्रों का दावा है कि हिंदू कैलेंडर वर्ष के अनुसार वर्ष प्रतिपदा यानी चैत्र नवरात्र के दौरान 25 मार्च से 2

अप्रैल के बीच मंदिर निर्माण का शुभारंभ हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक राम मंदिर का निर्माण उसी नक्शे के आधार पर होगा, जो राम जन्मभूमि न्यास ट्रस्ट ने बनाए थे. राम जन्मभूमि न्यास ट्रस्ट ने अबतक जो भी निर्माण कार्य करवाए हैं, उन सभी का उपयोग मंदिर के निर्माण में किया जाएगा. गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट गठन के आदेश के बाद से ही आशंका जताई जा रही थी कि न्यास का नक्शा कहीं नया ट्रस्ट खारिज न कर दे।

ट्रस्ट में किसे मिलेगी जगह

सूत्रों के अनुसार ट्रस्ट में 11 सदस्य होंगे। इनमें गृह मंत्रालय के संयुक सचिव और अयोध्या के जिलाधिकारी को पदेन जगह दी जाएगी। वहीं निर्मोही अखाड़े से एक सदस्य रहेंगे। राम जन्मभूमि न्यास के महंत नृत्य गोपाल दास और राम जन्मभूमि आंदोलन से लगातार जुड़े रहे विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के महामंत्री चम्पत राय को भी ट्रस्ट में जगह दी जाएगी। इनके अलावा रिक 6 स्थान समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों से भरे जाएंगे। इन पर भी फैसला जल्द ही कर लिया जाएगा।

सरकार का वित्तीय सहयोग नहीं

राम मंदिर के निर्माण में सरकार की वित्तीय सहायता नहीं होगी। मंदिर का निर्माण जनता की भागीदारी से होगा। इसके लिए ट्रस्ट का एक बैंक अकाउंट खोला जाएगा और लोगों से चंदा एकत्रित किया जाएगा। ट्रस्ट के अकॉउंट में पेमेंट ऑनलाइन, पर्ची और डायरेक्ट कलेक्शन के जरिये किया जा सकेगा।

कश्मीर: आतंकियों के साथ पकड़ा गया डीएसपी दविंदर सिंह निलंबित

एजेंसी, जम्मू

हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर नवीद बाबू के साथ गिरफ्तार डीएसपी दविंदर सिंह को जम्मू-कश्मीर सरकार ने निलंबित कर दिया है। इस मामले की जांच नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) करेगी। इस मामले में बुधवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक वाईसी मोदी ने गृह सचिव अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। जिसके बाद अब आईजी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में एक टीम, इस मामले की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर भेजी जाएगी। इस बीच मामले की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसियों ने मंगलवार को डीएसपी के बैंक खाते और अन्य संपत्तियों की जांच की। उसकी संपत्तियों का पूरा ब्योरा जुटाया जा रहा है। पूछताछ में जुटी एजेंसियों ने इससे जुड़े दस्तावेज भी खंगाले हैं।

आईबी, रॉ और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) दविंदर से सघन पूछताछ कर आतंकियों के साथ उसके कनेक्शन की भी छानबीन में जुटी हुई है। माना जा रहा है कि आतंकियों के साथ गठजोड़ के कई राज सामने आ सकते हैं। जांच में जुटी एजेंसियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में यह पता चला कि पिछले साल भी डीएसपी ने आतंकी नवीद को जम्मू पहुंचाया था। यहां ठहरने तथा इलाज के बाद उसे शोपियां तक सुरक्षित पहुंचाया था।

झगड़ा हवा हवाई

अब तक तो घर का झगड़ा बाहर जाने की बात सुनी थी। मतलब ये कि घर का झगड़ा गली-गुवाड़ी तक आ सकता है। सड़क तक पहुंच सकता है। पंचायत के पास जा सकता है। कोर्ट-कचहरी तक पहुंच सकता है। हवाईजहाज तक पहुंचने की बात पहली बार सामने आई। शहर की एक हथाई पर आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

झगड़े भांत-भांत के हुआ करते हैं। हर झगड़े की जड़ में कोई ना कोई वजह जरूर हुआ करती है। अब तो झगड़ालू प्रवृति के लोग-लुगाइयां बगैर किसी बात के झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं। उन्हें पंगा करने का बहाना चाहिए। ऐसे लोग सब जगह मिल जाएंगे। कचरा इधर से उधर गिर जाए तो झगड़ा। पानी भरते समय छांटे लग जाए तो लफड़ा। नाली में पॉलिथिन की थैली डट जाए तो पंगा। गाड़ी यहां की जगह वहां खड़ी कर दो तो विवाद। जैसे पीने वालों को पीने का बहाना चाहिए ठीक वैसे पंगपंथियों को पंगा करने का बहाना चाहिए। कई लोग बहाना ढूंढते रहते हैं। आज इस से लफड़ा-कल उससे।

झगड़े के बारे में ज्ञानी-ध्यानी हमेशा से कहते रहे हैं कि झगड़े में लड्डू नहीं बंटते। इस के माने ये कि झगड़े से नुकसान ही होता है। इस का हो तो भी-उसका हो तो भी। कई दफे दोनों पक्षों का इतना नुकसान हो जाता है। जिस की भरपाई करना नामुमकिन सा हो जाता है। आर्थिक क्षति हो तो भी नुकसान और अंग-भंग हो जाए तो भी। बाजवक्त मामला नाजुक मोड़ पर पहुंच जाता है। किसी की जान भी जा सकती है। सबसे बड़ी तेड़ भाईचारे और प्रेम-सद्भाव में आती है। लिहाजा अपना भी यही संदेश है कि झगड़े टंटे से दूर ही रहा जाए तो बेहतर है।

ज्ञानी-ध्यानी क्रोध-गुस्सा ना करने की प्रेरणा भी देते रहे हैं। श्रणिक गुस्सा क्या से क्या करवा देता है। गुस्सा और ईष्या मानखो की बुद्धि भ्रष्ट कर देती है। गुस्से की आग में मानखा इस कदर झुलस जाता है कि उस की आंच से घर-परिवार यहां तक कि पुश्तें झुलसती रहती है। इस की पलट में शांति में सार हैं। दिमाग शांत रखने में समझदारी है। शांति में विकास है। प्रगति-उन्नति है। पर मानखा है कि मानता ही नहीं।

कई बार मन में विचार कौंधता है कि जब कई बातों पर आचार संहिता लागू हो सकती है तो झगड़े-टंटे में क्यूं नहीं। बनाने वालों को कुछ नियम-कायदे बनाने चाहिए थे। फिर विचार उछलता है कि जब लोगबाग आचार संहिता और कानून-कायदे तोड़ने से बाज नहीं आ रहे। इस मुद्दे पर आचार संहिता बनती तो भी रोज टूटती। एक जमाने में युद्ध के दौरान भी नियम लागू होते थे। राजों-महाराजों की सेना में युद्ध चलता रहता था।

विस्तारवादी शासक पड़ोसी राज्य पर अपना अधिकार जमाने के लिए तोप-तलवारों का सहारा लेते थे। एक जीतता-दूसरा हारता। कई बार संधि हो जाती। युद्ध में जानमाल का भयंकर नुकसान होता था। लेकिन युद्ध के नियमों की पालना होती थी। सूरज ढलने के बाद दोनों तरफ की सेना अपने-अपने टेंट-तंबू में। रात को नई रणनीति के बाद सुबह फिर आमने-सामने। सैनिक धोखे से हमला नहीं करते। ऐसा नहीं कि सोते हुए सैनिकों पर धावा बोल दिया। वो हमला नहीं बुजदिली है। कायराना हरकत है। हमले जनता पर नही होते। आज वैसा कुछ नहीं रहा। सब कुछ हवा हुई गवा। जाहिल पड़ोसी को ही ले ल्यो। वो कश्मीर में आए दिन सीज फायर का उल्लंघन कर रहा है। आबादी क्षेत्र में नाहक गोलाबारी कर रहा है।

झगड़े का झाड़ बड़ा घनघोर और घना है। झगड़ा कहां भी किया जा सकता है। किसी से भी किया जा सकता है। जिन बातों की आसानी से अनदेखी की जा सकती हैं-पंगाप्रेमी उस पे भी गौर नहीं फरमाते। वैसे तो कुछ झगड़े हमेशा से चर्चा का केंद्र रहे पर अब वो केंद्र भी बिखर गए। बाप-बेटे में झगड़ा। भाई-भाई में झगड़ा। बहनोई-साले में झगड़ा। सामड़ोसी-पिछड़ोसी में पंगा। हल्की सी टक्कर लग जाए तो झगड़ा। यार-दोस्तों में झगड़ा। बच्चे दिन को झगड़ते हैं शाम को वापस एका। सास- बहु में झगड़ा। देवर-भाभी में झगड़ा। ननंद-भौजाई में झगड़ा। काके-बड्डे में झगड़ा। नौकर-मालिक में झगड़ा। ग्राहक-दुकानदार में झगड़ा। पति-पत्नी का झगड़ा तो रूटीन की बात। कई बार झगड़े चावे हो जाते हैं। घर की चौखट पार कर जाते हैं। यहां तक तो होता रहा है। मगर घर का पंगा हवाईजहाज में पहली बार पहुंचा।

पिछले दिनों लंदन से मुंबई आ रही एक निजी विमान कंपनी की हवाई जहाज में पुरूष पायलट और महिला-को पायलट भिड़ गए। ऐसे भिड़े कि अंदर बैठे 324 यात्रियों की जान पे बन आई। बात ऐसी बिगड़ी कि पायलट ने को-पायलट को थप्पड़ दे मारी। गुस्साई को-पायलट पांव पटकती हुई कॉकपिट से बाहर निकल गई। उस बखत विमान हवा में था। उनके झगड़े से यात्रियों की सांसें थम गई। जस-तस बहनजी को मना कर वापस अंदर बिठाया गया। भाई जी भी कॉकपिट छोड़ कर बाहर आए। मिन्नतें की तब कहीं जाकर वो अपने स्थान पर जाकर बिराजीं।

बाद में पता चला कि वो दोनों लिव-इन पार्टनर थे। साथ रहते थे। पता नहीं किस बात को लेकर भिड़ गए। कोई पंगा था तो घर में बैठकर निपटा लेते-ताकि घर की बात घर में ही रहती। बात हवाईजहाज तक नहीं पहुंचती। मगर हवाई झगड़े ने घर के झगड़े की हवा दुनिया भर में फैला दी।

केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं की प्रदर्शनी शुरू

पाली, 15 जनवरी (निसं)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय लोक सम्पर्क ब्यूरो सिरोही के द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार की की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रदर्शनी का शुभारंभ नगर पालिका चेयरमेन श्रीमती उषा कंवर के मुख्य आतिथ्य, उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता एवं अग्रणी जिला प्रबंधक पाली मोहनलाल मेघवाल, सं.नि. आयुक्त व समाजिक कार्यकर्ता अनोपसिंह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के पाली जिले के ब्रांड एम्बेसेडर डॉ राजकमल पारीक, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी परबतसिंह राठौड, सीडीपीओ श्रीमती नीलम गहलोत, प्रधानाचार्य गजेन्द्रसिंह राणावत, सामाजिक कार्यकर्त्ता महेन्द्र गलोत के विशिष्ट आतिथ्य में प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया।

क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी फुलचन्द गहलोत ने बताया कि कार्यक्रम में पेट्रोल संरक्षण अनुसंधान (पी.सी.आर.ए), राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, कृषि विभाग कृषि विस्तार, पंचायत समिति सुमेरपुर, नेहरू युवा केन्द्र, महिला एवं अधिकारिता विभाग, महिला बाल विकास परियोजना विभाग के द्वारा भाग लिया गया एवं जानकारी प्रदान के लिए स्टॉल लगवाये गए।

अध्यक्षता करते हुए उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्रसिंह ने बताया कि सिंगलयूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए घातक है। हमें कपडे की थैलियों का उपयोग कर सिंगलयूज प्लास्टिक का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने फिट इण्डिया, जल संरक्षण पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

मुख्य अतिथि चैयरमेन श्रीमती उषा कंवर ने अधिक से अधिक प्रदर्शनी का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी लेने की अपील की। सोसल सर्विस सोसायटी पाली के अध्यक्ष एवं बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ के ब्रांड एम्बेसडर पारीक ने कहा कि बालिकाओं के अस्तित्व, सुरक्षा एवं शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एवं त्वरित प्रयासों के साथ व्यक्तिगत एवं सामुहिक जनचेतना मुहिम की आवश्यकता है। पारीक ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ओं के लिए सामुहिक शपथ दिलाई। सेवा निवृत आयुक्त अनोपसिंह ने बेटियों को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने के साथ जीवन में अपने माता पिता के अच्छे संस्कारों के संवर्धन की आवश्यकता बताया। उन्होंने तीन तलाक की रूठिवादी प्रथा के लिए तीन तलाक बिल, एक-देश एक संविधान पर विचार व्यक्त किए।

अग्रणी जिला प्रबंधक पाली मोहनलाल मेघवाल ने बैंकिंग योजना एवं डिजीटल ट्रान्जक्शन के बारे में जानकारी प्रदान की। नेहरू युवा केन्द्र के एनआईसी राजाराम चौधरी, देवेन्द्रसिंह सिसोदिया ने फिट इण्डिया पर विचार व्यक्त किए। राजकीय उमाविद्यालय सुमेरपुर के 5 विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए जल योद्धा बैज पहनाकर सम्मानित किया। राजकीय महाविद्यालय सुमेरपुर के छात्र करण लखनपाल ने जल संरक्षण पर भाषण, सुश्री प्रियका ने देशभक्ति वंदना, विरमाराम ने भी देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। राजकीय महाविद्यालय सुमेरपुर के युवाओं द्वारा फिट इण्डिया के तह पुशअप का प्रदर्शन किया गया।

इससे पूर्व रैली का आयोजन राउमा विद्यालय सुमेरपुर परिसर से शिक्षा क्रांति रंग मंच तक फिट इण्डिया के कैप्स पहनकर विभिन्न नारों के साथ कार्यक्रम स्थल तक पहुंची। कार्यक्रम में आरएमजीबी के मैनेजर महिपालसिंह, कृषि पर्यवेक्षक पन्नालाल, भगवानसिंह, आदित्यसिंह, एमबीएम सुमेरपुर के विक्रम कुमार, हितेश सोनी, प्रचेता भगवती अहीर, प्रियंका उपाध्याय आशा सहयोगिनी का अच्छा सहयोग रहा।

सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम आयोजित

बालोतरा, 15 जनवरी (निसं)। एमबीआर राजकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा जागरूकता लाने के उद्देश्य से हीरो मोटो कार्प डीलर महेश हीरो द्वारा विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रतिभा सिंघवी ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से समझौता नहीं करने एवं वाहन चलाते समय स्वयं, स्वयं के परिवार एवं सड़क पर चलने वाले अन्य सभी लोगों का ध्यान रखना चाहिये। हीरो मोटोकोर्प के इंजिनीयर, ब्रज किशोरजी, गौतम खत्री के सान्निध्य में छात्रों को गाड़ी चलाने के संबंध में कुछ सुचनाएं व सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत सड़क नियमों की जानकारियां दी गयी।

जिसमें छात्रों को हिरो की तरफसे मुकेश राव के द्वारा गाड़ी चलाने की तकनीकों को गाड़ी चलाकर बताया गया। हिरोमोटो कॉर्प के द्वारा बाइक चलाने से संबंधित विभिन्न गतिविधियां करायी गयी जिसमें सकड़ी गली में बाइक चलाने की गतिविधि में मूलचन्द प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, पहाड़ी इलाकों में बाइक चलाने की गतिविधि में महेन्द्र कुमार एम.ए. फाइनल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा हिल स्टेशन व घुमावदार मोड़ में बाइक चलाने की गतिविधि में विमलेश तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य राजेन्द्रसिंह सोलंकी व सहायक आचार्य सुमन चौधरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. हरिकिशन जोशी, डॉ. मनीषा दवे, डॉ अरूण कुमार जैन, सुभाष चन्द्र व खरताराम चौधरी उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता फोटो प्रदर्शनी कल

जालोर, 15 जनवरी (निसं)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य जिला मुख्यालय पर 17 जनवरी को सूचना केन्द्र में मतदाता जागरूकता संबंधी फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) महेन्द्र सोनी ने बताया कि निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष में मतदाता जागरूकता संबंधी फोटो प्रदर्शनी (पैनल) का आयोजन 17 जनवरी को जिला मुख्यालय पर स्थित सूचना केन्द्र में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के आयोजन के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को नोडल अधिकारी स्वीप, जालोर उपखण्ड अधिकारी को कार्यक्रम आयोजक व डाइट के व्याख्याता भैराराम चौधरी को सहायक नोडल अधिकारी स्वीप नियुक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए जालोर तहसीलदार, जालोर नगरपरिषद आयुक्त व सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी जालोर को लगाया गया है।

तुला दान कार्यक्रम आयोजित

बालोतरा, 15 जनवरी (निसं)। अन्नपूर्णा गौशाला में मकरसंक्रांति पर श्रद्धालुओं के लिए तुला दान कार्यकम्र आयोजित किया गया।

श्रद्धालुओं ने मकरसंक्रांति पर गौ दान और तुला दान किया। श्रद्धालुओ ने गौशाला में गौ माता को गुड, हरा चारा, तिल, खिच आदि खिला कर गौ माता की पूजा की। इस अवसर पर नारायण खत्री, मधुबाला, हिमांशु, जितेन्द्र राजपुरोहित, राजेश विश्नोई, सुरेन्द्र गहलोत, जनक माली आदी उपस्थित थे।

सीएए के समर्थन में जनजागरण अभियान जारी

बालोतरा, 15 जनवरी (निसं)। भाजयुमो प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत आज खेड़ रोड स्थित तेरापंथ सर्कल पर नागरिकों को मिस्ड कॉल के माध्यम से कॉल करवाकर नागरिक संशोधन बिल का समर्थन करवाने के लिए प्रेरित किया गया।

नगर अध्यक्ष राजेंद्र सालेचा ने बताया कि युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री एव जन जागरण अभियान के संभाग प्रभारी खेताराम प्रजापत के नेतृत्व में जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया जिसमें शहर के नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा जारी किए गए मोबाइल नंबर

8866288662 पर डायल करवाने के लिए राहगीरों से आग्रह करके नागरिक संशोधन बिल का समर्थन करवाया गया जिसमें शहर के नागरिकों ने पूर्णतया माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं गृह मंत्री अमित शाह जी का आभार जताते हुए ज्यादा से ज्यादा मिस्ड कॉल करने का संकल्प लिया साथ ही प्रजापत ने सभी युवाओं से अपने अपने बूथ पर जाकर एक लाख से ज्यादा मिस्ड कॉल करवाने का संकल्प दिलवाया इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अमराराम संदेशा ने कार्यकर्ताओं से जन जागरण अभियान को सफल बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पत्रक वितरण एवं मिस्ड कॉल और मिस्ड कॉल साथ ही पोस्टकार्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी गृहमंत्री अमित शाह का आभार जताने का आग्रह किया।

इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष राजेश पुरी, कृष्णा बौराणा, रमेश प्रजापत, पार्षद संपत धरी, बाबूलाल चौधरी, हीरालाल गोयल, पूर्व पार्षद हस्तीमल जाटोल, प्रताप घांची, पारस भाटी, कमलेश ढेलडिया, केवलचंद मेघवाल, रूपाराम प्रजापत, गौतम चन्देल, रमेश वैष्णव, लक्ष्मण गहलोत, प्रवीण खत्री सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर अध्यक्ष अमराराम सुंदेशा ने बताया कि साथ ही कल दोपहर 2 बजे नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक रवि चाणक्य के बालोतरा आगमन पर डाक बंगले में स्वागत के साथ पोस्टकार्ड अभियान भी चलाया जायेगा

तृतीय चरण के लिए 11 एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त

पाली, 15 जनवरी। पंचायत आम चुनाव के तीसरे चरण में 11 एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचन्द जैन ने जिले में तृतीय चरण में पंचायत समिति जैतारण, मारवाड जंक्शन एवं सुमेरपुर में पंच सरपंच के लिए होने वाले चुनाव में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए है।

पंचायत समिति जैतारण के एरिया मुयालय के लिए रोहट तहसीलदार खीमाराम को आगेवा, गरनिया, पाटवा, बिरोल एवं निम्बोल जोन क्षेत्र के लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इसी प्रकार सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) लाखाराम को आनन्दपुर कालू एरिया मुख्यालय के बलुन्दा, डिगरना, फालना, आनन्दपुर कालू, लाम्बिया एवं घोडावड जोन क्षेत्र के लिए एरिया मजिस्ट्रेट लगाया है। सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) विनित कुमार सुखाडिया को एरिया मुख्यालय रास के भुम्बलिया, राबडियावास, रास, सेवरिया एवं कुडकी जाने के लिए एरिया मजिस्ट्रेट, नायब तहसीलदार रायपुर प्रवीण कुमार को एरिया मुख्यालय निमाज के आसरलाई, सांगावास निमाज एवं मोहराई जोन क्षेत्र के लिए एरिया मजिस्ट्रेट, रानी तहसीलदार जितेन्द्र राठौड़ को एरिया मुख्यालय मारवाड जंक्शन के जाडन, गादाणा, राणावास, मारवाड जंक्शन एवं हेमलियाबास खुर्द जोन क्षेत्र के लिए एरिया मजिस्ट्रेट लगाया गया है। सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) मधुलिका सीवर को आऊवा एरिया मुख्यालय के आऊवा, बांता, बाड़सा एवं धामली जोन क्षेत्र के लिए, नायब तहसीलदार मारवाड जंक्शन पीरूलाल जीनगर को कंटालिया एरिया मुख्यालय के कंटालिया, सारण, मांडा, वोपारी व मुसालिया जोन क्षेत्र के लिए व तहसीलदार मारवाड जंक्शन सुरेन्द्र कुमार को एरिया मुख्यालय जोजावर के जोजावर सिरीयारी, फुलाद एवं धनला जोन क्षेत्र के लिए एरिया मजिस्ट्रेट लगाया गया है।

इसी प्रकार नायब तहसीलदार ओमप्रकाश को एरिया मुख्यालय चाणोद के चाणोद, लापोद एवं कोसेलाव जाने क्षेत्र के लिए, बाली तहसीलदार सर्वेश्वर निर्म्बाक को एरिया मुख्यालय सांडेराव के जोन क्षेत्र बिरामी, सांडेराव व खिंवाडी के लिए तथा सुमेरपुर तहसीलदार जवाहरराम चौधरी को सुमेरपुर एरिया मुख्यालय के सिंदरू, नोवी, पालडी एवं कोलीवाडा जोन क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एरिया मजिस्ट्रेट लगाया गया है।

सभी एरिया मजिस्ट्रेट जोनल मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियों से समन्वय बनाकर अपने-अपने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था

वित्त विभाग के निर्देशों की पालना ना होने पर वेतन का भुगतान नहीं होगा

पाली, 15 जनवरी। जिले में राजकीय संव्यवहार एवं भुगतान के लिए वित्त विभाग के निर्देशों की पालना नहीं करने पर जनवरी के वेतन का भुगतान कोष कार्यालय द्वारा नहीं किया जाएगा।

कोषाधिकारी मनोज कुमार ने जिले के सभी आहरण एवं वितरण को वित्त विभाग द्वारा 13 सितम्बर 2019 को जारी प्रपत्र के निर्देशों की पालना करने को कहा है। उन्होंने बताया कि आहरण वितरण अधिकारी डिजीटल हस्ताक्षर का डांगल बनवाया जाकर उसे डीडीओ के पे-मैनेजर में रजिस्ट्रेश कराया जाकर सूचना कोष कार्यालय में वेरीफाई कराई जावे। पे-मैनेजर के डीडीओ यूजर के ऑथोराईजेशन में वेरीफाई एम्पलाई डीटेल से कार्यालय के समस्त कार्मिको के मास्टर डाटा डाउनलोड कर उसे संबंधित कार्मिक से सत्यापित कराकर सही मास्टर डाटा पर डिजीटल हस्ताक्षर किया जाकर फोरवर्ड किया जाए। जिसे विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किए जाने पर कार्मिकों के माह जनवरी से वेतन बिल प्रोसेस किया जा सकेगा। उन्होंने कार्यालय में विभिन्न बजट मदों में स्वीकृत पदो के अनुसार पे-मैनेजर में पदों का मिलान करे पदों का सही मिलान के लिए ऑथोराईजेशन में एडीशनल डेजिनेशन मेंपिग में जाकर मीसमेच पदों की जानकारी प्राप्त की जाकर विभागाध्यक्ष से समन्वय कर आवश्यक संशोधन की कार्यवाही की जाए या नियमानुसार उपलब्ध कार्मिकों को पे-मैनेजर में उपलब्ध स्वीकृत पदो के अनुसार कार्मिकों की मेपिंग, डीडीओ वित्त विभाग के परिपत्र के दिशा निर्देश के अनुरूप कार्यवाही करे अधिक जानकारी के लिए जिला कोष कार्यालय के दूरभाष नम्बर 02932-222711 एवं मोबाईल नम्बर 9414741969 पर सम्पर्क कर सकते है।

सामरिया पर्यवेक्षक नियुक्त

पाली, 15 जनवरी (निसं)। जिले में पंचायत आम चुनाव के प्रथम एवं तृतीय चरण के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पीयूष समरिया को पर्यवेक्षक लगाया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचन्द जैन ने बताया कि जिले में पंचायत आम चुनाव 2020 के प्रथम एवं तृतीय चरण में होने वाले पंच व सरपंच चुनाव के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंधक निदेशक पीयूष समरिया को राज्य निर्वाचन आयोग ने पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। समरिया प्रथम चरण के चुनाव पंचायत समिति रोहट, बाली व रानी तथा तृतीय चरण के चुनाव पंचायत समिति जैतारण, मारवाड जंक्शन व सुमेरपुर के लिए पर्यवेक्षक होगें। जिनके मोबाईल नम्बर 9982910228 तथा 7060731206 है। पर्यवेक्षक सर्किट हाउस के पाली के प्रथम तल के कमरा नम्बर एक में ठहरे है।

मतदान से 48 घंटे पूर्व सूखा दिवस घोषित

पाली, 15 जनवरी। जिले में पंचायत राज संस्थाओं के पंच सरपंच के आम चुनाव के तहत संबंधित चुनाव क्षेत्रों व उसकी 5 कि.मी. की परिधीय क्षेत्र में मतदान से 48 घंटे पूर्व से सूखा दिवस घोषित किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश चन्द जैन ने बताया कि पंचायत राज संस्थाओं के पंच व सरपंच आम चुनाव का प्रथम चरण में बाली, रानी व रोहट पंचायत समिति क्षेत्र में मतदान 17 जनवरी होने वाले चुनाव के लिए बुधवार, 15 जनवरी को सांय 5 बजे से 17 जनवरी मतगणना समाप्ति तक इन क्षेत्रों में सूखा दिवस रहेगा।

इसी प्रकार द्वितीय चरण चुनाव में देसूरी, पाली व सोजत पंचायत समिति क्षेत्र में 22 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए 20 जनवरी की सांय 5 बजे से 22 जनवरी मतगणना समाप्ति तक सूखा दिवस रहेगा। तृतीय चरण में जैतारण, मारवाड जंक्शन एवं सुमेरपुर पंचायत समिति क्षेत्र में 29 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए 27 जनवरी सांय 5 बजे से 29 जनवरी को मतगणना समाप्ति तक सूखा दिवस रहेगा। इन पंचायत समितियों के क्षेत्रों की 5 किलोमीटर परिधीय क्षेत्र में भी चुनाव से 48 घंटे पूर्व सूखा दिवस घोषित किया गया है जो मतगणना तक रहेगा।

शराब व भांग की बिक्री पर प्रतिबंध

पाली, 15 जनवरी (निसं)। पंचायत आम चुनाव के तहत प्रथम चरण में पाली जिले की पंचायत समिति रोहट, बाली व रानी में 17 जनवरी को होने वाले चुनाव के मद्देनजर तीनों पंचायत समितियों तथा इनकी 5 कि.मी. परिधीय क्षेत्र में 15 जनवरी को सायं 5.00 बजे से 17 जनवरी मतगणना समाप्ति तक शुष्क दिवस की पालना में सम्बंधित क्षेत्र शराब व भांग की दुकानें बंद रखी जाकर शराब व भांग बिक्री पर पाबन्दी रहेगी।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि तीनों पंचायत समितियों की दुकानों को सीलचिट् किये जाने के लिए आबकारी निरीक्षक वृत पाली, बाली व सुमेरपुर के नेतृत्व में दल गठित किये गये है।

इन क्षेत्रों में प्रहराधिकारियों के नेतृत्व तीन टीमें गठित की गयी है जो चुनाव समाप्ति तक क्षेत्र में लगातर रेड, गस्त कर अवैध मदिरा के विक्रय की धरपकड करते हुए शुष्क दिवस की पालना सुनिश्चित करेंगी।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

सिरोही, 15 जनवरी (निसं)। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर सुरेंद्र कुमार सोलंकी की अध्यक्षता में साप्ताहिक बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री की वीसी में दिए गए निर्देशों की अनुपालना व संपर्क पोर्टल में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए बकाया प्रकरणों को अतिशीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि योजनाओं को ऑनलाइन आवेदनों को निस्तारण ऑटो मोड से पूर्व ही निस्तारण कर लें ताकि सत्यापन पश्चात आमजन लाभांवित हो सके। एडीएम रिछपालसिंह बुरडक ने ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पिंडवाड़ा, 15 जनवरी (निसं)। समीपवर्ती ग्राम मालप के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेयर फाउंडेशन व अल्ट्राटेक सीमेंट की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सुरक्षा से जुड़े वीडियो फिल्म दिखाकर वाहन सुरक्षित चलाने, हेलमेट पहनने आदि के बारे में बताया गया।

मतदान दिवस पर मनरेगा श्रमिकों का रहेगा अवैतनिक अवकाश

जालोर, 15 जनवरी (निसं)। जिले में पंचायतीराज संस्थाओं (पंच व सरपंच) के आम चुनाव के लिए मतदान दिवस पर महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत श्रमिकों का अवैतनिक अवकाश रहेगा।

जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलक्टर महेन्द्र सोनी ने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग राजस्थान के निर्देशानुसार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रमानसार पंचायतीराज संस्थाओं (पंच व सरपंच) के आम चुनाव तीन चरणों में करवाए जा रहे है जिसके संबंध में जिन तिथियों में पंच व सरपंच चुनाव कराये जाने के लिए मतदान किया जाना है उन तिथियों में 17 जनवरी, 22 जनवरी व 29 जनवरी को (गुरूवार नहीं होने की स्थिति में) संबंधित ग्राम पंचायत क्षेत्रों में महात्मा गांधी नरेगा योजना के कार्य के लिए श्रमिकों का अवकाश रहेगा।

जोधपुर Suncity

दैनिक जलते दीप

जयपुर, गुरुवार 16 जनवरी 2020

प्रदर्शनी का अवलोकन करती विधायक व अन्य गणमान्य। जलतेदीप

छाया चित्रों में कला के साथ समाज को मिलता है संदेश

प्रथम पियूष पुरोहित स्मृति राष्ट्रीय फोटो प्रदर्शनी

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। फोटोग्राफी वो कला है जहां फोटोग्राफर अपनी पैनी नजर से बहुत ही सुन्दर दृश्य प्रस्तुत करता है जिसकी दृष्टि से हर छायाचित्र में नया सृजन होता है। यह उद्गार शहर विधायक मनीषा पंवार ने प्रथम पियूष पुरोहित स्मृति राष्ट्रीय फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर कही। सूचना केन्द्र के मिनी ऑडिटोरियम गैलेरी में जोधाणा फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उन्होंने कहा कि सभी चित्र एक से बढकर एक है, इन छायाचित्रों में कला के साथ ही समाज को संदेश मिलता है। इस तरह के आयोजन शहर के युवाओं को नई सोच देंगे। अध्यक्षता करते हुए गोवा की वरिष्ठ फोटोग्राफ तृप्ति रॉय ने कहा कि फोटोग्राफी में हो रहे नित नये बदलाव में युवा पीढ़ी सक्रिय है और हर दिन कुछ नया करने का प्रयास कर रहे है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में तकनीकी प्राधिक शिक्षा मण्डल के सहायक निदेशक अनिल पुरोहित ने स्व. पियूष की फोटोग्राफी व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

सोसायटी के सर्वेश जोशी ने बताया कि जोधाणा फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में चयनित 250 से अधिक छायाचित्रों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है। प्रारंभ में रामजी व्यास, श्याम सुन्दर पुरोहित, शंभूलाल पुरोहित व महेश पुरोहित ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर हॉल ही में दिवंगत हुए वरिष्ठ फोटोग्राफ ए.समद खान व राजेश वैष्णव को भी श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर पूर्व उप निदेशक जनसंपर्क आनंदराज व्यास, ओमप्रकाश कल्ला, विजयेन्द्र जायसवाल, शिव कुमार सोनी व मनोज बोहरा सहित अन्य फोटोग्राफ उपस्थित थे। प्रदर्शनी का समापन समारोह 17 जनवरी को होगा।

बहियां इतिहास लेखन का बहुत बड़ा स्रोतः डॉ. व्यास

मारवाड़ की बहियों में लिखित भाषा व शब्दावली विषयक दस दिवसीय कार्यशाला शुरू

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र तथा मेहरानगढ़ दुर्ग के तत्वावधान में मारवाड़ की बहियों में लिखित भाषा व शब्दावली विषयक दस दिवसीय कार्यशाला आज से प्रारम्भ हुई। मेहरानगढ़ के चौकेलाव महल में आयोजित उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.पी. व्यास ने कहा कि बहियां इतिहास लेखन का बहुत बड़ा स्रोत है। इन बहियों में रीति-रिवाज, संस्कृति, परम्पराएं, निर्माण कार्य में तकनीक की रोचक जानकारियां है। इन बहियों का अध्ययन वैज्ञानिक स्तर पर भी करना आवश्यक है, यदि इसे सांइटिफिक स्तर पर पढ़ने का प्रयास करेंगे तो इतिहास लेखन उच्च स्तर का होगा। अध्यक्षता करते हुए प्रो. जहूरखाँ मेहर ने कहा कि राजस्थानी इतिहास के साधन का एक बहुत बड़ा भाग बहियां और ख्यातें ही है। उन्होंने कहा कि ठिकानों के इतिहास, राजा-रानियों की बहियों में छिपे इतिहास, साहित्य व संस्कृति को जानने के लिए लिपि का ज्ञान होना या सीखना अत्यन्त आवश्यक है।

वर्तमान व भविष्य बहियों में सुरक्षित- समारोह के मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर के पूर्व उप निदेशक डॉ. डीबी क्षीरसागर ने कहा कि वर्तमान और कल का भविष्य इन बहियों में सुरक्षित है। वर्तमान को अच्छे भविष्य में बदलना है तो वर्तमान इतिहास को सहेजकर रखना होगा। बहियों में बहुत ही रोचक जानकारिया मिलती है, पोशाक, गहने, दिनचर्या इत्यादि से उनकी पहचान होती थी। उन्होंने बहियों में प्रचलित शब्दावली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छोटे-छोटे शब्दों में संस्कृति का ज्ञान होता था। शोध केन्द्र के विभागाध्यक्ष डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने कार्यशाला की जानकारी दी। उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम सत्र में डॉ. क्षीरसागर ने हकीकत बहियों में संग्रहीत रिकॉर्ड की जानकारी और शब्दावली के बारे में बताया। अंतिम सत्र में डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने हकीकत बहियों में प्रचलित शब्दों, इतिहास, साहित्य और शब्दावली से रूबरू करवाया। संगोष्ठी में दिल्ली, हरियाणा, जयपुर, बीकानेर व जोधपुर के 25 शोधार्थीगण व विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. विक्रमसिंह राठौड़, डॉ. विमलेश राठौड़, सुनिल लघाटे व घर्मांशु बोहरा उपस्थित थे। अंत में डॉ. सुमित ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. दिलीप कुमार नाथाणी ने किया।

भगवान पर भरोसा करने वाले कभी निराश नहीं होता

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। प्रतापनगर 'के' सेक्टर स्थित पुलिस चौकी के पीछे जय अंबे मां पार्क में आयोजित दो दिवसीय नानी बाई रो मायरो कथा की पूर्णआरती में भक्तों की भीड़ उमड़ी। पंडित दामोदर भारद्वाज ने नानी बाई के मायरे का मार्मिक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान पर भरोसा करने वाले को जीवन में कभी निराश नही होना पड़ता। भगवान पर जिसने भी भरोसा रख कर कुछ चाहा है, वह चाहत पूरी हुई है।

संत नरसी मेहता भगवान के परम भक्त थे। भगवान पर उनका भरोसा अडिग था। नरसी मेहता के जीवन में जब भी विकट घड़ी आती, वे सीधे भगवान को ही याद करते। भगवान ने हर बार उनके भरोसे की लाज रखी।

आज भी कोई भगवान को सच्चे मन से याद करता है तो भगवान उसे निराश नही करते। आयोजन समिति के मनीष कुमार चितारा ने बताया कि कथा में दौलतराज डाबी, केशवदेव देवड़ा, मदनलाल सोनी, भरत आसेरी, राधा किशन थानवी, विजय किशन थानवी, हरिओम गुप्ता, जुगल किशोर चौहान, राज सक्सेना, पुखराज चितारा, पोलाराम दाधीच, डूंगर चौहान और मदन चौहान सहित सैकड़ों भक्तजनों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 को

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के अध्यक्ष नरसिंहदास व्यास की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित बैठक में बताया कि संपूर्ण प्रदेश में अनिवार्य शिक्षा के अधिकार पर जनजागृति अभियान एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं की शिक्षा के लिए जोड़ने के लिए इस कार्यक्रम की रचना की गई है। सचिव सिद्धेश्वर पुरी ने बताया कि बालिका दिवस पर 8 हजार छात्र-छात्राओं की रैली निकाली जाएगी। यह रैली प्राधिकरण महानगर न्यायालय से रवाना होगी। राजस्थान राज्य सेवा प्राधिकरण के चेयरमेन संगीतराज लोढ़ा हरी झण्डी दिखाएंगे। रैली न्यायालय परिसर से रवाना होकर नई सड़क चौराहा से उम्मेद राजकीय स्टेडियम पहुंचकर सम्पन्न होगी। रैली के बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। बैठक में एडीएम सिटी सीमा कविया व डीसीपी प्रीति चन्द्रा सहित विभिन्न संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

केएन कॉलेज में यूथ फेस्ट का आगाज 20 से

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में यूथ फेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। कॉलेज की छात्रसंघ की ओर से मिस केएन को लेकर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के बैनर का विमोचन बुधवार को ऑडिटोरियम में हुआ। छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका नरूका ने बताया कि पढ़ाई के अलावा भी छात्राएं अपना टैलेंट सभी को दिखा पाए इसके चलते फेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। जिसके पोस्टर का विमोचन बुधवार को किया गया।बीस जनवरी से होने वाले फेस्ट में 21 जनवरी को रंगोली, मांडना, मेहंदी व वॉल पेंटिंग, 22 को लेमन रेस, सैक रेस व 23 जनवरी से तीन दिन तक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

शिवबाड़ी में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह कल, कलश यात्रा आज

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। महामंदिर स्थित शिवबाड़ी में राधाकृष्ण एवं राम परिवार के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 16 व 17 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। आयोजक अशोक जोशी ने बताया कि महोत्सव के अन्तर्गत गुरूवार को दोपहर 3 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो महामन्दिर ब्रह्मपुरी, झालरा, मैन बाजार, जैन स्कूल के साथ विभिन्न मार्गों से होते हुए शिवबाड़ी पहुंचेगी। समिति के विक्रान्त दवे ने बताया कि 17 जनवरी को दोपहर 12.15 बजे प्राण प्रतिष्ठा एवं दोपहर 1.15 बजे पूर्णाहुति होगी।

मेडल ऑफ मेरिट से सम्मानित होने पर सांखला का अभिनन्दन

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा राज्य मुख्यालय जयपुर में मेडल ऑफ मेरिट से सम्मानित होने पर पूर्व राज्य संगठन आयुक्त(स्काउट) एवं लीडर ट्रेनर (कब)नारायण सिंह सांखला का अभिनंदन किया गया। मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर

सोसायटी की ओर से मौलाना आजाद कैम्पस में सोसायटी के पूर्व महासचिव मोहम्मद अतीक ने सांखला का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। स्काउटर महेन्द्र सैन ने बताया कि सांखला गत 20 वर्षो से स्थानीय संघ के सचिव पद पर सेवाएं दे रहे है। इस अवसर पर सोसायटी के महासचिव निसार अहमद खिलजी, मौलाना अबुल कलाम आजाद मुस्लिम सी.सै.स्कूल के प्रिन्सीपल इंतिखाब आलम, फिरोज खान मेमोरियल गर्ल्स स्कूल की प्राचार्या शमीम शेख, प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद अतीक सिद्दीकी, गाइडर अरूणा सोलंकी व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रेहाना बेगम ने भी माल्यार्पण कर सम्मान किया।

मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में अवकाश घोषित

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी(पंचायत) कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर जिले की पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों के सरपंचों, वार्ड पंचों के लिए होने वाले मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले समस्त विभागों, संस्थाओं, उपक्रमों में 17 एवं 29 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। आदेश के तहत औद्योगिक एवं वाणिज्यक प्रतिष्ठानों के नियोजकों को जो मतदान के हकदार है उनको संवैतनिक अवकाश प्रदान करने के साथ ही पुनर्मतदान की स्थिति में जहां पुनर्मतदान होगा उस मतदान क्षेत्र में पुनर्मतदान की तिथि को भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। आदेश का उल्लंघन किए जाने पर नियोजक के विरूद्ध नियमानुसार दण्डनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

आदेश के तहत जिले में 17 जनवरी को प्रथम चरण में बालेसर पंचायत समिति की 38 ग्राम पंचायत तथा तृतीय चरण 29 जनवरी को शेरगढ की 31 ग्राम पंचायत एवं बिलाड़ा की 30 ग्राम पंचायत में मतदान होगा।

चौपड़ा अध्यक्ष एवं परिहार सचिव निर्वाचित

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। राजस्थान स्टेनलेस स्टील री-रोलर्स एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव में वरिष्ठ उद्यमी भंवरलाल चौपड़ा को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। चुनाव अधिकारी शांतिमल मेहता बताया कि कार्यकारिणी में विमल सुराणा उपाध्यक्ष, चेतनसिंह परिहार सचिव, सिद्धार्थ मेहता सह सचिव व जयंतीलाल श्रीश्रीमाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। सोहनलाल कवाड़, पवन मित्तल, नरेश पारख, विजयराज नाहटा, प्रदीप बूब व प्रमोद चौपड़ा को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। इस मौके सुमेरमल जैन, मंगलचंद मोहनोत, रावलचंद चौपड़ा, सांवरमल मित्तल, रायचंद भंसाली, शांतिमल मेहता, पारसमल जैन, जीके गर्ग व विष्णु मित्तल उपस्थित थे।

पंचायत चुनाव संबंधी सामग्री संग्रहण की व्यवस्था

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। जिले में पंचायत आम चुनाव के तहत मतदान पश्चात सामाग्री के संग्रहण के लिए राजकीय पोलोटेक्निक महाविद्यालय (छात्र) में काउंटर की व्यवस्था की गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित के आदेशानुसार ई वी एम रिकॉर्ड एवं अन्य निर्वाचन सामग्री प्रभारी अधिकारी संग्रहण प्रकोष्ठ व प्रभारी अधिकारी सामान्य व्यवस्था द्वारा निर्धारित स्थानों पर बेरीकेटींग लगाकर पंचायत समितिवार संग्रहण केन्द्र स्थापित करने की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। यह व्यवस्था पंचायत समिति बालेसर, शेरगढ एवं बिलाड़ा के लिए मतदान पूर्ण होने के बाद पीठासीन अधिकारियों द्वारा प्रयुक्त सील्ड ईवी व सील्ड अथवा अन सील्ड रिकॉर्ड तथा अप्रयुक्त सामान के संग्रहण के लिए की गई है। आदेश के तहत विभिन्न काउण्टरों पर जमा होने वाली सामग्री की व्यवस्था निर्धारित की गई है।

बच्चों ने भरे मनमोहक रंग- कमला नेहरू नगर स्थित लक्की बाल निकेतन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा नर्सरी से प्रेप तक के बच्चों ने भाग लिया। कक्षा नर्सरी में बच्चों ने झोंपड़ी में मनमोहक रंग भर अपने कौशल का परिचय दिया। प्राचार्य कुलदीप सिंह राठौड़ ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आए बच्चों को सम्मानित किया।

कविता मानवीय संवेदना का भावनात्मक स्वरूपः डॉ गुप्ता

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। डॉ. प्रगति गुप्ता ने नारी को स्वाभाविक, सहज गुणों को संजोते हुए विकास की ओर उत्तरोत्तर बढ़ने की बात कही। नारी संघर्ष व अस्तित्व की चुनौतियों पर उद्बोदन देते हुए उन्होने कहा कि नारी युगों युगों से त्याग, तपस्या, संयम, प्रेम जैसे सदगुणों का पर्याय है। वे आज कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में एन.एस.एस. के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया है कि इस अवसर पर शिविर में भाग लेने वाली छात्राओं की भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में दीपशिखा प्रथम, चणनी द्वितीय तथा कविता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डॉ. विनोद कटारिया, डॉ. लेखू गहलोत एवं डॉ. सीमा प्रवीण निर्णायक के रूप में मौजूद थे। इस मौके स्वच्छता सम्बंधी प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को पारितोषिक वितरित किए गए। कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी डॉ. पंकज नामा, डॉ. आरडी पंकज, डॉ. पूनम पूनिया व डॉ. विनिता चौहान सहित अनेक शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन सुरभि पाठक ने किया।

मांडणा बनाती छात्रा। जलतेदीप

वेतन की मांग को लेकर जेएनवीयू संविदाकर्मियों का प्रदर्शन

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने वेतन की मांग को लेकर बुधवार को एक बार फिर केंद्रीय कार्यालय में प्रदर्शन कर विरोध जताया। संविदाकर्मियों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से संविदा के रूप में कर्मचारी लगाए गए। इन कर्मचारियों को पिछले लंबे समय से वेतन नहीं दिया जा रहा है। वेतन नहीं मिलने से पूरे घर का बजट बिगड़ चुका है।

लगातार प्रदर्शन करने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। इसके अलावा प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा राजस्थान अनुबंध श्रमिक अधिनियम, भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम व व्यास विश्वविद्यालय द्वारा जारी निविदा नियम व शर्तें की पालना नहीं की जा रही है। ना ही राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। इन कानूनों की लगातार अवहेलना करके शारीरिक व मानसिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुलपति से 6 जनवरी को वार्ता हुई थी। उस समय आश्वस्त किया गया था कि जल्दी वेतन भुगतान करवा दिया जाएगा लेकिन इतने दिन गुजर जाने के बावजूद भी वेतन नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण संविदा कर्मचारियों की आर्थिक तंगी से परेशान होकर मानसिक तनाव झेल रहे हैं। उन्होने चेतावनी दी कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द से जल्द वेतन नहीं दिया तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

महिला व युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

टांके में डूबने से मासूम की मौत, घायल ने उपचार के दौरान दम तोडा, कार में आग लगी

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक महिला व युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कार्रवाई के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए है। मंडोर पुलिस ने बताया कि मूलतया भवाद हाल बासनी तम्बोलिया क्षेत्र में रहने वाले लाइट डेकोरेशन का काम करने वाले घनश्यामदास वैष्णव पुत्र चम्पादास वैष्णव ने रिपोर्ट दी है। इसमें पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी पूनम वैष्णव (32) ने सोमवार शाम को फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। वहीं बाड़मेर जिले की चौहटन पुलिस ने बताया कि मियों का तला निवासी कुन्ता (22) पुत्र फोटाराम मेघवाल ने सोमवार को दोपहर में फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों को पता लगने पर उन्होने तुरंत उसका फंदा काटकर पहले चौहटन अस्पताल और वहां से रैफर करने पर एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया जहां आज सुबह उसने दम तोड़ दिया।

टांके में डूबने से मासूम की मौत- शेरगढ़ तहसील क्षेत्र में घर के बाहर खेल रही तीन साल की मासूम पानी के टांके में गिर गई। अस्पताल लाए जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिना पोस्टमार्टम कार्रवाई के शव परिजनों को सौंपा। घटना मंगलवार देर शाम की है।

पुलिस ने बताया कि शेरगढ़ में ही चुतराराम गवारिया के घर के बाहर बच्चे खेल रहे थे। तब इन बच्चों के साथ खेल रही मीनाक्षी (3) पुत्री चुतराराम गवारिया पास ही बने टांके में गिर पड़ी। बच्ची के टांके में गिरते ही साथ खेल रहे बच्चे बचाव के लिए चिल्लाने लगे। इसी क्षेत्र में रहने वाला रमेश गवारिया आया और टांके में उतरकर बच्ची को बाहर निकालकर शेरगढ़ अस्पताल लेकर गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ा- दो दिन पहले पाली जिले के मांडा गांव क्षेत्र में बाइक और बोलेरो की भिड़ंत में घायल हुए एक युवक ने इलाज के दौरान आज सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि सोजत रोड थानान्तर्गत रामपुरा गांव निवासी गणपतलाल (35) पुत्र नारायणलाल बावरी 13 जनवरी की शाम को सोजत रोड से मांडा गांव की तरफ जा रहा था। तब मांडा गांव के पास उसकी बाइक को एक बोलेरो ने टक्कर मारकर उछाल दिया। घायल गणपतालाल को पहले सोजत सिटी अस्पताल और वहां से रैफर करने पर एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया, जिसने आज सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

कार में आग लगी- नगर निगम के गेट के सामने खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को फोन किया और अपने स्तर पर भी आग बुझाने का प्रयास किया। बाद में दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया। आग में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है लेकिन हादसे में कार पूरी तरह जल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोई व्यक्ति सुबह स्विफ्ट वीडीआई कार को लेकर निगम पहुंचा था और कार को गेट के सामने पार्क करके निगम कार्यालय में गया। इतने मे सूचना मिली कि कार में अचानक आग लग गई। आग की सूचना के बाद फायर ब्रिगेड को फोन किया और लोगों ने भी आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना के बाद दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची आग पर काबू पाया। तब तक आग से कार 50 प्रतिशत जल चुकी थी। आग लगने का कारण वायरिंग में शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

राजस्थानी संस्कृति का प्रतीक है मांडणा

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विवि के राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से कमला नेहरू महाविद्यालय में राजस्थानी मांडणा एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने राजस्थानी संस्कृति, सुख-समृद्धि एवं मांगल्य का प्रतीक मांडणा परम्परा को रंगो में साकार किया। प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि छात्राओं ने गोला, चौकोर, आयताकार एवं त्रिकोणीय मांडणा बनाए। प्रतियोगिता का संयोजन फाइन आर्टस विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेणु शर्मा तथा सह-संयोजन डॉ. नम्रता स्वर्णकार ने किया।

पंचायत चुनाव के पर्यवेक्षक कुड़ी जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। जिले में पंचायत आम चुनाव में आदर्श आचार संहिता की पालना एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए पर्यवेक्षक लक्ष्मण सिंह कुड़ी बुधवार को जोधपुर पहुंचे। उप जिला निर्वाचन अधिकाकरी मदनलाल नेहरा ने बताया कि पर्यवेक्षक कुड़ी को 38-बालेसर एवं 61-शेरगढ व बिलाड़ा ग्राम पंचायत आवंटित किए गए है तथा वे आम चुनाव के दौरान सर्किट हाउस में रहेंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन के बैनर का विमोचन

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। हेल्पिंग पीपल ट्रस्ट और उन्नति सामाजिक सेवा संस्था की ओर से 25 फरवरी को आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के बैनर का विमोचन आज बासनी में किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पोहानी ने बताया कि संस्था की तरफ से यह पहला सामूहिक विवाह होगा जो 25 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी धर्मों एवं जाति के लोग शामिल होंगे। अभी तक 51 जोड़ो का रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

सन्त रविदास जयंती पर अनेक कार्यक्रम होंगे

जोधपुर, 15 जनवरी (कासं)। रैगर जटिया समाज तथा संत रविदास जन्मोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में समाज सुधारक सन्त रविदास जयंती 9 फरवरी को समारोहपूर्वक मनाई जाएगी। समिति के अध्यक्ष विक्रम जटिया ने बताया कि रविदास जयंती पर रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर, वृक्षारोपण, खेलकूद प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी व सम्मान समारोह सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दैनिक
जलते दीप

जयपुर, गुरुवार 16 जनवरी 2020

बेकार की मोर्चेबंदी

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा तानाजी - द अनसंग वॉरियर फिल्म को करमुक्त करने के एलान के बाद यह विवाद होना ही था। दरअसल, तेजाबी हमले की शिकार एक लड़की की दर्दनाक कहानी पर आधारित छपाक और एक ऐतिहासिक नायक की कलात्मक प्रस्तुति तानाजी, दोनों फिल्में एक ही दिन रिलीज हुईं। छपाक को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की कांग्रेस सरकारों ने पहले करमुक्त घोषित किया। कांग्रेस सरकारों ने भले ही इसे एक सामाजिक संदेश देने वाली फिल्म बताते हुए यह कदम उठाया हो, मगर उनकी तत्परता के पीछे कारण छपाक में मुख्य किरदार निभाने वाली दीपिका पादुकोण के जेएनयू में पहुंचने और वहां के छात्रों के संघर्ष को मौन समर्थन देने को माना गया। इसके बाद दीपिका व छपाक को लेकर सोशल मीडिया पर बेहद कटु मोर्चेबंदी शुरू हो गई। यहां तक कि इस फिल्म को न देखने के लिए अभियान छेड़ दिया गया, तो इसके समर्थन में भी मुहिम चल पड़ी। क्षुद्र राजनीति कैसे बेहद गंभीर मसलों को भी प्रहसन में तब्दील कर देती है, यह प्रकरण इसका ताजा उदाहरण है। इस पूरे विवाद में 'एसिड अटैक' जैसे गंभीर अपराध और इसकी शिकार लड़कियों, परिजनों की कभी न मिटने वाली पीड़ा गौण हो गई है और भाजपा बनाम विपक्ष की राजनीति हावी हो गई है। यह अफसोसनाक इसलिए भी है कि एक ऐसे दौर में, जब देश की बेटियों के साथ होने वाली ज्यादती और हिंसा पर समाज के भीतर उबलता आक्रोश सतह पर दिख रहा है, तब उनके हक की बात करती फिल्म को ही निशाना बना दिया गया। इस मोर्चेबंदी की कतई जरूरत नहीं थी, क्योंकि ये दोनों ही फिल्में किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि से दूर-दूर तक संबंधित नहीं हैं। फिर जहां तक दीपिका के जेएनयू में जाने का सवाल है, तो यह उनका निजी मामला है। ठीक इसी तरह, उनके किसी कदम से यदि कोई पक्ष असहमत है, तो उसे भी अपना विरोध दर्ज कराने का लोकतांत्रिक हक हासिल है। मगर दुर्भाग्य यह है कि हमारा राजनीतिक वर्ग विरोध में मर्यादाओं का ध्यान रखना अब भूल गया है। इस पूरे मामले में राज्य सरकारों ने आर्थिक दूरदर्शिता का परिचय देने की बजाय अपनी राजनीतिक अहं तुष्टि को ही अधिक महत्व दिया है। अभिनेता-अभिनेत्रियां हमारे देश के नागरिक हैं, वे किसी विचारधारा के करीब हो सकते हैं, अपनी स्वतंत्र सोच जाहिर कर सकते हैं, और करते भी रहते हैं। लेकिन क्या इसी बिना पर राज्य सरकारों को उनके आर्थिक हितों का पोषण करना चाहिए या उसे चोट पहुंचानी चाहिए? छपाक और तानाजी - द अनसंग वॉरियर, दोनों फिल्में लोकप्रियता बटोर रही हैं।

टिड्डी प्रभावित किसान

प्रदेश में टिड्डी के हमले में फसल बर्बाद होते देख किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से आस लगाई थी, लेकिन बीमा केन्द्र राज्य की खींचतान में उलझा रहा और किसानों को निराशा ही हाथ लगी। दरअसल बीमा प्रक्रिया के दौरान दिसंबर में अचानक पश्चिमी राजस्थान में टिड्डी ने हमला कर दिया। बुवाई के कुछ समय बाद ही फसल चौपट होते देख किसानों को बीमा ही सहारा नजरआया। दिसंबर अंत में बीमा कराना शुरू किया तो गत वर्ष के मुकाबले इस बार 40 हजार से अधिक किसानों ने बीमा कराया। इनमें से 33 हजार किसान तो जालौर जिले से हैं। कई जिलों के हजारों और किसान बीमा कराने के लिए कतार में खड़े थे, लेकिन 31 दिसंबर को पोर्टल पर नये आवेदन लेने बंद कर दिये गए। ऐसे में पश्चिमी राजस्थान के करीब 10 जिलो के किसान बीमा से वंचित रह गए। रबी 2019-20 के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर को पोर्टल पर नये आवेदन लेने बंद कर दिये गये। ऐसे में पश्चिमी राजस्थान के करीब 10 जिलें के किसान बीमा कराने से वंचित रह गए। रबी 2019-20 के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर रखी गई थी। इस बीमा योजना में गेहूं, जौ, चना, सरसों, तारामीरा, जीरा, धनिया, ईसबगोल में थी, रबी मक्का एवं मस्सूर फसल को शामि किया गया था। किसानों ने बीमा की तिथि बढाने की मांग की। राज्य ने 31 दिसंबर को ही बीमा को केन्द्र का विषय बताते हुए तिथि 15 जनवरी तक बढाने के लिए पत्र भेजा। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि इसमें राज्य कुछ नही कर सकता, योजना ही केन्द्र की है। वहीं केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि योजना केन्द्र की है, लेकिन केन्द्र तो अपनी हिस्सा राशि ही देता है। बीमा कंपनियों के टेंडर तो राज्य सरकार ही जारी करती है। ऐसे में केन्द्र क्या कर सकता है? इस प्रकार टिड्डी हमले से बर्बाद प्रदेश के बड़ी संख्या में किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ से वंचित रह गए। दूसरी ओर राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि राज्य सरकार टिड्डी प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को हुए नुकसान को लेकर गंभीर है। हमारा प्रचयास है कि किसानों को तत्काल राहत दी जाए। हाल ही में उन्होंने टिडडी प्रभावित जिलों में की जा रही विशेष गिरदावरी की रिर्पोट शीघ्र भिजवाने और तीन दिन में प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि का वितरण शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग ने प्रभावित जिलों में टिड्डी से हुए नुकसान को देखते हुए विशेष गिरदावरी करवाने के आदेश पहले ही जारी करदिए थे। ज्यादातर क्षेत्रों में यह कार्य लगभग पूरा हो चुका है और शेष कार्य जल्दी ही पूरा होने वाला है। इससे जाहिर है कि गिरदावरी से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार किसानों को तुरंत सहायता उपलब्ध करवाई जाएगा। मुख्यमंत्री गहलोत ने हाल में टिड्डी प्रभावित जिलों के कलेक्टरो के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम समीक्षा करते हुए कलेक्टरों को कहा कि टिड्डी आक्रमण पर लगातार प्रभावी निगरानी रखें और किसानों से संपर्क रखकर नुकसान होने की स्थिति में जल्द से जल्द उन्हें मुआवजा दिलवाएं।

8766. नीच कपट छोडै नहीं

कुग्टल निपट नाकार, नीच कपट छोडै नहीं।
उत्तम करै उपकार, रूठा-तूठा राजिया।।

''जो कुटिल, नाकारा और नीच होता है वह कपट करना नहीं छोड़ता है। लेकिन जो उत्तम होता है, सज्जन होता है, वह प्रसन्न या अप्रसन्न होने पर भी उपकार करता है।''

दो मित्र थे। एक का नाम था धर्मद्धि और दूसरे का नाम था पापबुद्धि। नाम के अनुसार ही उनमें अलग-अलग गुण थे। धर्मबुद्धि तो पाप को भी सच्चा और सज्जन मानता था। एक बार पापबुद्धि सोचा कि मैं गरीब और अनपढ हूं। धर्मबुद्धि के साथ कहीं जाकर थोड़ा बहुत कमा लूं तो भविष्य में तकलीफ नही होगी। उसने धर्मबुद्धि से बात चलाई। धर्मबुद्धि दोनों मित्र एक बड़े शहर में गए। वहां एक वर्ष में उन्होंने बहुत धन कमाया। फिर अपने घर लौटने का निश्चय किया। लौटते समय रास्ते में एक जंगल आया। पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि से कहा कि भाई धर्मबुद्धि हम जो धन इस जंगल में एक पेड़ के नीचे गड्ढा खोद कर गाड़ दें। जब जरूरत पड़ेगी तब ले जाएंगे। धर्मबुद्धि ने कहा कि ठीक है। दोनों मित्रों ने एक बड़े बरगद के पेड़ के नीचे गड्ढा खोदकर धन उसमें गाड़ दिया। दोनों ने पेड़ पर एक निशान बना दिया। फिर वे अपने गांव पहुंचे। कुछ समय गुजर जाने पर एक धर्मबुद्धि पापबुद्धि के पास गया और बोला कि मित्र, मेरा परिवार बड़ा है, इसलिए अब मेरा धन खत्म होने वाला है। चलो, हम वह गाड़ा हुआ धन ले आएं। दोनों उस बरगद के पेड़ के नीचे पहुंचे। गड्ढा खोदा तो उसमें कुछ नहीं मिला। धर्मबुद्धि ने पापबुद्धि पर चोरी का आरोप लगाया। पापबुद्धि ने उसको समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन वह नही माना। अंत में न्याय पाने के लिए धर्मबुद्धि काजी के पास गया। काजी ने पापबुद्धि को बुलाया। उसने दोनों की बातें सुनी। काजी ने हुक्म दिया कि जिस बरगद के पेड़ के नीचे धन गाड़ा गया था, सब लोग वहां चलें और वृक्ष देवता की गवाही सुनें। इसके बाद पापबुद्धि ने अपने पिता को समझाया कि वह बरगद के पेड़ के बड़े कोटर में छिपकर बैठ जाए और कहे कि धर्मबुद्धि धन चुराकर ले गया है। उसका पिता तैयार हो गया। वह पहले से जाकर वृक्ष में घुस गया। थोड़ी देर के बाद पापबुद्धि व धर्मबुद्धि, काजी और सिपाही बरगद के पेड़ के पास पहुंचे। काजी और सिपाही बरगद के पेड़ के पास पहुंचे। काजी ने वृक्ष देवता का नाम पुकार कहा कि हे वृक्षदेवता, अपराधी को ढूंढ निकालने में तुम हमारी सहायता करो। पूर्व योजना के अनुसार पापबुद्धि के पिता ने कहा कि पेड़ के नीचे गड़ा हुआ धन धर्मबुद्धि ने चुराया है। पर वह सब कुछ समझ गया। उसने सिपाहियों को पेड़ के आस पास सुखी लकड़ियां इकट्टी करने और उनमें आग लगाने का हुक्म दिया। आग लगते ही पापबुद्धि का पिता वृक्ष के कोटर से बाहर कूद पड़ा। उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया और काजी से क्षमा मांगी। सच्चाई जाहिर हो गई। सिपाहियों ने पापबुद्धि और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया। काजी ने उन दोनों को कैदखाने भिजवा दिया। फिर पापबुद्धि के घर से धन बरामद करके धर्मबुद्धि के हवाले कर दिया।

मिसाइल राजनय का प्रदर्शन

पश्चिम एशिया में घटनाचक्र अचानक बहुत तेजी से घूम गया है। आईएसआईएस के उदय ने शक्ति-संतुलन की स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित किया था। बगदादी की इस्लामिक स्टेट से हुए गृहयुद्ध में इराक को अपने पुराने शत्रु ईरान से भी जबरदस्त सहयोग मिला। फिर युद्ध की तबाही ने इराक को ईरान के साथ संबंधों को बेहतर बनाने का अवसर दिया और ईरान की भूमिका शिया इराक में बढ़ती गई। अपनी आणविक महत्वाकांक्षा से बंधे हुए, अमेरिकी प्रतिबंधों से परेशान ईरान ने अपनी प्रतिक्रिया के विकल्पों के चयन में बड़ी गलती कर दी। अमेरिका के धैर्य की प्रशंसा की जानी चाहिए। पानी सिर से इतना ऊपर जाने के बाद यह मिसाइल हमला किया गया है। यह अब नए तरह की जंग है।

जहां तक पश्चिम एशिया की राजनीति का सवाल है, वर्चस्व की इस जंग में मुख्यतः तीन या चार खिलाड़ी दिखाई देते हैं। सऊदी अरब के वर्चस्व को चुनौती ईरान से मिल रही है। सऊदी अरब के तेल कूपों पर प्रछन्न ड्रोन हमला सऊदी अरब ही नहीं, अमेरिका को भी एक चुनौती था। इससे पहले तेल टैंकर विवाद में दुनिया ईरान की दादागिरी की गवाह रही है। वर्चस्व की ईरानी महत्वाकांक्षा और विभिन्न देशों के आतंकवादी धार्मिक संगठनों-हमास, हिजबुल्लाह आदि को ईरान की शह एक बड़ा सरदर्द बन चुकी थी। आर्थिक प्रतिबंध ईरान को नियंत्रित कर सकने में नाकाफी सिद्ध हो रहे थे। अमेरिका-ईरान आणविक समझौता निष्प्रभावी होकर विवाद के दायरे में जा चुका था। अमेरिकी अड्डों पर ईरान समर्थित शिया मिलिशिया हमलों ने अमेरिका को इस सैन्य निर्णय के लिए बाध्य किया, जिसकी परिणति जनरल सुलेमानी की शहादत में हुई। ईरान ने अपनी जनता की संतुष्टि के लिए दो अड्डों पर मिसाइल हमले की प्रतिक्रिया की खानापूरी की। पहला बदला पूरा हो गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में यह कह कर कि ईरान को आणविक हथियार नहीं बनाने देंगे, ईरान के आणविक रिएक्टरों, सुविधाओं पर हमले का अधिकार सुरक्षित रखा है। यह स्पष्ट है कि आशंका होते ही अमेरिकी उसके आणविक ठिकानों पर हमला करने से गुरेज नहीं करेंगे। ईरान के क्षेत्रीय वर्चस्व का नशा उतरा हुआ है। अब ईरान के सामने अपनी आणविक नीति को पुनः परिभाषित करने का समय आ गया है। ईरान के सामने भारत एवं यूरोपीय देशों के माध्यम से नए परमाणु समझौते की दिशा में आगे बढ़ना ही एकमात्र विकल्प है।

ईरानी इस्लामिक क्रांति के समय से ही हमने देखा है कि ईरान अपने धार्मिक लक्ष्यों को अपने राष्ट्रीय हितों से ऊपर रखता आया है।

– आर. विक्रम सिंह

आर्थिक प्रतिबंधों के कारण आर्थिक विकास के प्रत्येक स्तर पर ईरानी पिछड़ते जा रहे हैं। अब उन्हें इसका एहसास होगा कि इन प्रतिबंधों से मुक्ति कितनी आवश्यक है।

अमेरिका ने इस हमले से पश्चिम एशिया में सऊदी अरब की स्थिति को सुरक्षित किया है। वार्ताएं ही पर्याप्त नहीं होतीं। शक्ति का समुचित प्रदर्शन राजनय को सार्थक बना देता है। शक्ति के इस ट्रंप सिद्धांत का प्रभाव हम आगे भी पश्चिम एशिया में देखेंगे। तीसरी महत्वाकांक्षी शक्ति तुर्की है, जिसने अपनी आणविक महत्वाकांक्षाओं को अभी गहरे दबा रखा है। पाकिस्तान के साथ प्रगाढ़ हो रहे संबंधों की भूमिका मूलतः तुर्की की परमाणु तकनीक प्राप्त करने की आकांक्षा से बन रही है। वह नाटो संधि का देश है, लेकिन इन दिनों उसका आचरण गैर नाटो देशों जैसा होता जा रहा था। आईएस का गुप्त सहयोगी रहा तुर्की अपने आटोमन साम्राज्य के इस्लामी वर्चस्व के ख्वाब से मुक्त नहीं है। कमाल अतातुर्क का धर्मनिरपेक्ष तुर्की इस्लामीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सऊदी प्रिंस सलमान के प्रयासों से सऊदी अरब में परिवर्तन की हवाएं चलनी शुरू हुई हैं। खुलापन आ रहा है। महिलाओं को अधिकार दिए जा रहे हैं। उसके बरक्स ये दो क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी- ईरान और तुर्की मध्यकालीन इस्लाम की तरफ बढ़ रहे हैं। शायद मुस्लिम उम्मा के नेतृत्व का यही एक रास्ता है। अगर अफ्रीका-एशिया के इस्लामिक आर्क को देखें, तो इस्लामी राज्यों की यह शृंखला धुर पूर्व में पाकिस्तान पर आकर रुक जाती है। अपने परमाणु हथियारों के जखीरे के बावजूद पश्चिम एशिया के शक्ति संतुलन में पाकिस्तान की कोई भूमिका नहीं है। वह अपनी भूमिका की तलाश में अपने पूरब लोहे की भारतीय दीवार से टकराता रहता है। चूंकि पाकिस्तान ने एक राज्य के रूप में अपने लिए भारत विरोध का असंभव-सा लक्ष्य तय कर रखा है, इसलिए उसकी कोई उपयोगी भूमिका किसी के लिए भी नहीं बन पाई है। आतंकवाद की शरणस्थली बन जाने के कारण अपने क्षेत्र और दुनिया में पाकिस्तान की कहीं कोई भूमिका नहीं बन सकी है। हां, सोवियत संघ के दिनों में अमेरिका इसे मात्र भारत पर दबाव बनाने के लिए एक नकारात्मक भूमिका में इस्तेमाल करता रहा है। आज जब भारत से अमेरिकी संबंध बेहतर होते जा रहे हैं, तो पाकिस्तान की भूमिका सीमित होकर अफगानिस्तान में अमेरिकी चौकीदारी भर की रह गई है। चीन के साथ पाकिस्तान के संबंधों को परिभाषित किया जाना शेष है। वैसे इसका कोई प्रभाव पश्चिम एशिया की राजनीति पर नहीं है। पश्चिम एशियाई राजनीति की महत्वपूर्ण धुरी इस्राइल रहा है। लगभग समस्त अरब देशों का नीतिगत लक्ष्य इस्राइल का समापन रहा है। लेकिन कैम्प डेविड मिस्र-इस्राइल समझौते के बाद समीकरण बदलते गए। शक्तिशाली इस्राइल से कोई इस्लामिक देश उलझना नहीं चाहता। सऊदी अरब से इस्राइली संबंध तेजी से सुधार पर है। तुर्की और ईरान के विदेश-रक्षा नीतियों के केंद्र में इस्राइल विरोध है, जो उनकी आंतरिक राजनीति में काम आता है।

अमेरिकी हमले के इस सुलेमानी एपिसोड के बाद पश्चिम एशिया की बिसात पर इन चारों खिलाड़ियों में से कोई ऐसा नहीं रह गया है, जो फिर किसी खतरनाक चाल का आगाज करे। यह संभव नहीं लगता कि कोई देश इस यथास्थिति को आगे लंबे समय तक भंग करने का प्रयास करेगा। एक मिसाइल हमले से अमेरिका ने अपनी खो रही बिग ब्रदर की हैसियत पुनः प्राप्त कर ली है।

जल तरंग

असरदार किरदार और किरदार की इज्जत

एक इश्तिहार में अजय देवगन तानाजी बने औरंगजेब के किले को ध्वस्त कर रहे हैं, मराठा साम्राज्य के भगवे झंडे को स्थापित कर रहे हैं।

दूसरे ही इश्तिहार में तानाजी उर्फ अजय देवगन किसी दवाई के साथ दिख रहे हैं, जिसका इस्तेमाल बॉडी को फिट बनाने, बॉडी का वजन मनचाहे तरीके से बढ़ाने के लिए होता है।

तानाजी कोई बनियान बेचते हुए भी दिखते हैं किसी इश्तिहार में। तानाजी पान-मसाला बेचते हुए भी दिखते हैं, मुझे डर है कि किसी फिल्म में राणा प्रताप कहीं यह न कहने लगें–यह वाला पान-मसाला खाकर ही युद्ध के लिए जाना चाहिए।

बहुत संभव है तानाजी किसी इश्तिहार में अपनी मजबूत मसल का राज भी बता रहे हों। तानाजी किसी शराब के ब्रांड से जुड़े इश्तिहार में दिख रहे हैं। क्या-क्या देखना पड़ेगा। तानाजी किला फतह करें, यह तो समझ में आता है। पर तानाजी पान-मसाला बेचें, यह तो कतई हृदयद्रावक घटना है। हाय-हाय यही देखना बचा है क्या।

अगर अजय देवगन तानाजी बन रहे हैं, तो कुछ वक्त के लिए पान-मसाले और बनियान के इश्तिहारों से मुक्त हो जायें। रामलीलाओं में तमाम पात्रों की भूमिका कर रहे अभिनेताओं से उम्मीद रहती है कि वह कम से कम रामलीला के दौरान बहुत शुद्ध पवित्र जीवन जीयेंगे। रावण बने सज्जन भले ही यह सब कर लें, पर सीताजी बनी महिला या बालिका से उम्मीद रहती है कि बहन रामलीला के दौरान शुचिता का पालन करेगी। अपनी इज्जत का ख्याल कोई चाहे जितना करे, पर उस किरदार की इज्जत का ख्याल जरूरी है, जो कोई निभा रहा है।

अमिताभ बच्चन अब कुछ भी बेच लें, कोई दिक्कत नहीं है। फिल्मों में अब वह बहुत टॉप लीड भूमिकाओं में नहीं आते। एक जमाने में वह फिल्मों में डॉन, शायर वगैरह बनते थे। कभी-कभी फिल्म में वह ऐसे शायर बने थे, जो बाद में उद्योगपति हो गये थे। शायरी से काम नहीं चलता, यह बात अब से चार दशक पहले आयी फिल्म में से भी साफ हुआ था। अमिताभ बच्चन शायर से उद्योगपति बन गये, कभी-कभी फिल्म में। बाद में अमिताभ बच्चन कभी डॉन बने, कभी जुआरी बने। डान, जुआरी, शायर को कुछ भी बेचने का हक है। डॉन चरस न बेचकर बनियान बेचे तो देश का भला ही कर रहा होता है। जुआरी जुआ न खेलकर पान-मसाले या शराब का सेल काउंटर लगा ले, तो भी कुछ न कुछ ठोस आर्थिक गतिविधि ही कर रहा होता है। और शायर तो यूं भी कुछ भी बेचने का हकदार हो जाता है कि शायरी की कमाई में घर न चलता। पर तानाजी होकर पान-मसाला बेचना। अजय देवगन को सोचना चाहिए।

उच्च तकनीक से रोजगार की चुनौती

ऑन लाइन पोर्टल लिंकडिन ने कहा है कि ब्लाक चेन, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, जावा स्क्रिप्ट और रोबोटिक्स क्षेत्रों में तेजी से नये रोजगार बन रहे हैं। पारम्परिक मैन्युफेक्करिंग से सम्बंधित इलेक्ट्रिकल अथवा मैकेनिकल इंजीनियरों एवं सिविल इंजीनियरों अथवा कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन बहुत धीरे हो रहा है। यह परिवर्तन विश्व अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूप का संकेत देता है जो मैन्युफेक्करिंग से हटकर सेवा क्षेत्र की ओर मुड़ रही है। तकनीकी विकास से अर्थव्यवस्था में इस प्रकार के मौलिक परिवर्तन समय-समय पर होते रहते हैं। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जोसेफ शुमपेटर ने इसे 'सृजनात्मक विनाश' की संज्ञा दी थी। जैसे पूर्व में घोड़ा गाड़ी चलती थी। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने की रफ्तार लगभग 10 किलोमीटर प्रति घंटा होती थी। आज घोड़ा गाड़ी समाप्त हो गई है। आज घोड़ा गाड़ी बनाने, घोड़े की देखभाल करने और इन्हें चलाने के रोजगार पूरी तरह समाप्त हो गये हैं। लेकिन साथ-साथ जीप और बस के बनाने, इनकी मरम्मत करने और इन्हें चलाने में उससे अधिक रोजगार उत्पन्न हो गये हैं। लोगों का आवागमन इतना बढ़ गया है कि बसें भी भरी रहती हैं।

दूसरा उदहारण लें तो पूर्व में बैंक से नगद निकालने के लिए आप बैंक जाते थे। वहां बैंक के क्लर्क से आप अपना चेक पास कराकर कैशियर से नगद लेते थे। बैंक में क्लर्क और कैशियर के रोज़गार सृजित हो रहे थे। आज आप एटीएम में जाकर वही रकम स्वयं निकाल लेते हैं। बैंक के क्लर्क और कैशियर का काम समाप्त हो गया है। लेकिन उसी अनुपात में बैंक के खाताधारकों की संख्या में वृद्धि हुई है और बैंकों के कंप्यूटर कर्मियों की संख्या बढ़ने से कुल कर्मियों की संख्या लगभग उतनी ही रह गयी है। तीसरा उदाहरण लें तो आज से बीस वर्ष पूर्व तमाम सबस्क्राइबर टेलीफोन डायलिंग अथवा एसटीडी बूथ हुआ करते थे। इनके माध्यम से आप दूरदराज अपने जानकारों से फोन करते थे। आज मोबाइल फोन में यह सुविधा उपलब्ध हो जाने से एसटीडी बूथ पूरी तरह ठप हो गये हैं। उनमें काम करने वाले बेरोजगार हो गये हैं। लेकिन उसी अनुपात में मोबाइल फोन को बेचने, मरम्मत करने एवं उसमें प्रोग्राम डालने का धंधा बढ़ गया है। बल्कि मोबाइल फ़ोन से आप ऑनलाइन शॉपिंग, ट्रेन की जानकारी इत्यादि भी हासिल कर रहे हैं, जिससे आपका जीवन आसान हो गया है। शुमपेटर का कहना था कि इस प्रकार के सृजनात्मक विनाश से घबराना नहीं चाहिए। हमें नये कार्यों के विस्तार पर ध्यान देना चाहिए। पुराने कार्यों

– भरत झुनझुनवाला

का विनाश और नये कार्यों का सृजन साथ-साथ चलता है। यह एक सतत प्रक्रिया है।

अमेरिका की ब्रूकिंग्स संस्था के मेट्रोपोलिटन पॉलिसी प्रोग्राम द्वारा किये गए अध्ययन के अनुसार आने वाले समय में उच्च तकनीकों में रोजगार में वृद्धि होगी और वेतन भी बढ़ेंगे, मध्यम तकनीकों में रोजगार कम होंगे और निम्न तकनीकों में रोजगार की संख्या में वृद्धि होगी लेकिन वेतन न्यून रहेंगे। वर्तमान में न्यून, मध्यम और उच्च श्रेणी का एक पिरामिड सरीखा रोज़गार का वितरण है। न्यून तकनीक के रोजगार जैसे टैक्सी चलाना, मोबाइल फ़ोन को बेचना और मरम्मत करना, कार की मरम्मत करना अथवा ट्यूबवेल की फिटिंग करना इत्यादि के रोज़गार की संख्या में वृद्धि होगी लेकिन इनके वेतन में गिरावट आएगी। इस प्रकार के कार्य के श्रम बाज़ार में श्रमिकों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और वेतन में गिरावट आएगी। मध्यम श्रेणी के तकनीक के रोजगार जैसे एक्स-रे को देखना अथवा कंप्यूटर टाइपिंग करना जैसे कार्य लुप्तप्राय हो जायेंगे। आगामी समय में ऐसी तकनीकें आ जाएंगी, जिनसे कंप्यूटर एक्सरे को देखेगा और रेडियोलॉजिस्ट का रोज़गार समाप्त हो जायेगा। ऐसे कंप्यूटर प्रोग्राम बन जायेंगे कि आप स्वयं ही अपने कंप्यूटर से बोलकर टाइपिंग करा सकेंगे। जैसे वर्तमान में यदि आपको कोई कागज छपवाना है तो उसकी फोर्मैटिंग आप स्वयं कर लेते हैं जो कि पूर्व में किसी मध्यम श्रेणी के कर्मी से करते थे। इसलिए मध्यम श्रेणी के रोजगार लुप्तप्राय हो जायेंगे। तीसरी तरफ जो उच्च श्रेणी के रोजगार हैं, जैसा कि लिंकडिन ने बताया है, जैसे ब्लाक चेन, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, जावा स्क्रिप्ट और रोबोटिक्स, जिनमें भारी वृद्धि होगी। इनमें वेतन भी बढ़ेंगे और संख्या भी बढ़ेगी। यद्यपि कुल संख्या कम रहेगी क्योंकि इसमें कम संख्या में लोग ही अधिक मात्रा में काम कर सकते हैं। किसी एक वैज्ञानिक ने एक नये प्रकार का रोबोट बना दिया तो उस रोबोट का लाखों की संख्या में उत्पादन करना और उससे करोड़ों माल का उत्पादन करना संभव हो जाता है। इसलिए उच्च तकनीक के रोजगार संख्या में कम और वेतनमान अधिक होंगे।

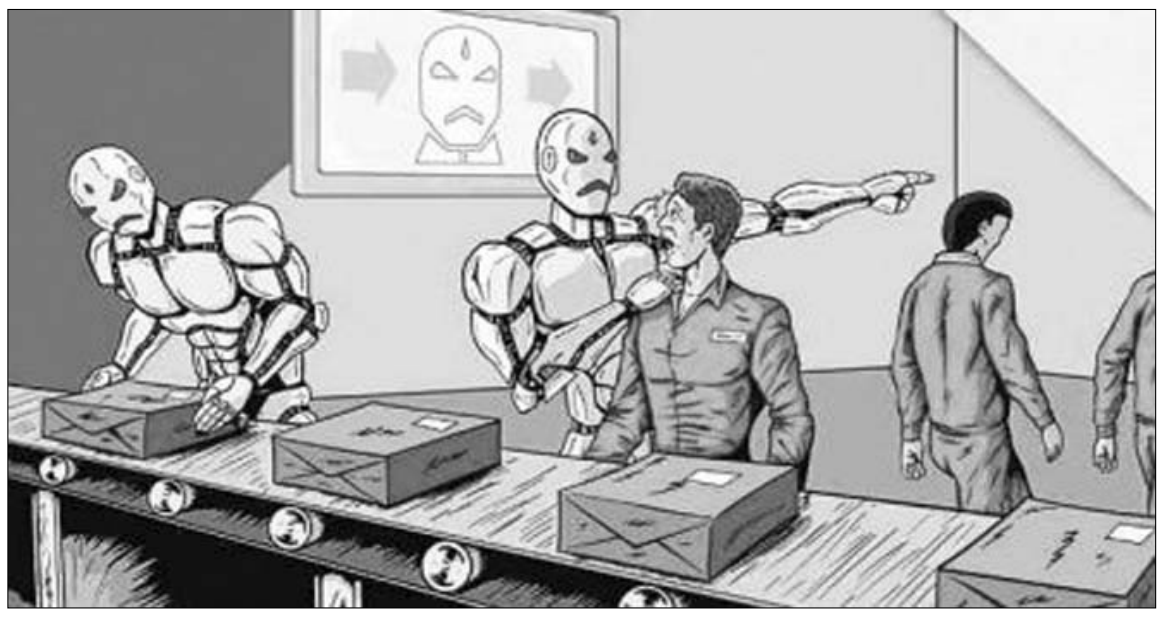

इस परिस्थिति में हमको अपने देश की जनता को रोजगार उपलब्ध कराना है और देश के आर्थिक विकास को बढ़ाना है। स्पष्ट होगा कि सर्वप्रथम हमें उच्च तकनीकों को सृजित करने में रोजगार बनाने होंगे। इसके लिए हमें केन्द्र सरकार की तमाम प्रयोगशालाओं का आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। विश्व स्तर पर हमारी प्रयोगशालाएं ठहरती नहीं हैं। अतः हमे तकनीकों के सृजन को आउटसोर्स करने पर विचार करना होगा। सरकार द्वारा ब्लाक चेन और आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में नई तकनीकों को सृजित करने के लिए निजी संस्थाओं अथवा सरकारी प्रयोगशालाओं अथवा हमारी सरकारी यूनिवर्सिटियों को ठेके दिए जा सकते हैं, जिससे कि इन ठेकों को हासिल करने के लिए संस्थाओं के बीच स्पर्धा हो। ताकि हम इन तकनीकों को तेजी से बना सकें। विशेषकर हमें अपने यूनिवर्सिटी तन्त्र में तेजी से सुधार करना होगा।

वर्तमान व्यवस्था में अध्यापकों पर रिसर्च करने का दबाव नहीं होता है और कुछ विश्वविद्यालयों को छोड़ दें तो वे कम ही रिसर्च करते हैं। वातावरण भी रिसर्च का नहीं है क्योंकि प्रशासन द्वारा तमाम अवरोध पैदा किये जाते हैं। इसलिए यूनिवर्सिटियों के द्वारा रिसर्च की महत्वाकांक्षी परियोजना बनायी जानी चाहिए, जिससे देश में तकनीकों का सृजन हो। यदि ऐसा होता है तो हम अपने युवाओं को रोजगार ही नही, बल्कि देश की आर्थिकी को भी सुधार सकेंगे और विश्व में भारत का प्रभुत्व भी स्थापित कर सकेंगे।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

पहचानने की क्षमता को प्रभावित करती है अनिद्रा

एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से चेहरा पहचानने की सटीकता पर असर पड़ सकता है। कम सोने से अधिकारियों द्वारा किया जाने वाला पासपोर्ट मिलान का महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए सीसीटीवी की तस्वीर से पुलिस रिकॉर्ड से पहचान करने की या पासपोर्ट फोटो से यात्री की शक्ल मिलाने की जरूरत पड़ती है। कम नींद लेने की वजह से ये फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

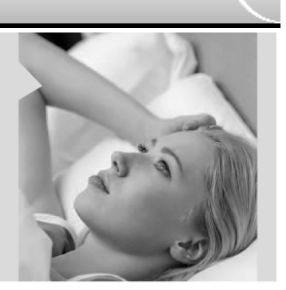

हेल्थ फेक्ट

व्यायाम से बदल सकते हैं डीएनए...

जब आलसी लोग कुछ मिनट के लिए व्यायाम करते हैं, तब उनके डीएनए पर तत्काल परिवर्तन होता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, यह व्यायाम करने वाले को मजबूत बना सकता है। व्यायाम से आदमी की मांसपेशियों का आनुवांशिक कोड बदलता नहीं है लेकिन इन मांसपेशियों के डीएनए अणुओं में कई तरह से संरचनात्मक बदलाव आते हैं। व्यायाम से डीएनए के विशिष्ट स्थानों पर पहले की घटनाओं के आधार पर मांसपेशियों की आनुवांशिक संरचना में यह बदलाव दिखता है जो ताकत बढ़ाता है और अंततः मेटाबॉलिज्म को फायदा होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हमारी मांसपेशियों में बहुत टाक्सिन है।

यह अक्सर कहा जाता है कि आप जो खाते हैं वैसे बनते हैं। इसी तरह, आप जो करते हैं उसी हिसाब से मांसपेशियां भी बदलती हैं। यदि आप इनको निष्क्रिय बनाए रखेगें तो इससे इसकी ताकत कम होती है और यह एक रास्ता है जिससे यह होने की अनुमति देता है। डीएनए में बदलाव का यह प्रश्न एपीजेनेटिक (वंशानुगत) संशोधन कहलाता है। यह पारिवारिक क्रम के अनुसार डीएनए के केमिकल अंकों के फायदे और नुकसान में शामिल होता है।

शोध के अनुसार

नया अध्ययन यह दर्शाया कि जो लोग पहले एक्सरसाइज करते थे उनकी हड्डियों और मांसपेशियों के डीनएनए के केमिकल अंकों की तुलना में तुरंत व्यायाम करने वाले लोगों के केमिकल अंक कम होते हैं। यह परिवर्तन उस प्रकार के डीएनए में अपना स्थान बनाता है जिसके फंक्शन कार्यशील हो जाते हैं और व्यायाम के समय मांसपेशियों के जीन्स में समायोजित होते हैं।

जब शोधकर्ताओं ने लैब में मांसपेशियों का विभिन्न डिशेज के साथ संपर्क किया, तब उन्होंने डीएनए मिथाइल समूह में समान रूप से नुकसान देखा। एपीजेनेटिक परिवर्तन जीन्स के लचीलेपन को बारी-बारी से बदलने की क्षमता रखता है। यह हमारी कोशिकाओं के डीनएनए को पर्यावरण के अनुरूप बनाता है। डॉक्टरों के अनुसार, व्यायाम दवा है, जो केवल हल्के सैर से जीनोम्स को स्वस्थ तरीके से बदलता है।

आजकल की खराब लाइफस्टाइल और बुरी आदतों की वजह से महिलाओं में फर्टिलिटी की समस्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है, जिससे कंसीव करने में बड़ी परेशानी होती है। लेकिन क्या कभी सोचा है कि अगर अपनी डाइट में कुछ ऐसे आहार शामिल कर लिये जाएं, जिससे फर्टिलिटी बढ़ जाए तो कितना अच्छा होगा। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे ही फर्टिलिटी फूड्स के बारे में, जिन्हें अपने डाइट में शामिल कर इस दिक्कत से छुटकारा पाया जा सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, खासकर पालक प्रजनन अंगों को स्वस्थ रखते हैं। इसमें मौजूद आयरन, फॉलिक एसिड व एंटीऑक्सीडेंट्स काफी मददगार होते हैं। पालक में मिलने वाला फोलिक एसिड न सिर्फ प्रेंगनेंट होने में मदद करता है, बल्कि नवजात में होने वाली समस्याओं से भी बचाता है।

पीली व नारंगी सब्जियां

महिलाओं को अपने खाने में नारंगी व पीले रंग की सब्जियों को शामिल करना चाहिए। ये सब्जियां एंटी आक्सिडेंट व बीटा केरोटीन का अच्छा स्रोत है। बीटा केरोटीन महिलाओं में हार्मोन्स के असंतुलन को कम करता है, जिससे आपको कंसीव करने में मदद मिलती है। इसके अलावा गर्भपात की आशंका भी कम हो जाती है।

रेशेयुक्त भोजन

महिलाओं को अपने आहार में साबुत अनाज लेना चाहिए। ब्राउन राइस, गेहूं की ब्रेड, बींस और फ्लैक्स सीड को शामिल करना चाहिए। ये रेशेयुक्त आहार हैं, जो पचने में आसान होते हैं। अगर पाचन-क्रिया सही रहेगी, तो शरीर में कोई भी विषैला तत्व नहीं रहेगा।

पीएं ज्यादा पानी

यह तो सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि ज्यादा पानी पीने से कंसीव करने भी मदद मिलती है। प्रजनन अंग ठीक से काम करते हैं। प्राकृतिक तरल पदार्थ आसानी से स्पर्म सर्विक्स तक पहुंचते हैं।

गाजर खाएं

गर्भवती होने के लिए जरुरी है कि महिलाओं के मासिक धर्म नियमित हो। इसके लिए गाजर, मटर, स्वीकट पटैटो आदि का सेवन करें, इससे मासिक धर्म नियमित रहेगा। साथ ही आप जल्द ही कंसीव कर सकेंगी।

विटामिन-सी

विटामिन-सी वाले आहार, जैसे- संतरा, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी व किवी फ्रूट का नियमित सेवन करने से महिलाओं को कंसीव करने में मदद मिलती है।

दूध से बने इटेब्ल्स लें

दूध से बने खाद्य सामान महिलाओं में प्रजनन क्षमता को बढ़ाते हैं। इसलिए महिलाओं को दूध, दही खाना चाहिए। इसके अलावा मछली में मिलने वाला एमीनो एसिड भी फर्टिलिटी बढ़ाता है। आप इसे भी अपने खाने में शामिल कर सकती हैं।

जानें फर्टिलिटी फूड्स के बारे में...

बादाम खाएं

गर्भवती होने के लिए महिलाएं बादाम, अखरोट और अप्रीकॉट भी खा सकती हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो कि शरीर के लिए काफी जरूरी है। ताजा और ऑर्गेनिक फल आपको प्रेगनेंट होने में मदद करता है। ऐसे फल, जो पैक या प्रिजर्व करके रखे जाते हैं, उनमें केमिकल मिला होता है। इसलिए इसे खाने से बचना चाहिए।

डाइ इनडोलीमिथेन

बंदगोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, मोठ व स्प्राउट्स जैसी सब्जियों में डीआईएम यानी डाइ इनडोलीमिथेन नामक तत्व भरपूर मात्रा में होता है। यह फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद होता है। शरीर में अतिरिक्त एस्ट्रोजेन को कम भी करता है। जिससे यूट्रीन फाइबरॉयड, ओवरी के सिस्ट और एंडोमीटोरॉयसिस जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

नट्स और बीन्स

नट्स और बीन्स में जरुरी फैटी एसिड, विटामिन्स, मिनिरल्स और भरपूर मात्रा में प्रोटीन होते हैं। इसके अलावा ये बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करते हैं। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होता है। प्रजनन-तंत्र को जरुरी तत्व मिलते हैं। इससे महिलाओं में भ्रूण का विकास तेजी से होता है। पुरुषों में स्पर्म की क्वॉलिटी भी सुधरती है।

अंडा है फायदेमंद

अंडे की पीली जर्दी फर्टिलिटी के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 एसिड, विटामिन-ए और ई, पानी में घुलने वाला विटामिन-बी, यानी कोलाइन भी होता है। इसके सेवन से गर्भ के भीतर शिशु का नर्व सिस्टम ठीक रहता है। ऐसे में अंडे का सेवन फर्टिलिटी बढ़ाने और हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए फायदेमंद है।

मछली में ओमेगा-3

मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड, डीएचए, इपीए, विटामिन-डी और बी-12 नामक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। ये शरीर में हार्मोन्स को संचालित करते हैं। मछली न सिर्फ फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान भी शिशु के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि ओमेगा-3 एसिड युक्त डाइट के सेवन से पुरुष फर्टाइल होते हैं। इसलिए यह सभी के लिए फायदेमंद है।

हेल्थ केयर

वजन घटाने में फायदेमंद हैं जापानी नुस्खे

वजन घटाने के लिए कोई जिम जाता है तो कोई डाइटिंग करता है। इसके बाद भी बहुत से लोगों का वजन कंट्रोल नहीं होता है। क्या आप जानते हैं कि जापानी लोग अपना वजन कैसे घटाते हैं, और इसकी प्रकिया किस तरह होती है, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा वो वजन घटाने के जापानी नुस्खे काम में लेते हैं। इसे असा कहा जाता है।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि ये वजन कम करने का सांइटिफिक और अचूक उपाय है। जिसके नियमित इस्तेमाल से वजन कम होना तय है। जिस तरह हमारे यहां ज्यादातर लोग दिन की शुरुआत नींबू पानी या फिर चाय से करते हैं, उसी तरह जापान में लोग दिन की शुरुआत गुनगुने पानी और केले से करते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो गुनगुना पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होने से फैट जल्दी बर्न होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है, लेकिन इससे कमजोरी हो सकती है। ऐसे में केला खाना फायदेमंद होता है। केला खाने से एनर्जी मिलती है और पेट भी भरा हुआ महसूस होता है। इससे समय-समय पर कुछ खाने का मन नहीं करता। वजन कंट्रोल होने का ये एक बहुत बड़ा कारण है। आप सिर्फ सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी पिएं। उसके बाद आधे घंटे तक वॉक करें।

अब दो केले खाएं। इस उपाय को नियमित रूप से करें। इससे वजन तो कम होगा ही। साथ ही अन्य फायदे भी होंगे। इससे इंफेक्शन का खतरा कम होता है और कई बीमारियों से बचाव होता है। पेट से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं। बॉडी टॉक्सिन्स दूर हो जाते हैं, जिससे त्वचा पर निखार आता है। कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मददगार है।

फ्लू से निजात दिलाएंगी यह नई वैक्सीन

इन दिनों फ्लू, वायरल बुखार,डेंगू और चिकनगुनिया की समस्या काफी फैली हुई है। ऐसा मौसम बदलने के कारण होता है क्योंकि मौसम के बदलने से तापमान में उतार-चढ़ाव आता रहता है और इसकी के वजह से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। शरीर के कमजोर होने से यह फ्लू जैसी समस्याए हो जाती है। फ्लू एक संक्रामक बीमारी है। यह एक व्यक्ति से दूसरें में प्रवेश कर जाती है। आज हम आपको इसके इलाज के बारे में बताएंगे। फ्लू से बचने के लिए ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक नई वैक्सीन इलाज को शुरू किया है, जो संक्रामक विषाणुओं से रक्षा करेगा साथ ही भविष्य में फैलने वाले फ्लू को रोकने में मदद करेगा। इस वैक्सीन की एक खुराक से 88त्न फ्लू पर काबू पाया जा सकता है। दुनियाभर में फ्लू से निपटने के लिए वैश्विक टीके तैयार किए हैं, जिनमें से एक टीका 88 प्रतिशत फ्लू से निजात दिलाएगा। दूसरा टीका 95 प्रतिशत अमेरिकी इंफ्लूएंजा के लिए बनाया गया है। वैक्सीन की खोज को बहुत बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ब्रिटेन के लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डेरेक गैदरर के मुताबिक वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित इलाज है। उन्होंने बताया है कि अगले साल तक इसे मार्किट में लाया जाएंगा।

चलने के बाद पैरों में दर्द बड़े खतरे की निशानी

आजकल जैसे-जैसे लोग जागरूक हो रहे हैं, टांगों में उभरने वाली नीले रंग की मकड़ीनुमा नसों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जिस रफ्तार से हम लोग आरामतलब व विलासितापूर्ण जीवन शैली को अपना रहे हैं, उसी रफ्तार से हमारी टांगें वेरीकोस वेन्स की शिकार हो रही हैं। शुरूआती दिनों में हम लोग स्वभावत इनकी उपेक्षा करते हैं, पर जब तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है, तो इधर-उधर बगैर सोचे-समझे परामर्श लेना शुरू कर देते हैं। इस तरह के अधकचरे इलाज का परिणाम टांगों में कालिमा या लाइलाज घाव के रूप में निकलता है। सबसे ज्यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। नियमित चलने की आदत को जिसने अलविदा कहा और ज्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को जाने-अनजाने या मजबूरी में गले लगाया, उसकी टांगों में वेरीकोस वेन्स का देर-सवेर प्रकट होना नित है।

कैसे पहचानें?

अपनी टांगों व पैर का ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए। अगर आपको केंचुआनुमा या मकड़ीनुमा उभरी हुई नीले रंग की नसें टांगों की त्वचा पर दिख रही हैं या काले रंग के निशान व काले रंग के चकत्ते या बिंदियां दिखाई पड़ रही हैं, तो आप यकीनन वेरिकोस वेन्स से ग्रसित हो चुके हैं। अगर थोड़ा चलने के बाद आपके पैरों में सूजन या थकान या हल्का दर्द महसूस होने लगे तो आप समझ जाइए कि आप वेरीकोस वेन्स के शिकार होने जा रहे हैं। अगर चलने के बाद टांगों में थोड़ी लाली व उभरी हुई नीले रंग की नसें दिखने लगें तो यकीन वेरीकोस वेन्स से आपका नाता जुड़ चुका है।

कारण

अगर आप आरामतलब व बैठे रहना पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो आपकी टांगें वेरीकोस वेन्स से दूर नहीं हैं। आप कुछ इस तरह समझ लें कि अगर आप गुसलखाने में स्नान करने जाएं जहां शुद्ध जल सप्लाई करने वाला पानी का नल व स्नानघर से निकलने वाली नाली दोनों सुचारू रूप से काम कर रहे हैं तो नहाने वाले को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि नल से निकलने वाले शुद्ध पानी से जब आप स्नान करेंगे तो गंदा पानी नाली द्वारा बाहर निकलता रहेगा। अगर कहीं नाली संकरी हो जाए या ठीक से अपना काम न करे या किसी वजह से उसमें रुकावट आ जाए, तो जाहिर है कि वह साबुन मिश्रित गंदा पानी आपके नहाने के बाद बाथरूम में इकट्ठा होता रहेगा और निकलने का दूसरा रास्ता ढूंढने लगेगा जैसे बाथरूम की दीवारों से रिसना या दरवाजे की दरार से निकलना या ऊपर तक भर जाने पर खिड़की से रिसना। ठीक उसी तरह से बाथरूम की जगह आप अपनी टांग को समझ लीजिए, जिसमें धमनियों यानी पैरों की आर्टरी से शुद्ध रक्त निरंतर प्रवाहित हो रहा है, जिसकी वजह से चलने के लिए जरूरी आक्सीजन की हमेशा आवश्यकता रहती है, टांगों की मांसपेशियों को आक्सीजन सप्लाई करने के बाद, रक्त आक्सीजन रहित व गंदा हो जाता है। यह रक्त अब तभी लाभदायक और फिर से इस्तेमाल यानी पैरों को दोबारा से सप्लाई करने लायक बनेगा जब दोबारा इसमें आक्सीजन डाली जाए। इसके लिए यह जरूरी है कि पैर में इकट्ठा हुआ यह गंदा रक्त ऊपर चढ़ कर दिल के जरिए फेफड़े तक पहुंचे। फेफड़े में फिर से आक्सीजन प्राप्त करके दोबारा फिर सर्कुलेशन में आए और आर्टरी के जरिए फिर से पैरों को शुद्ध रक्त पहुंचे। अगर किसी भी कारण से अशुद्ध रक्त ऊपर नहीं चढ़ेगा तो उसके पैर व टांगों में इकट्ठा होने की क्रिया बढ़ती जाएगी और टांगों में सामान्यत सोई हुई वेन्स गंदे रक्त से भरने लगेंगी और फूलने के कारण खाल के नीचे उभरी हुई मकड़ी के जाले की तरह दिखने लगेंगी। यहीं से वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो जाती है।

सर्जरी व लेजर तकनीक में अंतर

दोनों का उद्देश्य एक ही है। वेरीकोस वेन्स से टांगों को छुटकारा दिलाना यानी किसी से पीछा छुड़ाने के दो रास्ते हैं या तो उसको अपने इलाके से बाहर निकलवा दो या फिर उसको अपने इलाके में ही खत्म कर दो। ठीक उसी तरह से वेरीकोस वेन्स को टांग से बाहर निकालने का काम सर्जरी का है और टांग के अंदर ही अंदर खत्म कर देने का काम लेजर तकनीक का है इसलिए वेरीकोस वेन्स के इलाज के रास्ते अलग-अलग हैं पर मंजिल एक ही है।

लेजर से इलाज के फायदे

इस तकनीक में मरीज को बेहोश नहीं करना पड़ता और चमड़ी में कट भी नहीं लगाने पड़ते इसलिए टांके लगवाने और कटवाने की जरूरत नहीं पड़ती। अस्पताल में ज्यादा दिन तक रुकना नहीं पड़ता। एक दिन में ही मरीज घर जा सकता है। न ब्लीडिंग, न ड्रैसिंग का चक्कर। अगले दिन से ही मरीज अपने काम पर लौट सकता है। फिलहाल मरीज के लिहाज से व उपचार के लिहाज से भी यह तकनीक अत्यंत सुगम व लाभदायक है। इसके अलावा आर.एफ.पी नामक एक नई उपचार विधि विकसित हुई है जो लेजर तकनीक की तुलना में अधिक लाभदायक है।

इलाज

अगर आपको लगता है आपकी टांगों में वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो चुकी है तो हाथ पर हाथ धर कर मत बैठिए, तुरंत किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श लें। वेरीकोस वेन्स की शुरूआत होने पर, तुरंत सर्जरी या लेजर की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि अपनी आरामपसंद दिनचर्या में फेरबदल करना पड़ता है। रोज सुबह व शाम को एक-एक घंटे यानी कुल दो घंटे पार्क में टहलना पड़ता है। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज्यादा लटका कर नहीं बैठना होता है और न ही एक घंटे से ज्यादा लगातार खड़े रहना होता है। अपने बढ़े हुए वजन को घटाना पड़ता है। दिन में चलते वक्त एक विशेष किस्म की जुराबों को टांगों पर पहनना पड़ता है। इसके साथ-साथ हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करते रहना पड़ता है। अगर वेरीकोस वेन्स पूरी तरह से विकसित हो जाती हैं या पैरों पर काले निशान व चकत्ते उभर आते हैं या सूजन व लाली बनी रहती है या फिर घाव उभरने लगे हों, तो ऐसी परिस्थितियों में सर्जरी या लेजर या आर.एफ.ए. तकनीक का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए किसी ऐसे अस्पताल में जाएं जहां वैस्क्युलर सर्जरी का महकमा हो और इन सब इलाजों की सुविधा हो।

रेसिपी

आलू कबाब

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 हरी मिर्च (कटी हुई)
1 टीस्पून अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
1 टीस्पून सेंधा नमक
1 कप व्रत के चावल

विधि

सबसे पहले उबले हुए आलओं को कद्दूकस कर लीजिए। अब एक बाऊल में कद्दूकस किए गए आलू, हरी मिर्च, अदरक, काली मिर्च पाऊडर और सेंधा नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।, अब इस मिश्रण हाथ में ले और छोटी-छोटी बॉल बना लें। अब इन बॉल्स को व्रत के आटे में रोल करें। अब एक कडाही में तेल गर्म करें। तेल गर्म होने पर तैयार की गई बॉल्स को फ्राई करें। आलू कबाब तैयार है। इन्हें नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

ड्राईफ्रूट शेक

सामग्री

3 कप ठंडा दूध, 2 टेबलस्पून शहद
8 काजू, 6 बादाम, 10 किशमिश
8 पिस्ता, 1 अखरोट
आधा टीस्पून इलायची पाऊडर
3 अंजीर और खजूर (दूध में भिगोए हुए)
शक्कर स्वादानुसार, 3 टीस्पून वेनीला एक्सट्रेक्ट
मिक्स ड्रायफ्रूट्स (कटे हुए)

विधि

शेक बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में भिगोए हुए अंजीर-खजूर, आधा कप दूध और सारे ड्राईफ्रूट्स डालकर मिक्सर में पीस लें। दूध में शहद, इलायची पाऊडर और शक्कर मिलाकर ब्लेंड करें। अब इसमें ड्राईफ्रूट्स पेस्ट और वेनीला एक्सट्रेक्ट डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। जब शेक बन जाएं तो फ्रिज में आधे घंटे के लिए ठंडा करने के लिए रखें। अब गिलास में डालकर ड्राईफ्रूट्स से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

सार-समाचार

अधिशेष कार्मिकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश

जलतेदीप निसं, दौसा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार मीना ने पंचायत आम चुनाव 2020 अधिशेष कार्मिकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत आम चुनाव 2020 के अंतर्गत राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चतुर्थ चरण की लोकसूचना जारी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकार पंचायत चुनाव 2020 का कार्य मार्त पंचायत समिति बसवा तक ही सीमित है। उन्होंने समस्त प्रकोष्ठ प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रकोष्ठों में लगाए गए अतिरिक्त कार्मिकों को अविलम्ब कार्यमुक्त कर अपने पदस्थापन स्थान पर उपस्थिति प्रदान करने हेतु निर्देशित करें।

जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया

जलतेदीप निसं, दौसा। पंचायत आम चुनाव 2020 शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्ति में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि जोनल मजिस्ट्रेट मुख्यालय पंडितपुरा मुन्ना लाल गुर्जर, सह आचार्य स्वर्गीय राजेश पायलट महाविद्यालय बांदीकुई के स्थान पर नाहर सिंह मीणा, विकास अधिकारी, पंचायत समिति दौसा को जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किया : पंचायत आम चुनाव 2020 शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्ति में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि एरिया मजिस्ट्रेट मुख्यालय बसवा गोपाल जांगिड प्रशिक्षु आएएस के स्थान पर हरकेश मीना तहसीलदार मण्डावर को एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

आरओ तथा एआरओ का द्वितीय रेण्डमाइजेशन किया

जलतेदीप निसं, भरतपुर। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव.2020 के लिए तृतीय चरण में सम्मिलित पंचायत समिति वैरए बयाना एवं रूपवास के रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का द्वितीय रेण्डमाइजेशन बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी कक्ष में किया । जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस तृतीय चरण की पंचायत समिति वैरए बयाना एवं रूपवास के सरपंच और पंच पदो के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को पंचायत समिति का आवंटन किया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में सम्मिलित पंचायत समिति पहाडी एवं डीग के मतदान दलों का तृतीय रेण्डमाइजेशन भी किया गया। इसमें प्रथम चरण की पंचायत समिति पहाडी एवं डीग के लिए रवाना होने वाले नियुक्त मतदान दलों को मतदान केन्द्र का आवंटन किया गया। रेण्डमाइजेशन के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश कुमार मालवए मतदान दल गठन प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुष्कर राज शर्मा एवं मतदान दल गठन के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अशोक कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

दसवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 को

जलतेदीप निसं, भरतपुर। दसवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को उत्साहपूर्वक मनाया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने बताया कि इस बार के राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम मजबूत लोकतंत्र के लिए निर्वाचन साक्षरता है। इस अवसर पर मतदाताओं को शपथ दिलायी जायेगी तथा हाल ही में मतदान सूची में शामिल युवाओं तथा बेहतरीन कार्य करने वाले बीएलओ एवं सुपरवाईजर्स को सम्मानित किया जायेगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में समारोह जिला ए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र मुख्यालय एवं मतदान केन्द्र पर आयोजित किये जायेंगे। दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस हेतु आयोग की निर्धारित थीम के अनुसार विभिन्न स्तरों पर साक्षरता क्लबों का गठन किया जाकर राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पूर्व एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन इस हेतु आयोग द्वारा प्रकाशित सोर्स बुक के आधार पर गतिविधियां आयोजित कर अधिक से अधिक नागरिकों की क्लब के माध्यम से सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिये हैं कि आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को एवं इससे पूर्व सभी स्कूलोंए महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में आयोग द्वारा निर्धारित की गयी थीम ष्ष्मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदाता साक्षरताष्ष् पर आधारित विविध गतिविधियों यथा स्कूलए महाविद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लबों की स्थापनाए वाद.विवाद प्रतियोगिताए चित्रकला प्रतियोगिताए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताए मॉक पोल आदि का आयोजन किया जाये। उन्होंने बताया कि चूंकि 25 जनवरी को शनिवार होने के कारण राजकीय अवकाश रहेगा इसलिये सभी राजकीय विभागों में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ 24 जनवरी को प्रातः 11 बजे दिलवायी जायेगी जिससे कि अधिक से अधिक नागरिकों की निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

चुनाव के दिन मनरेगा श्रमिकों का अवकाश रहेगा

जलतेदीप निसं, भरतपुर। सरपंच और पंच पद के लिये चुनाव के दिन सम्बन्धित ग्राम पंचायत में मनरेगा श्रमिकों का अवैतनिक अवकाश रहेगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुष्कर राज शर्मा ने बताया कि प्रत्येक गुरूवार को मनरेगा श्रमिकों का अवकाश रहता है। मतदान दिवस पर अवकाश के बदले अगले गुरूवार को मनरेगा श्रमिक कार्य करेंगे।

सोनू ने स्वर्ण पदक जीतकर किया नाम रोशन

जलतेदीप निसं, सादुलपुर। गुवाहाटी में चल रही खेलो इंडिया प्रतिस्पर्धा में राजगढ़ तहसील के गांव नेशनल बड़ी के एथलेटिक्स सोनू कुमार ने 21 वर्षीय आयु वर्ग की त्रिकूद प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान पाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। सोनू कुमार ने त्रिकूद में 15.75 मीटर का जंप लगा कर यह उपलब्धि प्राप्त की है। कोच राजदीप लाम्बा के दिशा निर्देशन में चूरु जिला मुख्यालय पर स्थित अंतरराष्ट्रीय स्तर के सिंथेटिक्स एथलेटिक्स ट्रैक पर सोनू कुमार ने निरंतर प्रशिक्षण प्राप्त किया और आज गौरवमय स्थान पाया है। सोनू कुमार के प्रशिक्षक राजदीप लांबा ने बताया कि इस उपलब्धि में चूरू जिला मुख्यालय के अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रेक की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। चूरू लोकसभा क्षेत्र के सांसद राहुल कस्वां ने सोनू कुमार को बधाई देते हुए भविष्य के लिए भी शुभकामनाऐं व्यक्त की है।

बच्चों को खिलाया दाल का हलवा

जलतेदीप निसं, सादुलपुर। मकर संक्रांति के दिन मंजू देवी मोदी पत्नी कैलाश चन्द्र मोदी ने अपनी पुत्री गायत्री मोदी एवं पुत्र आशुतोष, अक्षय कुमार एवं लक्ष्मीनारायण मोदी आदि ने महाराणा प्रताप चौक स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कक्षा एक से दस तक के बच्चों को दाल का हलवा एवं पकोड़ी खिलाई।

पहला राष्ट्रीय डॉक्यूमेन्ट्री गीत पीओके देश को समर्पित

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

देश का पहला राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री गीत पीओके है बहुत तेजी से वायरल होने वाला राष्ट्रीय गीत बन चुका है 3 दिन के भीतर लाखों लोगों ने इस गीत को पसंद किया! निर्माता निदेशक विजय भारद्वाज का मानना कि इस साल पीओके हमारे देश का अभिन्न अंग होगा

फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम ऐसे लोग हैं जिनका पसंदीदा विषय आज भी राष्ट्र प्रेम से जुड़ा है, मनोरंजन की दुनिया में कुछ विरले ऐसे है जिन्हें अपने देश के प्रति प्रेम को दिखाने का जब भी अवसर मिला उन्होंने अपने कला के माध्यम से उसे अभिव्यक्त किया और देशवासियों के दिल में राष्ट्र प्रेम का अलख भी जगाया ऐसे ही विरले में शुमार होते हैं राष्ट्रीय गीत नमस्ते इंडिया के बादष् विजय भारद्वाजष् जिन्होंने एक बार फिर अपने राष्ट्र प्रेम को राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री गीत पीओके को सांसद सुशील सिंह, संजय मयूख, प्रमुख हस्तियों के बीच विधिवत रिलिज़ किया गया !

इस देश भक्ति गाने में हम उन महान विभूतियों के स्वप्नों को देख सकते हैं जिन्होंने अखंड भारत का सपना देखा था बेहतरीन फिल्मांकन एंव भावनापूर्ण संगीत के साथ साथ कलाकारों का उत्कृष्ट अभिनय ने इसे प्रमुख देश भक्ति गीतों के कतार में ला खड़ा किया है। राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री गीत में है के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जीए स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जीए अनमोल इंडस्ट्री के संस्थापक स्वर्गीय बैजनाथ चौधरी जीए और सतमोला कंपनी के संस्थापक स्वर्गीय शिव शंकर मित्तल जी को इस गीत में श्रद्धांजलि दिए गई है और इन महान विभूतियों को समर्पित किया गया!

ड्राइव जंकिंस प्राइवेट लिमिटेड पिछले 20 सालों से हिंदी पिक्चर फिल्म एटीवी सीरियल डॉक्यूमेंट्री के मार्फत से कला संस्कृति के क्षेत्र में देश को कलाकारों को रोजगार देते आ रही है विजय भारद्वाज जी इस गीत के निर्माता निर्देशक के साथ साथ डबल रोल में दिख रहे हैं इस जज्बे को हमारा सलाम जिसकी जरूरत फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को भी है जिनका लक्ष्य सिर्फसंवेदनशील मुद्दों को निचोड़ कर आर्थिक रस निकालने का ही करोबार करने में लगे हैं यह एक करारा तमाचा है उन नकली राष्ट्र भक्तों पर जो फिल्म इंडस्ट्री में नामचीन बन कर बैठे हैं। देश भर के 16 राज्यों से कलाकारों ने काम किया है।

सोनू छाबडा ने लघु फिल्म 'मेरे बाउजी' मे बिखेरा अभिनय का जलवा

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

मेवाल फिल्म जयपुर का उभरता प्रॉडक्शन है, जो सिर्फ सामाजिक संदेश देने के लिए फिल्म निर्माण करता है। भारत के बुजुर्गों के लिए लघु फिल्म मेरे बाउजी एक ख़ास संदेश है। माता-पिता से हमारी परवरिश ही इस तरह से होती है की हर चीज हमें अपनी लगती है। लेकिन, कभी-कभार बच्चों और माता-पिता के रिश्ते में खटास हर सीमा लांघ जाती है। टीम मेवाल फिल्म्स देश के तमाम बुजुर्गों से कहना चाहती हैं कि ज़िंदगी की शाम में आप अपने आप को अकेला और कमज़ोर मत समझिए, अगर आप चाहें तो आज भी अपनी किस्मत खुद लिख सकते हैं। जिंदगी के इस पड़ाव पर ये कोशिश कुछ मुश्किल ज़रूर लग सकती है लेकिन अगर समाज, कानून और परिवार साथ दें तो हर नामुमकिन बात को मुमकिन बनाया जा सकता है. लघु फिल्म मेरे बाउजी के डाइरेक्टर तपतेश कुमार मेवाल ओर मुख्य कलाकार दिनेश सिंह कुशवाहा, अतुल प्रताप,डॉ सोनू छाबड़ा (प्रॉडक्शन मैनेजर) सुनील कुमार ढाका, याना तनेजा, राष्ट्रमित्र कर्नाल, मोक्षित मेवाल, अजय त्रिवेदी है। मेवाल फिल्म स्टुडियो जयुपर में लगभग 5 प्रसिद्ध कलाकारों के साथ मिलकर सामाजिक संदेश देनें वाली 100 फिल्मों का निर्माण रोयल सक्सेस इंटरनेशल रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो चुका है।

डिजिटल हस्ताक्षर युक्त डोंगल बनवाना अनिवार्य

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र की अनुपालना में जिले में एकीकृत वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली के तहत किये जाने वाले राजकीय भुगतान के लिए समस्त आहरण वितरण अधिकारियों को अविलम्ब डिजिटल हस्ताक्षर युक्त डोंगल बनवाना अनिवार्य है।

जिला कोषाधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि समस्त आहरण वितरण अधिकारी डिजिटल हस्ताक्षर लेवल 2 के डोंगल को पे.मेनेजर पोर्टल पर रजिस्टर्ड कर संबंधित कोषालय एवं उपकोषालय को ऑफिस आई डी लिखित में सूचित कर तीन दिवस में वेरीफाई कराना सुनिश्चित करें। अतिरिक्त कोषाधिकारी आशापाल मौर्य ने बताया कि समस्त आहरण वितरण अधिकारी पे.मेनेजर के ऑथोराईजेशन में कार्मिकों के डेटा की शुद्धता की पूर्ण जांच उपरान्त अपेक्षित संशोधन कार्मिक लॉगिन के माध्यम से अथवा स्वयं के स्तर पर डिजीटल हस्ताक्षर युक्त लॉगिन से अधिकृत व फारवर्ड किया जाकर विभागाध्यक्ष से अंतिम अधिकृति कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

72वां सेना दिवस मनाया

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

आशा देवी इन्टरनेशनल स्कूल में 72वां सेना दिवस मनाया गया। संस्था चेयरपर्सन आशा देवी पूनियां ने बड़े जोश और उल्लास से स्कूल स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुये कहा कि उन्हें भारतीय होने पर गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होने बताया कि भारतीय थल सेना दिवस भारत के लेफ्टीनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने इसी दिन 15 जनवरी 1949 को आखिरी ब्रिटीश कमांडर इन चीफ जनरल सर फ्रांसिस बूचर से भारतीय थल सेना के कमांडर इन चीफ का प्रभार संभाला था। विद्यालय अकादमिक निदेशक सौरभ डोंगरे ने संबोधित करते हुए कहा कि 'नाज हमें हैं उन वीरों पर जो मान बढ़ा कर आये है। दुश्मन को घुसकर मारा शान बढ़ाकर आये है'। छात्र/छात्राओं व समस्त स्टाफ ने 'भारत माता की जय' नारे का पूरे जोश और उल्लास से उद्घोश किया व सरहद पर तैनात व शहीद सैनिकों का सदैव समान करने व आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए मर मिटने को तैयार रहने का प्रण लिया। निदेशक आशा देवी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट डॉ. कौशल पूनियां ने सैनिको के कठिन जीवन के बारे में बताया व कहा कि उनके इस बलिदान का कर्ज किसी भी कीमत पर नहीं चुकाया जा सकता। प्रबंधक सुधन सिंह जड़िया ने भी शहिदों की शहादत को नमन कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर व्यवस्थापक महेन्द्र नेहरा, दिनेश ख्यालिया, कार्यालय अधीक्षक निर्मल स्वामी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

हॉस्पिटल प्रशिक्षण एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन

■ जलतेदीप निसं, अलवर

मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल एण्ड मेडीकल कॉलेज में अलवर फार्मेसी कॉलेज के डिप्लोमा विद्यार्थियों को तीन दिवसीय हॉस्पिटल प्रशिक्षण एवं अभिनंदन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यकारी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल, प्रिंसीपल डॉ. जी. जयाबालयन अलवर फार्मेसी कॉलेज एवं डॉ. ए.के. गौतम, चिकित्सक अधीक्षक ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल अलवर के द्वारा द्वीप प्रज्जवलन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ फार्मासिस्ट अनिष कुमार मीणा व फार्मासिस्ट प्रियंका शर्मा, दीपक कुमार शर्मा के द्वारा विद्यार्थियों को हॉस्पिटल प्रबंधन व फार्मासिस्ट के विभिन्न नवआयामों तथा कार्यशैली के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन फार्मासिस्ट डॉ. पंकज सारस्वत के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रिंसीपल डॉ. जी. जयाबालयन अलवर फार्मेसी कॉलेज एवं डॉ. ए. के. गौतम, चिकित्सक अधीक्षक ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल अलवर के द्वारा फार्मेसी के डिप्लोमा विद्यार्थियों को भविष्य में फार्मेसी के विभिन्न कॅरियर अवसरों एवं अनुसंधानों के बारे में ज्ञान प्रदान किया। कार्यक्रम के आगामी दिवसों में डिप्लोमा के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को विभिन्न फार्मासिस्टों के द्वारा चिकित्सालय में फार्मासिस्टों के द्वारा किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में अध्ययन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना साप्ताहिक शिविर का आयोजन

जलतेदीप निसं, अलवर। सनराइज विश्वविद्यालय बगड़ राजपूत, अलवर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक विशेष शिविर का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. निशा ज्योति शर्मा तथा विश्वविद्यालय के एकेडमिक डीन डॉ. योगेन्द्र सिंह के द्वारा किया गया। दोनों वक्ताओं ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा से होने वाले लाभों के बारे में बताया। दोनों ईकाई प्रभारी डॉ. मनोज दीक्षित तथा प्रो. पत्तीराम जी ने अग्रिम दिनों में होने वाले समस्त कार्यक्रम की रूपरेखा स्वयं सेवकों को बताई। स्वयंसेवकों ने स्वामी विवेकान्द मॉडल स्कूल में श्रमदान किया।

प्रशिक्षण शिविर में दी इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की जानकारी

जलतेदीप निसं, अलवर। अलवर में श्रमजीवी पत्रकार संघ की ओर से निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है बुधवार को चयनित अभ्यर्थियों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संबंध में जानकारी दी गई ।

श्रमजीवी पत्रकार संघ की ओर से 7 जनवरी से अंबेडकर सर्किल स्थित संघ कार्यालय में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है । इस शिविर के तहत बुधवार को ब्यूरो चीफ चंद्रशेखर शर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों को दी । प्रशिक्षण में वीडियो कैमरे के साथ कैसे इंटरव्यू लिया जाता है और किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर होगा विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

■ जलतेदीप निसं, झुंझुनूं

राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिला एवं सेशन न्यायाधीश चंचल मिश्रा की अध्यक्षता में जिला प्रशासन के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मधु हिसारिया ने बताया कि 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला प्रशासन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त प्रयासों से विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें पूरे सप्ताह को बालिका सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बालिका दिवस पर शिक्षा विभाग द्वारा 20 जनवरी से विद्यालयों में पोस्टर-पेंटिंग, निबंध, वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा। इस अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों, जिला मुख्यालय व लिगल लिट्रेसी क्लब पर प्रभात फेरी, रैली व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा महिला अधिकारिता विभाग द्वारा पूरे सप्ताह भर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्र अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीणा, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला, बाल विकास विभाग के सहायक निदेशक व पीआरओ बाबूलाल रैगर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम दत्त जाट, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक अमर सिंह चाहर, जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक प्रमोद, व चाईड लाईन के विकास आदि उपस्थित थे।

विद्यालय के बच्चों को बांटे जूते व जुराब

जलतेदीप निसं, झुंझुनूं। महावीर इंटरनेशनल झुंझुनू द्वारा डॉक्टर एसएन शुक्ला के आर्थिक सौजन्य से नायकान बस्ती झुंझुनू के वार्ड नंबर 27 में 30 बच्चों को नि :शुल्क जूते व जुराब का वितरण किया गया। महावीर इंटरनेशनल ने 'सब की सेवा सबको प्यार' स्लोगन को ध्यान में रखते हुए ऐसे स्कूलों का चयन करके उसमें स्कूल ड्रेस,जूते- जुराब,स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री आदि का वितरण लगातार करता आ रहा है।

पर्यवेक्षक ने लिया चुनाव तैयारियों का जायजा

■ जलतेदीप निसं, दौसा

पंचायत आमचुनाव 2020 के प्रथम चरण में जिले की पंचायत समिति बसवा में होने वाले सरपंच व वार्ड पंचो के चुनाव के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक पुखराज सेन ने बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अविचल चतुर्वेदी से मिल कर पंचायत चुनाव सम्पन्न करवाने के लिये की गई तैयारियों के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार मीना भी उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी से मिलने के बाद पर्यवेक्षक पुखराज सेन ने पंचायत समिति बसवा के संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा आमजन से मतदान व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। पर्यवेक्षक ने बसवा में एरिया व जोनल मजिस्टेट से चुनाव व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा मतदाताओं के लिये आवश्यक व्यवस्थाये करवाने की बात कही। उप जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार मीना ने बताया कि पर्यवेक्षक 18 जनवरी तक सर्किट हाउस के कमरा नम्बर 107 में ठहरेंगे।

मकर संक्रान्ति पर कई स्थानों पर लगे भण्डारे

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

राजगढ़ शहर में मकर संक्रान्ति का पर्व मंगलवार व बुधवार को धूमधाम से मनाया गया तथा शहर के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने भण्डारें लगाकर गरीब लोगों को गर्म पकौडे, जलेबी एंव भोजन करवाया। जोगी आश्रम चौक में सामाजिक कार्यकर्ता रतनलाल गांधी की देखरेख में भंडारे का आयोजन किया गया, तो पुरानी सब्जी मंडी के निकट सवाई हलवाई व साथियों ने भी मिलकर लोगों के लिए गरमा गरम पकौड़े आदि की व्यवस्था की। पुराने शनि मंदिर के आगे तथा सिनेमा हॉल के निकट टिकमानी मार्केट के व्यापारियों ने भी लोगों के लिए भंडारा लगाया। इसके अलावा अन्य स्थानों पर भी ऐसे कार्यक्रम हुए हैं। इन सभी स्थानों पर सभी के लिए गरमा गरम पकौड़े व अन्य खाद्य सामग्री की व्यवस्था धार्मिक परंपरा के अनुरूप की गई। मकर सक्रांति के अवसर पर लोगों ने काले तिल के लड्डू और घेवर से मकर सक्रांति मनाई और दान दक्षिणा दी। मकर सक्रांति के चलते शहर के युवाओं में पतंगबाजी के प्रति उत्साह देखने को मिला।

ज्ञान सिंह ने बुहाना डीवाईएसपी का पदभार ग्रहण किया

जलतेदीप निसं, झुंझुनूं। पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान सिंह ने बुहाना डीवाईएसपी का पदभार ग्रहण करने पर नवनियुक्त पुलिस उप अधीक्षक ज्ञान सिंह का पुलिस अधिकारियों,कर्मचारियों व बुहाना कस्बे के गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया।पुलिस उप अधीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि क्षेत्र में अपराध पर रोकथाम पहला प्रयास रहेगा।क्षेत्र में हो रही घटना,दुर्घटनाओं में कमी किस प्रकार आ सकती है आमजन के साथ विचार विमर्श कर,आमजन को जागरूक करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। चोरी व अपराध के मामलों में पुलिस अब गंभीरता से कार्रवाई करेगी।

पल्स पोलियो अभियान : हाईरिस्क एरिये पर रहेगा जोर

■ जलतेदीप निसं, दौसा

सीएचसी महुआ पर बुधवार को ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पल्सपोलियो अभियान, मिशन इंद्रधनुष, संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, एएनसी पंजीकरण एवं पंजीकरण चैक, ब्रिज कोर्स आदि के बारे में चर्चा की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामफल मीणा ने की।

इस दौरान उन्होंने बताया कि दौसा जिले में पल्स पोलियो अभियान 2020 का आरंभ 19 जनवरी से होगा। अभियान जिले के सभी ब्लॉकों में चलाया जाएगा और तीन दिन तक चलेगा। पहले दिन बूथों पर और बाकी दो दिन घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। अभियान के दौरान 0 से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए दवा पिलाई जाती है। डॉ आरपी मीणा ने बताया कि अभियान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी ब्लॉकों पर टीकाकरणकर्मियों को इस चरण के लिए प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वैक्सीन व अन्य जरूरी सामग्री भी बूथों पर पहुंचाई जा रही है। कोल्ड स्टोरज पर बारीकी से जांच की जा रही है ताकि वैक्सीन को पूरी तरह सुरक्षित रखा जा सके। हर बार की तरह पल्स पोलियो अभियान के लिए बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी बूथों पर पोलियो वैक्सीन पिलाने के लिए टीमों का गठन भी किया गया है। अभियान के पहले दिन 19 जनवरी को बूथों पर पोलियो से बचाव के लिए पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद 20 और 21 जनवरी को घर-घर जाकर ये टीमें बच्चों को दवा पिलाएंगी। डॉ मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान विशेष रूप से हाईरिस्क एरिया जैसे कच्ची बस्तियों, बावरिया बस्तियों, अस्थाई बस्तियों, ड्रॉप आउट बच्चों पर अधिक फोकस रहेगा ताकि एक भी बच्चा पोलियो वैक्सीन से वंचित नहीं रह जाए। इसके लिए टीमों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर दिया गया है तथा सभी ब्लॉकों से हाईरिस्क एरिया की सूची मांगी गई है। जिसके अनुसार प्लान तैयार कर प्रत्येक पांच वर्ष तक के बच्चे को दवा पिलाई जाएगी। इसके अलावा विभाग की ओर से मॉनिटरिंग टीमों का गठन भी किया गया है जो कि अभियान के दौरान फील्ड में टीकाकरण गतिविधियों की मॉनिटरिंग करेंगी।

बैठक में बीसीएमओ, बीपीएम, बीएनओ, ब्लॉक के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, एएनएम, एलएचवी, एनपीडब्ल्यू और कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि. विभाग, नगर खण्ड I उ.वि.रा. जोधपुर

दूरभाष 0291–2651710, ई–मेल– eecity1@gmail.com

क्रमांक : दिनांक

—: निविदा सूचना संख्या 35 / 2019–20 :—

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु जन स्वा0अभि0विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत एवं केन्द्र/राज्य सरकार के अधिकृत विभागों/संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक दूरसंचार विभागों में उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत अनुबन्धकों से निर्धारित प्रपत्र में ई0 प्रोक्यूरमेंट प्रकिया द्वारा ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखो में)	धरोहर राशि रू.	निविदा शूल्क (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
35/ 19–20	Construction of Hand pump bore at Unapproachable sites by Percussion/ Bailing Method by any suitable Rig as per Starta in Jodhpur City NIB code **PHE1920A4332** and UBN is: **PHE1920WSOB07471**	48.00	96,000	500/- RISL 500/-	10 Months

निविदा शुल्क व धरोहर राशि : Executive Engineer PHED City Dn Ist P,D&R, Jodhpur
प्रकिया शुल्क : Managing Director, RISL payable at Jaipur

S.N	Particulars	Date & Time
1.	Availability of Tender Document	06.01.20 at 3.00 P.M
2.	Last date & time for online submission of Tender. Tender Fee, Processing Fee & EMD	20.01.20 up to 02.00 P.M
3.	Last date & time for physical submission of Tender Fee, Processing Fee & EMD	20.01.20 upto 02.30 P.M
4.	Online Opening of Pre-Qualification Bid	20.01.20 at 03.00 P.M

निविदा का विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in & sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा0 अभि0 विभाग,
नगर खण्ड I उ0वि0रा0 जोधपुर

डीआईपीआर/सी/111/19

क्यों जाना है विदेश जब भारत में ही उठा सकते हैं

स्कॉटलैंड के मजे..

लोगों के दिमाग में अक्सर ये बात रहती है कि हनीमून या फिर किसी शानदार छुट्टी मनाने के लिए कोई विदेशी डेस्टीनेशन ही बेस्ट रहेगी, लेकिन किसी भी फॉरेन ट्रिप को प्लान करने से पहले हमें एक बार अपने देश की खूबसूरती पर भी नजर जरूर मार लेनी चाहिए. ये बात सभी जानते हैं कि स्कॉटलैंड एक शानदार टूरिस्ट डेस्टीनेशन है, लेकिन ये बात कम ही लोग जानते हैं कि भारत में भी एक ऐसी जगह है जिसे भारत के स्कॉटलैंड के नाम से जाना जाता है. आईए भारत के स्कॉटलैंड यानी कुर्ग को को जानते हैं थोड़ा करीब से...

कर्नाटक में स्थित कुर्ग नेचुरल ब्यूटी से भरा हुआ है. यहां सुंदर नजारों की कोई कमी नहीं है. कुर्ग मैसूर से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और इसे कोडागू भी कहा जाता है. कुर्ग में घूमने-फिरने, पिकनिक मनाने या फिर एडवेंचर की कोई कमी नहीं है. यहां एक नहीं बल्कि कई मुख्य पर्यटक स्थल मौजूद हैं.

निसारगधमा

नदी किनारे के हरे-भरे नजारे देखना अगर आपको पसंद है, तो कुर्ग में स्थित निसारगधमा आपको खूब पसंद आएगा. ये स्थल नदी के बीच स्थित है. टूरिस्ट यहां अपने करीबियों के साथ पिकनिक का भी लुत्फ उठा सकते हैं.

नागरहोल अभयारण्य

वहीं वाइल्ड लाइफ लवर्स के लिए भी कुर्ग में बहुत कुछ है. यहां नागरहोल अभयारण्य में घूमना आपको काफी एडवेंचरस फील देगा. नागरहोल में हाथियों की अच्छी आबादी मौजूद है. टाइगर देखने के लिए भी ये जगह देश के कुछ सबसे अच्छे अभयारण्यों में से एक है. इसके अलावा यहां तेंदुए, हिरण और गौर को भी करीब से देखने का अच्छा चांस मिलता है.

कॉफी के बागान

जब भी आप कुर्ग घूमने आएं तो यहां मौजूद कॉफी के बागानों की सैर करना न भूलें. ये बागान आपको नेचर के काफी करीब ले जाएंगे. साथ ही आपको यहां की फ्रेश ऐयर एकदम तरोताजा कर देगी.

सर्दियों में अखरोट खाने के ये फायदे नहीं जानते होंगे आप!

वैसे तो सर्दियों में ड्राई फ्रूट खाना फायदेमंद होता है लेकिन आज हम उस ड्राईफ्रुट के बारे में बात करेंगे जो नर्व्स के लिए, मेमोरी के लिए और साथ ही साथ डायबिटीज और हार्ट के लिए बहुत ही अच्छा है. ये डाईफ्रूट कोई और नहीं बल्कि अखरोट है. चलिए जानते हैं डॉ. शिखा शर्मा से अखरोट के फायदों के बारे में.

अखरोट की तासीर थोड़ी गर्म होती है इसलिए ये विंटर्स में खाया जाता है. अगर आप गर्मियों में ज्यादा अखरोट खाएंगे तो मुंह में छाले भी पड़ सकते हैं.सर्दियों में अखरोट खाने का बहुत फायदा है.

अखरोट में मौजूद विटामिंस और मिनरल्स हमारी नर्व्स सिस्टम और मेमोरी के साथ ही नर्व्स रिजनरेशन के लिए अच्छा होता है.इसी तरह से हार्ट के लिए भी अखरोट बहुत अच्छा है. अगर कॉलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है तो तीन महीने तक रोजाना अखरोट खाएं.डायबिटिक पेशेंट अगर मीठा खाते हैं तो उनका इंसुलिन बढ़ जाता है. लेकिन ऐसे लोग अखरोट खाते हैं तो अखरोट की सेंसिविटी बेहतर होती है और इंसुलिन अचानक से घटता या बढ़ता नहीं है. साथ ही ब्लड शुगर भी कंट्रोल होता है.2 साल से छोटे बच्चों को अखरोट ना खिलाएं. बुजुर्गों को अखरोट खिला रहे हैं तो दूध के साथ दें वो भी बहुत कम मात्रा में.अखरोट और सेब की चाट बनाकर खाएं. इसके ऊपर हल्की सी दालचीनी का पाउडर मिलाएं. इससे एक तरह का फ्रुट सैलेड बन जाता है. इस चाट को आप रोजाना खा सकते हैं.

भूख बढ़ाने से लेकर निमोनिया तक ठीक कर सकती है ये छोटी सी तुलसी!

निमोनिया ऐसी बीमारी है जो किसी को भी किसी भी ऐज में हो सकती है. लेकिन ऐसा नहीं है कि इसका इलाज नहीं है. घरेलू नुस्खों से भी निमोनिया का इलाज किया जा सकता है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं कैसे तुलसी के उपयोग से कर सकते हैं निमोनिया का उपचार.

सांस की बीमारी में तुलसी का उपयोग-

अगर आपको बहुत ज्यादा सांस की दिक्कत है. अस्थमा की दिक्कत है तो इसमें तुलसी बहुत लाभकारी है. गुलबनफ्सा, मुलैठी और तुलसी को मिलाकर काढ़ा बनाइए और सुबह-शाम इसका सेवन कीजिए. इससे सांस की समस्याए कम होगी.

निमोनिया में तुलसी का उपयोग : निमोनिया से पीड़ित लोगों के लिए तुलसी का

उपसोग रामबाण है.

अगर पसलियां चल रही हैं तो भी 15 से 20 ग्राम तुलसी के रस को निकालिए. इस रस को गाय के घी या बादाम रोगन में धीमी आंच पर पकाएं. इसे पकाकर के इससे बच्चों की मालिश कीजिए. इससे बच्चों की मसल्स स्ट्रांग होंगी. इम्यून सिस्टम स्ट्रांग होगा और निमोनिया की समस्या भी दूर होगी. इससे बच्चों में सर्दी-गर्मी सहने की क्षमता भी बढ़ जाएगी.

भूख बढ़ाने में तुलसी का उपयोग: आपको या बच्चें को भूख कम लगती है तो भी तुलसी का उपयोग लाभाकारी है. भूख कम लगने पर काली मिर्च, अदरक, हरी मिर्च और तुलसी के पत्तों में नमक डालकर चटनी बना लें. आप चाहे तो हरी मिर्च भी इसमें डाल सकते हैं. खाने के साथ इस चटनी को खाएं और बच्चे को भी खिलाएं. इससे ना सिर्फ भूख बढ़ेगी बल्कि पेट की अन्य समस्या भी दूर होगी. तुलसी की पत्तियां बहुत ज्यादा ना ले.

सन ग्लासेज को लेकर कहीं आप धोखा ना खा जाएं!

क्या आप अक्सर इसलिए सन ग्लासेज खरीदते हैं क्योंकि इससे आपकी आंखें सेफ रहती हैं? तो आप गलत सोचते हैं. ऐसे कई और मिथ्स सन ग्लासेज को लेकर है. माई जिम इंडिया के प्रबंध निदेशक आई रहमतुल्लाह ने सन ग्लासेज से जुड़े इन मिथ्स के बारे में बताया है

सन ग्लासेज के साथ जुड़ा आम मिथ यह है कि इन्हें सिर्फ फैशनेबल नजर आने के लिए पहना जाता है. ये महज फैशन का सामान नहीं होते हैं. सन ग्लास आपको स्मार्ट लुक देने के साथ ही सूरज की हानिकारक किरणों से भी आपकी आंखों को सुरक्षित रखते हैं.

जो लोग सही से दिखाई देने के लिए चश्मा पहनते हैं, वे सोचते हैं कि सन ग्लास उनके चश्मे के नंबर में उपलब्ध नहीं होता है और यह सिर्फ धूप का चश्मा है, इसलिए ठीक से दिखाई नहीं देगा, यह गलत धारणा है. आजकल बाजार में नंबर के अनुसार, ऐसे धूप के चश्मे उपलब्ध है, जिससे आपको सही से दिखाई देगा और आपकी आखों की धूप से भी रक्षा होगी.

धूप के चश्मों के लेकर यह भी मिथक है कि सारे धूप के चश्मे पराबैंगनी किरणों से रक्षा करते हैं. हालांकि, चश्मे का ग्लास और पॉलीकार्बोनेट पराबैंगनी किरणों की कुछ मात्रा को अवशोषित कर लेते हैं, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षा पाने के लिए लेंस पर कोटिंग करवाना जरूरी हैं.

धूप का चश्मा ऐसा खरीदें जो सामने और पीछे दोनों ओर से पराबैंगनी किरणों को 90-100 प्रतिशत तक ब्लॉक कर दे.कई लोग यह सोचकर धूप का चश्मा पहनते हैं कि इसे नहीं पहनने की बजाय इसे पहनने से कम से कम आंखों को कुछ तो सुरक्षा मिलेगी, इसलिए लोग किसी भी क्वालिटी का चश्मा खरीद लेते हैं, लेकिन सस्ता धूप का चश्मा पहनना अपकी आंखों को और नुकसान पहुंचा सकता है.

अगर उनसे आपकी आंखों पर सिर्फ छाया होती है और हानिकारक किरणों यूवीए व यूवीबी से सुरक्षा नहीं मिलती हैं तो फिर ऐसे चश्मों के जरिए हानिकारक किरणें सीधे आपकी आंखों पर पड़ती हैं, जो बेहद हानिकारक हैं, इसलिए हमेशा बढ़िया क्वालिटी का ही धूप का चश्मा इस्तेमाल करें.

फास्ट फूड छोड़कर अंकुरित अनाज खाएं

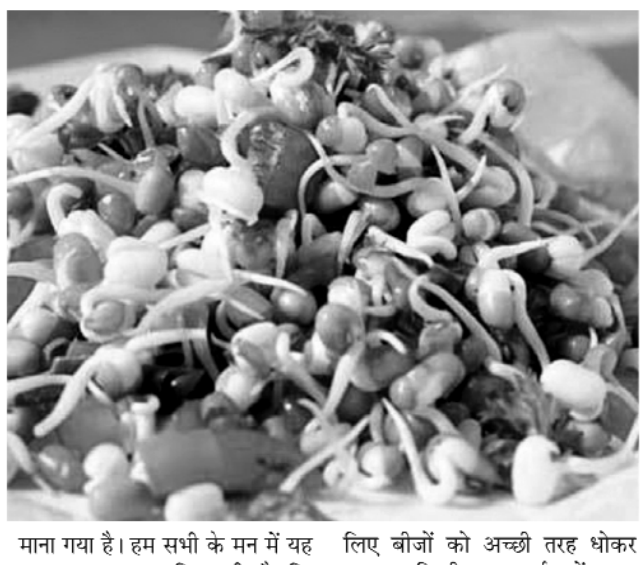

पैंतीस वर्षीया अनामिका एक प्राइवेट दफ्तर में प्रबंधक के पद पर कार्य करती हैं। वह दिल्ली में अकेली रहती हैं। उन्हें अक्सर रात देर तक दफ्तर में काम करना पड़ता है। रात को घर आने पर वह इतनी थकी हुई होती हैं कि खाना बनाकर खाने को भी मन नहीं करता इसलिए वह आते समय फास्ट फूड का पैकेट भी साथ लाती हैं, यही दिन भर काम करने के लिए उसका सहारा होता है। ऐसा केवल अनामिका ही नहीं और बहुत से लोग करते होंगे जिनके पास समय की कमी है।

आज के व्यस्त जीवन में समय की कमी के कारण फास्ट फूड हमारे जीवन में गहरी पैठ बना चुका है। कुछ लोग आधुनिकता के मोह के कारण भी इस ओर खिंचते हैं। बड़े शहरों में इनका प्रयोग ज्यादा होता है। आज की फास्टफूड संस्कृति में किसी को भी लिविंग फूड का ख्याल ही नहीं आता। परन्तु क्या आप जानते हैं कि इस प्रकार के भोजन में क्षारीय प्रोटीन तथा विटामिन युक्त तत्वों का अभाव होता है इन खाद्य पदार्थों में अम्लीय तथा देर से पचने वाले तत्वों की मात्रा ज्यादा होती है। देर से पचने वाले ये तत्व आंतों में चिपक जाते हैं और वहीं सड़ते रहते हैं, जिस कारण ज्यादातर रोग जन्म लेते हैं। इसका अर्थ है इस प्रकार के खाद्य पदार्थ भूख तो मिटाते हैं परन्तु इससे हमें कोई लाभ नहीं होता।

प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार, दोषपूर्ण खान-पान रहन-सहन तथा सोच-विचार की आदत के कारण ही ज्यादातर रोग जन्म लेते हैं। दोषपूर्ण खानपान के कारण पेट से संबंधित कई बीमारियां आज आम हो गई हैं। इसके कारण मोटापा, कब्ज, मधुमेह, बवासीर जैसी कई अन्य बीमारियां भी आम होती जा रही हैं। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के अनुसार भोजन में सभी तत्वों का संतुलन बनाए रखने के लिए अंकुरित आहार का प्रयोग किया जा सकता है। आयुर्वेद में अंकुरित आहार को अमृताहार की संज्ञा दी गई है। वास्तव में अंकुरित आहार उच्च खाद्य माने जाने वाले पोषक तत्वों का मुख्य स्रोत है। अंकुरित आहार क्षारीय प्रकृति के होते हैं। शरीर को शुद्ध करना, स्वास्थ्य के सुधार और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अंकुरित आहार विशेष रूप से सहायक होता है। दैनिक आहार में अंकुरित अनाज का समावेश किया जाना लाभकारी होता है क्योंकि इससे आहार का पोषण मूल्य बढ़ता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे भोजन का अस्सी प्रतिशत भाग क्षारीय तथा बीस प्रतिशत भाग अम्लीय होना चाहिए। इस संतुलन को बनाए रखने के लिए भोजन में कच्चे आहार तथा अंकुरित आहार का प्रयोग सर्वोत्तम माना गया है। हम सभी के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि अंकुरित आहार में पोषण के तत्व कैसे पैदा होते हैं? दरअसल सभी बीज सामान्य रूप से निष्क्रिय अवस्था में पड़े रहते हैं। इन बीजों के अंदर संरक्षित जीवन की उत्पत्ति के कारक तत्व अनुकूल परिस्थितियां पाते ही सक्रिय हो जाते हैं। अमृताहार में बीजों तथा दालों के अंदर स्थित निष्क्रिय तत्वों को सक्रिय कर आहार के रूप में प्रयोग किया जाता है।

आधुनिक प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि एक बीज के भीतर एक पूरा जीवन छिपा होता है। इसमें वे सभी तत्व संग्रहित होते हैं जो पौधे का जीवन चलाते हैं। यही तत्व हमारे शरीर के लिए भी आवश्यक होते हैं यही कारण है कि अंकुरित बीजों को लिविंग फूड भी कहा जाता है। विभिन्न अनाजों व दालों को पानी में भिगो देने पर उनके अंदर स्थित सभी तत्व सक्रिय हो जाते हैं। इससे बीज में अनेक रासायनिक परिवर्तन आते हैं। अंकुरण की अवस्था में बीजों में विटामिन सी, आयरन, विटामिन सी तथा फास्फोरस की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं अंकुरण के बाद कुछ ऐसे तत्वों की मात्रा में कमी आती है जो शरीर के लिए हानिकारक होते हैं, इस प्रकार के तत्वों में ओलिगासैकराइड्स प्रमुख है।

अंकुरण के बाद विभिन्न दालों में पाया जाने वाला स्टार्च, ग्लूकोज में तथा फ्राक्टोज, माल्टोज में बदल जाता है। इससे इनका स्वाद तो बढ़ता ही है साथ ही वे सुपाच्य भी हो जाती हैं। इसी प्रकार की प्रक्रिया अनाज में भी होती है। परिवर्तन की यह प्रक्रिया अनाज में तीव्र तथा दालों में कुछ धीमी गति से होती है। अमृताहार बनाने के लिए चना, मूंग, राजमा, मेथी, सोंठ, लोबिया, सोयाबीन, सूर्यमुखी तथा गेहूं के बीजों को प्रयोग किया जाता है। इनके अतिरिक्त अन्य दालों को भी अंकुरित कर प्रयोग किया जा सकता है। अंकुरित करने के लिए बीजों को अच्छी तरह धोकर जार या किसी अन्य बर्तन में दस-बारह घंटों के लिए भिगो देना चाहिए। बीजों को भिगोने के लिए इतना पानी जरूर डालें कि उसमें बीज पूरी तरह डूब जाएं। अच्छी तरह भीगे हुए बीजों को पानी से दोबारा अच्छी तरह धोकर साफ सूती कपड़े की एक पोटली में टांग दें। इस तरह से भीगे हुए बीजों का अंकुरण लगभग 24 घंटे में हो जाता है। गर्मियों में यह ध्यान रखना जरूरी है कि लटकाई गई पोटली सूखे नहीं इसके लिए थोड़ी-थोड़ी देर में उस पर पानी का छिड़काव करते रहें जिससे पोटली में नमी बनी रहे।

अंकुरित बीजों को कच्चा ही खाना चाहिए क्योंकि पकाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इन बीजों का स्वाद कुछ कसैला होता है इसलिए उनमें नमक, टमाटर, खीरा, नींबू आदि डाला जा सकता है, इससे उनका स्वाद बढ़ जाता है। अंकुरित बीजों के प्रयोग से कमजोरी तथा कई प्रकार के रोग दूर होने के साथ-साथ शरीर को उचित पोषण भी मिलता है। इनसे हमारा इक्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। नशाखोरी तथा मद्यपान की लत छुड़ाने में भी यह अमृताहार सहायक होता है।

तीन प्रकार के बीजों को प्रयोग मुख्यत: किया जाता है जिसमें से चयन रोग के आधार पर किया जाता है। मधुमेह के रोगियों के लिए चना व मेथी, हृदय रोगियों के लिए चना तथा मूंग और बढ़ते बच्चों व माताओं के लिए अंगूर, बादाम व खजूर। सामान्य व्यक्ति किसी भी प्रकार के अमृताहार का प्रयोग कर सकता है। नियमित सेवन से रक्त अल्पता, हड्डियों की बीमारियां, मानसिक तनाव, कब्ज, अनिद्रा, बवासीर, मोटापा तथा पेट के कई रोगों से छुटकारा मिल जाता है। अंकुरण के लिए ताजा तथा स्वस्थ बीजों का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि अंकुरण पुराना, दुर्गन्धयुक्त या बासी न हो।

नहाने के फौरन बाद ही लगाएं परफ्यूम

हमेशा ध्यान रखिए कि आप से पहले आपकी खुशबू पहुंचती है। कितना भी बेहतरीन आपका लुक हो, शानदार कपड़े आपने पहन रखे हों, लेकिन अगर आपके पास से गंध आ रही है तो सब बेकार है। इन टिप्स को अपनाइए और हमेशा महकते रहिए

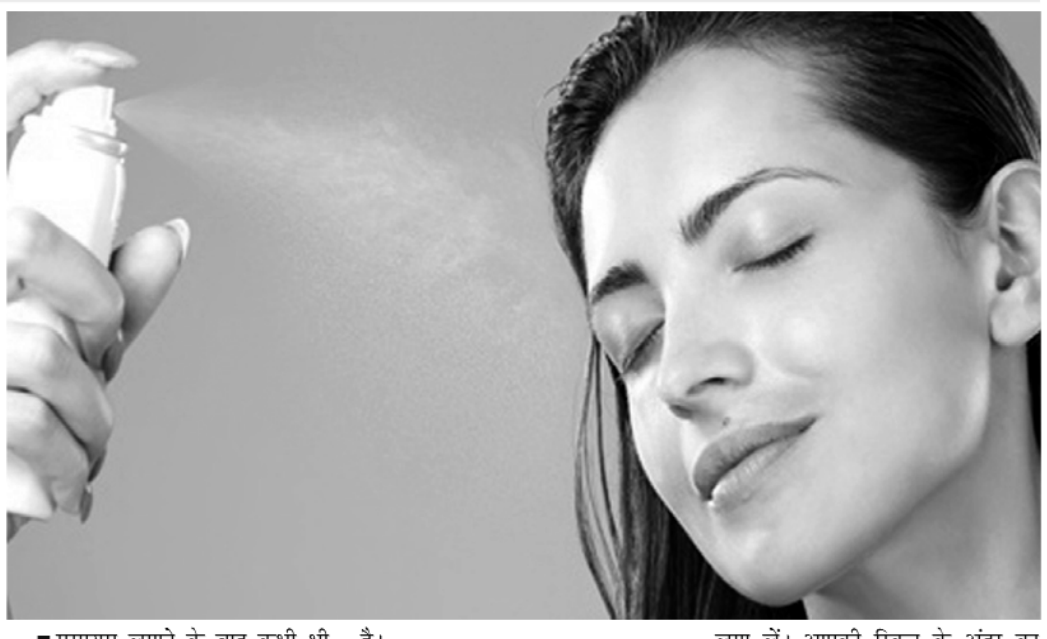

■ परफ्यूम लगाने के बाद कभी भी अपनी कलाइयों को रगड़े नहीं। इससे सेंट जल्दी उड़ जाएगा।

■ जब बेहद हल्की खुशबू का साथ चाहिए हो तो हवा में स्प्रे करें और उसके नीचे से चलते हुए निकल जाएं।

■ परफ्यूम को कभी भी नमी वाली जगह पर यूज नहीं करना चाहिए। ह्यूमिडिटी और गर्मी की वजह से खुशबू बिगड़ जाती है और जल्दी गायब हो जाती है।

■ परफ्यूम की बॉटल में बची कुछ बूंदों का भी उपयोग कीजिए। बिना खुशबू वाले लोशन में इन्हें मिला लें। जबरदस्त फर्क महसूस करेंगे।

■ कलाई पर परफ्यूम लगाने से पहले थोड़ा वेसलिन लगा लें। ज्यादा देर तक महकते रहने के लिए यह आइडिया काफी काम का है।

■ नहाने के फौरन बाद ही परफ्यूम लगा लें। आपकी स्किन के अंदर का मॉइस्चर इसे अंदर लॉक कर लेगा। इसके अलावा कपड़ों पर परफ्यूम के दाग भी नहीं पड़ेंगे।

■ बालों में कंघा करने से कंघे पी भी परफ्यूम स्प्रे करें। खुशबू आपके बालों में भी समा जाएगी।

■ अलमारी में भी थोड़ा परफ्यूम स्प्रे कर दें। आपके कपड़ों में हमेशा महक बनी रहेगी।

पूजा घर में मृतकों की तस्वीर रखना अशुभ है क्योंकि

हिंदू धर्म में जीवन के विभिन्न मोड़ पर अलग-अलग रीति रिवाजों का पालन किया जाता है। पर्व के अलावा सामान्य जीवन में भी ये परंपराएं व रीतियां मानी जाती हैं।

आदर्श हिंदू जीवन शैली में प्रतिदिन पूजा पाठ करना अनिवार्य है, यही कारण है कि प्रत्येक हिंदू के घर में पूजा घर होता है।

एक बात आपने देखी होगी कि पूजा घर में आमतौर पर लोग किन्हीं मृतकों की तस्वीरें भी लगा दिया करते हैं। ये मृतक परिजनों के अलावा अन्य भी हो सकते हैं।

लेकिन वास्तु के अनुसार यह ठीक नहीं है। वास्तु को मानने वाले यह बात जानते हैं कि पूजा घर में पुरखों की तस्वीरें लगाना निषेध है।

यदि पूजा घर में मृत व्यक्ति की तस्वीर रखी जा रही है तो इसका अर्थ ये हुआ कि आप अनजाने में ही परेशानियों को आहूत कर रहे हैं। तमिल विचारधारा के अनुसार मृतक देवदूत बनकर स्वर्ग में गति पाते हैं।

इस लिहाज से वे मृतकों को भगवान का दर्जा दे देते हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा शरीर को त्यागकर दूसरे शरीर का वरण कर लेती है।

हिंदू धर्म में शरीर नश्वर है इसलिए उसका दाह संस्कार किया जाता है जबकि आत्मा पूजनीय है। इधर, वास्तु-शास्त्र कहता है कि देवों की तस्वीरों को उत्तर अथवा उत्तर पूर्व की दिशा में रखना चाहिए। पूजा घर की दिशा सदा उत्तर पूर्व होना चाहिए। मृत पूर्वजों की तस्वीरों को दक्षिण पश्चिम या दक्षिण, पश्चिम में लगाना चाहिए। यदि उक्त क्रम का पालन नहीं किया गया तो परिवार में क्लेश, मानसिक कष्ट, संकट और दुविधा की आशंका बनी रहती है।

मौलिक कर्तव्य ही गांधी के विचार : कलराज

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 51 क में उल्लेखित मूल कर्तव्य ही गांधी जी के विचार हैं। उन्होंने कहा कि मूल कर्तव्य के अनुरूप कार्य करके हम राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं।

मिश्र बुधवार को होटल क्लार्क्स में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और क्लार्क्स ग्रुप के फाउंडर बाबू ब्रजपाल दास की जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपस्थित जयपुर शहर के 30 विद्यालयों के लगभग एक हजार बच्चों को राज्यपाल ने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया। राज्यपाल ने कहा कि गांधी जी में भारतीयता के प्रति दृढ़ भावना थी। उनका दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम था। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी साहसी और वीर पुरूष थे। गांधी जी का आभूषण अंहिसा था। मिश्र ने कहा कि सिद्वांत विहिन राजनीति, नैतिकता विहिन कार्य, चरित्र विहिन जीवन और मानवता विहिन विज्ञान पाप होते है। राज्यपाल ने कहा कि बाबू ब्रजपाल दास की सामाजिक, पारिवारिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महती भूमिका थी। वे प्रेरणा के केन्द्र बिंदु है।

समारोह को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सुपौत्र राज मोहन गांधी ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी निडर थे। वे अंहिसा के पुजारी थे। जेल जाने और गोली खाने के लिए वे सदैव तैयार रहते थे। गांधी किसी से कम या ज्यादा नहीं थे और न ही वे किसी से ऊंचे और न ही वे किसी से नीचे थे। भारतीय स्वतत्रंता संग्राम का नेतृत्व गांधी जी ने ही किया था। उन्होंने सदैव दोस्ती फैलाई और नफरत को हटाने का काम किया।

राजभवन में पौष बड़े का आयोजन

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में पौष बडे का आयोजन करवाया। मिश्र ने राजभवन के मंदिर में पूजा अर्चना कर पौष-बडे का भोग लगाया। राज्यपाल ने कर्मचारियों के साथ पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र, पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, जनप्रतिनिधिगण, प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित राजभवन के अधिकारीगण व कर्मचारीगण मौजूद थे।

जलयोद्धा वाहिनी को रवाना करेंगे

राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार 17 जनवरी को राजभवन से जलयोद्धा वाहिनी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। रीजनल आउटरीच ब्यूरो जयपुर द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों में जल संरक्षण के प्रति जनचेतना फैलाने के उद्देश्य से जलयोद्धा वाहिनी के माध्यम से प्रचार-प्रसार का कार्य किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा काउंसिल की बैठक आज

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

गुरुवार को होने वाली सड़क सुरक्षा काउंसिल की बैठक में प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास शामिल होंगे। सड़क सुरक्षा को लेकर अहम इस बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी करेगें। खाचरियावास ने बताया कि टैक्स के मामलों में केन्द्र और राज्य सरकारों के अधिकार तय करने के साथ ही सड़क सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर इस में चर्चा होगी। बैठक में मुख्य रूप से देश और प्रदेश में ट्रांसपोर्ट पॉलिसी लागू करने और देशभर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर योजना बनाने पर भी चर्चा होगी। खाचरियावास ने कहा कि सरकार की ओर से लागू नो व्हीकल डे तथा पूरे प्रदेश में दस हजार पंचायतों में बनाए जाने वाले पांच लाख सड़क सुरक्षा अग्रदूत के जरिए रोड़ सुरक्षा पर राजस्थान में किऐ जाने वाले कार्यों को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा काउंसलिंग की मीटिंग में प्रस्तुत किया जाएगा।

डीएमआईसी प्रथम चरण की अवाप्त राशि 128 करोड़ का भुगतान 31 मार्च तक : मीणा

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

उद्योग व राजकीय उपक्रम मंत्री परसादी लाल मीणा ने दिल्ली मुम्बई इण्डस्ट्रीयल कोरिडोर के काम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पांच गांवों की अवाप्त 532 हैक्टेयर भूमि की मुआवजा राशि 128 करोड़ का 31 मार्च तक किसानों को भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां अन्य राज्यों में इस परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति हुई है वहीं राजस्थान में अभी सही मायने में काम शुरु ही होना है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस साल खादी ग्रामद्योग उत्पादों पर 50 फीसदी छूट से खादी वस्त्रों की रेकार्ड बिक्री हुई है। उद्योग व राजकीय उपक्रम मंत्री मीणा बुधवार को उद्योग भवन में बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक में डीएमआईसी और खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाला प्रदेश राजस्थान है इसीलिए इसके काम को गति दिया जाना आवश्यक है। इसके लिए डीएमआईसी विभाग के अन्य विकल्पों तलाशने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से जुड़े हरियाणा, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश में डीएमआईसी के कार्य धरातल पर आ गए हैं। 40 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में होने से इसके कार्यों को प्राथमिकता व तेजी लाना जरुरी है। मीणा ने बताया कि डीएमआईसी का अभी प्रदेश में खुशखेड़ा-भिवाडी-नीमराना में पलावा, मिर्जापुर, बीरोद, लामचपुर और मानका अवाप्त पांच गांवों में 22 करोड़ से अधिक की मुआवजा राशि वितरित की जा चुकी है और शेष राशि मार्च तक वितरित करने के निर्देश दे दिए हैं वहीं जोधपुर-पाली-मारवाड़ के लिए रोहट में 9 गांव शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण होने से राज्य सरकार ने अब इसे प्राथमिकता से ले लिया है। मीणा ने खादी एवं ग्रामोद्योग की समीक्षा के दौरान प्रदेश की 144 खादी संस्थाओं के आधुनिकीकरण के साथ ही विपणन व पारदर्शिता के लिए ऑनलाईन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खादी प्रशिक्षण केन्द्रों को विस्तारित किया जाए व अन्य के साथ ही लालसोट व रामगढ़ में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाए। उन्होंने खादी बोर्ड के आवासीय व गैरआवासीय प्रशिक्षणों में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को आधुनिक चरखों भी वितरित करने को कहा। उन्होंने एसएमडी योजना में कतिनों को भी प्रोत्साहन राशि देने को कहा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि डीएमआईसी परियोजना राज्यों के औद्योगिक विकास और निवेश को गति मिलने के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

दिव्यांगजनों को बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प निर्माण सहित बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट चतुर्थ डॉ. अशोक कुमार ने निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिले में स्थित समस्त विभागीय कार्यालयों में तथा सार्वजनिक स्थानों पर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के प्रावधानों के अनुसार दिव्यांगजनों को बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए रैम्प इत्यादि का निर्माण करवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इस सम्बंध में कार्यवाही पूर्ण करते हुए उप निदेशक, सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता शहर एवं ग्रामीण को जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी ने एमबीए प्रोग्राम 2020-22 के लिए आवेदन आमंत्रित किए

एमबीए के लिए दो नए स्पेशलाइजेशन शुरू करने की घोषणा

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

हीरो समूह की यूनिवर्सिटी बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी (बीएमयू) ने एमबीए पाठ्यक्रमों के लिए स्पेशलाइजेशन्स लांच करने की घोषणा की। यह स्पेशलाइजेशन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा इंजीनियरिंग और ऑपरेशन्स एवं सप्लाई चेन में विशेषज्ञता के साथ हैं। विद्यार्थियों के पास दूसरे सेमेस्टर में विशेषज्ञता के क्षेत्र को चुनने का विकल्प होगा। विशेषज्ञता का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की टैक्नोलॉजीज और गतिशील औद्योगिक वातावरण के लिए तैयार करना है। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी ने वर्ष 2020-22 बैचेज के एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आवेदन भी आमंत्रित किए हैं। यह आवेदन ऑन लाइन भी भरे जा सकते है। सामान्य आवेदन पत्र 30 जनवरी 2020 तक उपलब्ध होंगे।

(अ)स्पेशलाइजेशन इन ऑपरेशन्स एण्ड सप्लाई चेन के साथ एमबीए किया जा सकता है, यह नए पाठ्यक्रम को आज के नए युग के व्यवसायों में परिचालन यानी ऑपरेशन्स और आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन के महत्व को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। कुशल परिचालन और प्रभावी आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रबंधन एक एकीकृत और व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। (ब) एमबीए विद स्पेशलाइजेशन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा इंजीनियरिंग, यह पाठ्यक्रम मानवीय प्रयासों की गति, सटीकता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की आवश्यकता पर गहनता के साथ होगा। इस डिसिप्लेन में आईओटी का अध्ययन, मशीन प्रोग्रामिंग एल्गोरिदम का समकालीन प्रोग्रामिंग लेग्वेजेज, बड़े डेटा एनालिटिक्स और प्रबंधन निर्णय लेने के लिए भविष्य के बारे में निर्णय लेने के मॉडलिंग का उपयोग शामिल होगा।

टिड्डियों से नहीं मिली राहत, अब मंडराने लगा अंडे देने का खतरा

जलतेदीप कासं, जयपुर। पश्चिमी राजस्थान में टिड्डियों का खतरा कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब टिड्डियों के अंडे देने का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान में भी टिड्डियों ने बड़ी संख्या में अंडे दिए है और अब भारतीय क्षेत्र में भी ये अंडे देने की तैयारी में है। यदि अंडों से नए टिड्डे निकलना शुरू हो गए तो हालात पूरी तरह से बेकाबू हो जाएंगे। टिड्डी एक बार में सौ से अधिक अंडे देती है।

टिड्डी विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को टिड्डियों पर नजर रखनी चाहिये कि उनका रंग कैसा है। यदि टिड्डी हल्के गुलाबी रंग की है तो अंडे देने का कोई खतरा नहीं है। वहीं टिड्डी यदि पीले रंग की है तो इस बात की पूरी संभावना है कि वह या तो अंडे दे चुकी है या फिर देने की तैयारी में है। ऐसे में किसानों को उनके अंडे देने वाले स्थान की तलाश कर उसमें से बच्चे निकलते ही उनका खात्मा करने की सलाह दी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंडे देते समय टिड्डी बहुत सुस्त होती है और एक ही स्थान पर बैठी रहती है। ऐसे में उन्हें मारना बहुत सुविधाजनक रहेगा। टिड्डियों का जीवन सामान्यतया तीन से छह माह का माना जाता है। जीवन के अनुकूल परिस्थितियां व भोजन मिलने पर ये छह माह तक जीवित रह सकती है। कीट विशेषज्ञ डॉ. हेमसिंह गहलोत का कहना है कि नमी वाले क्षेत्र में टिड्डियां अंडे देती है। टिड्डी एक बार में बीस से दो सौ तक अंडे देती है। मादा टिड्डी जमीन में छेद कर अपने अंडों को सहेजती है। गरम जलवायु में दस से बीस दिन में अंडे फूट जाते है। वहीं सर्दियों में ये अंडे प्रसुप्त रहते है।

दस बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास किया विफल

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को सामुहिक अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए ग्राम नटाटा में करीब दस बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास विफल किया। साथ ही टोंक रोड पर पवन वाटिका कॉलोनी से सड़क सीमा व सुविधा क्षेत्र की भूमि पर अतिक्रमण हटाए।

पुलिस अधीक्षक मामन सिंह ने बताया कि जोन-13 में कूकस के पास ग्राम नटाटा में मंगलम ग्रीन कॉलोनी के पास ख.नं. 233 में करीब 10 बीघा चारागाह भूमि पर कॉलोनी बसाने के लिए ग्रेवल सड़कें डाली गई थी जिन्हें जेसीबी से ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया।

उन्होंने बताया कि जोन-14 में सूओमोटो पिटिशन संख्या-7688/2019 के तहत टोंक रोड पर वाटिका मोड के पास पवन वाटिका कॉलोनी में 16 स्थानों पर सड़क सीमा व सुविधा क्षेत्र की भूमि पर चबुतरे, दीवार, पत्थर की पट्टीयॉ एवं तारबन्दी कर अतिक्रमण कर लिया गया था जिन्हें जेसीबी से ध्वस्त कर सड़क सीमा व सुविधा क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर को मिली जमानत, शाहीन बाग जाने पर रोक

■ एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने दरियागंज हिंसा मामले में गिरफ्तार भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर आजाद को जमानत दे दी है। वहीं, कोर्ट ने आजाद

को 16 फरवरी तक प्रदर्शन नहीं करने का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने शाहीन बाग में चल रहे प्रदर्शन में शामिल होने पर भी रोक लगा दी है। इससे पहले दिल्ली मे भीम आर्मी स्टूडेंट्स फेडरेशन के कार्यकर्ता चंद्रशेखर आजाद की रिहाई को लेकर सड़क पर उतर आए थे। जहां उन्होंने धरना प्रदर्शन किया। छात्रों ने कहा कि पुलिस चंद्रशेखर को जल्द से जल्द रिहा करे। बता दें कि पुलिस ने जामा मस्जिद से भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर को हिरासत में ले लिया था। बाद में पुलिस ने चंद्रशेखर पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, लोगों को उकसाने और दंगा भड़काने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसे शनिवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। चंद्रशेखर के अलावा पुलिस ने हिंसा फैलाने के आरोप में 15 लोगों को गिरफ्तार किया था।

इससे पहले दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर पुलिस को चकमा देकर वहां से भागने में कामयाब रहा था। लेकिन शाम में एक बार फिर चंद्रशेखर जामा मस्जिद में मौजूद अपने समर्थकों के बीच पहुंच गया और नारेबाजी शुरू कर दी। वहां उन्होंने कहा था कि जब तक यह काला कानून वापस नहीं लिया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा।

लोकपाल सदस्य न्यायमूर्ति डी बी भोंसले ने दिया इस्तीफा, कहा- निजी कारणों के चलते लिया निर्णय

■ एजेंसी, नई दिल्ली

कार्मिक मंत्रालय ने बताया कि न्यायमूर्ति दिलीप बाबासाहेब भोंसले ने भ्रष्टाचार-रोधी इकाई लोकपाल के सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया है। कार्मिक मंत्रालय के अनुसार, पद ग्रहण करने के करीब 10 महीने बाद न्यायमूर्ति दिलीप बाबासाहेब भोंसले ने लोकपाल के सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया।

मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि भोंसले ने कार्यालय के सदस्य (न्यायिक) के पद से इस्तीफा दे दिया है, जो कि 12 जनवरी 2020 से प्रभावी होगा। इससे पहले भोंसले ने एक ट्वीट कर इसकी पुष्टि की थी। उन्होंने कहा कि लोकपाल के न्यायिक सदस्य पद से मैंने निजी कारणों के चलते छह जनवरी को इस्तीफा दे दिया, जो 12 जनवरी 2020 से प्रभावी होगा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति भोंसले को लोकपाल अध्यक्ष न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष ने 27 मार्च 2019 को पद की शपथ दिलाई थी। लोकपाल सदस्य को पांच साल के कार्यकाल या फिर उसके 70 साल की उम्र का होने तक के लिए नियुक्त किया जाता है। स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार से संबंध रखने वाले 63 वर्षीय भोंसले बंबई उच्च न्यायालय और कर्नाटक उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रह चुके हैं।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के लिए हैदराबाद उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर भी उन्होंने 15 महीने (2015-2016) तक अपनी सेवाएं दीं। नियमों के अनुसार, लोकपाल पैनल में एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ सदस्य होने का प्रावधान है। इनमें से चार का न्याय तंत्र से होना जरूरी है।

गौरव चंदेल हत्याकांड का सामने आया गाजियाबाद कनेक्शन

एजेंसी, गाजियाबाद। गौरव सिंह चंदेल हत्याकांड में बुधवार को एक बड़ा खुलासा हुआ है। एक हफ्ते पहले हुए इस हत्याकांड में गाजिबाद कनेक्शन सामने आया है। इस हत्याकांड के बाद लूटी गई गौरव की कार मसूरी थाना क्षेत्र के आकाश नगर से बरामद हुई है।

गौरतलब है कि पिछले सोमवार(6 जनवरी) देर रात गौरव की ग्रेटर नोएडा में लूट के बाद सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मंगलवार सुबह पर्थला गोलचक्कर से एक किलोमीटर आगे व गौड़ गोल चक्कर से तीन सौ मीटर पहले सर्विस रोड के किनारे उनका शव पड़ा मिला। सोमवार रात वह गुरुग्राम से दफ्तर से घर लौट रहे थे। तभी वारदात को अंजाम दिया गया। परिजनों की तहरीर पर फेज तीन थाने की पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या, सबूत मिटाने और लूट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच में दो टीमों को लगाया गया है।

मैंने की थी दाऊद से मुलाकात, लगाई थी लताड़ : संजय राउत

एजेंसी, मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने एक इंटरव्यू में उदयनराजे भोसले पर हमले से लेकर दाऊद से मुलाकात तक कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात को सामने रखा। राउत ने ये भी खुलासा किया कि उन्होंने एक बार मुंबई बम धमाके के आरोपी दाऊद इब्राहिम से मुलाकात की थी। एनसीपी प्रमुख शरद पवार की भी उन्होंने जमकर तारीफ की। राउत ने भाजपा नेता

उदयनराजे भोसले को निशाने पर लेते हुए कहा कि वह सबूत दें कि वो छत्रपति शिवाजी के वंशज हैं। उन्होंने कहा कि मराठा योद्धा शिवाजी पर किसी का एकाधिकार नहीं है। शिवाजी महाराज एक भगवान की तरह थे और कोई उनकी पूजा करने की इजाजत नहीं लेता है। राउत ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार की भी जमकर तारीफ की और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नसीहत दी। राउत ने शरद पवार को जाणता राजा करार देते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने भी उन्हें यही नाम दिया है। इस दौरान राउत ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि मैंने 1993 मुंबई सीरियल धमाके में प्रमुख आरोपी दाऊद इब्राहिम से भी मुलाकात की थी और उसे लताड़ लगाई थी। राहुल गांधी को सलाह देते हुए राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता को रोज 15 घंटे पार्टी दफ्तर में मौजूद रहना चाहिए।

आज के शिवाजी : नरेंद्र मोदी किताब पर उठे विवाद के बीच राउत ने कहा, हर बार यही कहा जाता है कि वंशजों से पूछो। जब शिवसेना का नाम रखा गया था, शिव शब्द का इस्तेमाल हुआ था, क्या आपने वंशजों पर कुछ पूछा था? उदयनराजे भोसले को सबूत देना चाहिए कि वह छत्रपति शिवाजी के वंशज हैं।

विदेश

यूएन के विमानन विशेषज्ञ अब यूक्रेन विमान दुर्घटना मामले की जांच में ईरान की करेंगे मदद

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र का विमानन प्रहरी संगठन ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हुए यूक्रेनी विमान के मामले की जांच में अब सहयोग करेंगे। कीव जा रहा यूक्रेन का पीएस752 विमान पिछले सप्ताह तेहरान से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में चालक दल के सदस्य सहित 176 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर ईरानी और कनाडाई नागरिक थे। ईरान ने पिछले शनिवार को कहा था कि अपने जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए अमेरिकी वायुसेना अड्डों को निशाना बनाने के कुछ ही देर बाद उसने दुर्घटनावश यूक्रेन के विमान को निशाना बना दिया। ईरान ने मंगलवार को घोषणा की थी कि यूक्रेन के एक विमान को मार गिराने के मामले में पहली गिरफ्तारी हुई है। ईरान ने यूक्रेन विमान दुर्घटना जांच में सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र से मदद मांगी थी। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) ने एक बयान में कहा कि जांच में सहयोग की ईरान की मांग मान ली गई है।

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने बनाया पहला जीवित रोबॉट

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पहली बार जीवित रोबॉट बनाया है। इस रोबॉट को जिंदा होने के श्रेणी में रखा जा सकता है। इन्हें एक्सनोबॉट भी कहा जा रहा है। वैज्ञानिकों के एक ग्रुप ने मेंढक भ्रूण की जीवित कोशिकाओं को अन्य नए जीवन-रूपों के तौर पर इस्तेमाल करने में सफलता पाई है। इस रोबॉट को जीवित प्रोग्राम करने लायक जीव के तौर पर बताया जा रहा है। इस नए बनाए रोबॉट को 'एक्सनोबॉट्स' का नाम भी दिया गया है। इसका प्रयोग मेडिकल साइंस के क्षेत्र में किया जा सकता है है। रोबॉट के जरिए यह रोगी के शरीर के अंदर दवा ले जाने या इस तरह के अन्य काम समान कार्य करने में भी मदद कर सकते हैं। वर्मोट यूनिवर्सिटी के एक कंप्यूटर वैज्ञानिक और रोबॉटिक्स वैज्ञानिक जोशुआ बोंगार्ड ने बताया, यह जीवित मशीनें हैं, जो नए शोध की दिशा में मदद कर सकते हैं। इन्हें पारंपरिक रोबॉट की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। न ही इन्हें जानवरों की किसी प्रजाति का हिस्सा कह सकते हैं। यह जीवित प्रोग्राम करने योग्य जीव हैं।

ब्रिटेनः भारतीय मूल की सांसद का लेबर पार्टी प्रमुख पद पर दावा, कहा- हिम्मत दिखाएं और मुझे चुनें

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय मूल की ब्रिटिश सांसद लीसा नंदी ने यहां के प्रमुख विपक्षी दल लेबर पार्टी के नेता पद के लिए अपनी कोशिशों को और धार दे दी है। उन्होंने पार्टी सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा है कि वे हिम्मत का मुजाहिरा करते हुए पार्टी की कमान उनके हाथों में सौंप दें। पार्टी प्रमुख की रेस में पांच लोग हैं और इस वक्त नंदी तीसरे स्थान पर चल रही हैं। लेबर पार्टी के लीडर पद के लिए सबसे आगे कियर स्टारमर का नाम है और उनके बाद मौजूदा प्रमुख जेरमी कॉर्बिन के विश्वस्त रेबेका लांग-बेली का नाम है। कॉर्बिन ने आम चुनावों में हार के बाद पद छोड़ दिया था। स्टारमर के पास 89 सदस्यों का मत है जबकि रेबेका के पास 33 और नंदी को 31 सदस्यों का समर्थन मिला है। शेष दो उम्मीदवारों जेस्स फिलिप्स और इमिली थार्नबेरी भी रेस में हैं पर उनके पास कम वोट हैं। नंदी कॉर्बिन के छाया मंत्रिमंडल में ऊर्जा मंत्री के पद पर थीं। इस पद के लिए अंतिम परिणाम चार अप्रैल में तब घोषित हो सकता है, जब कॉर्बिन आधिकारिक रुप से अपने उत्तराधिकारी के नाम का एलान करेंगे।

चीन के साथ व्यापार सौदे से ठीक पहले अमेरिका ने कहा, टैरिफ कम करने का कोई समझौता नहीं

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौते से ठीक पहले कहा है कि इस सौदे में टैरिफ कर करने से संबंधित कोई समझौता नहीं है। साथ ही अमेरिका ने चीन से अपनी मुद्रा से छेड़छाड़ करने वाले देश का लेबल भी वापस ले लिया है। इससे दुनिया की दो प्रमुख आर्थिक ताकतों के बीच लगभग दो साल से जारी तनाव कम होने के संकेत मिले हैं।ट्रंप प्रशासन की फिलहाल 370 बिलियन डॉलर के टैरिफ हटाने की कोई योजना नहीं है। यह चीन के अमेरिका आयात का करीब दो तिहाई है।

सीएए के विरोध में हिंसा करने वालों से रेलवे वसूलेगा 88 करोड

■ एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने नागरिकता कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शन में रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंचाने के आरोप में पश्चिम

बंगाल, बिहार और असम से 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों से रेलवे 88 करोड़ रुपये की वसूली करेगा। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने संपत्ति के नुकसान को लेकर 27 मामले दर्ज किए हैं। वहीं रेलवे सुरक्षा बल (आपीएफ) ने आगजनी, हिंसा, रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए 54 मामले दर्ज किए हैं। आरपीएफ के अनुसार, वीडियो फुटेज के जरिए अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही इस मामले में कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती है। भारतीय रेलवे अधिनियम की धारा 151 के तहत रेल संपत्ति को नुकसान का हर्जाना वसूला जाएगा। इसके तहत अधिकतम सात वर्ष कारावास की सजा का भी प्रावधान है। हर्जाने की वसूली के लिए रेलवे अदालत की शरण ले सकता है।

पश्चिम बंगाल में ज्यादा हुआ था नुकसान

- **नागरिकता कानून को लेकर प्रदर्शनों के दौरान पश्चिम बंगाल में रेलवे को काफी नुकसान हुआ था।**
- **संकरैल रेलवे स्टेशन का टिकट काउंटर जलाया गया था।**
- **सुजनीपारा रेलवे स्टेशन को तोड़ गया था।**
- **कृष्णपुर रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों में आग लगा दी गई थी।**
- **मालदा में हरिशचंद्रपुर स्टेशन भी तोड़ा गया था। असम में भी कई ट्रेनें कैंसिल होने से रेलवे को नुकसान हुआ था।**

करेंगे 7,000 करोड़ का निवेश

जेफ बेजोस देंगे मेक इन इंडिया को बढ़ावा

■ एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक व सीईओ जेफ बेजोस भारत दौरे पर है उन्होंने बुधवार को लघु एवं मझोले उपक्रमों पर आयोजित अमेजन संभव सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, 21वीं सदी भारतीय सदी के नाम से जानी जाएगी। भारत में कुछ खास है। हम भारत के लघु एवं मझोले उपक्रमों (एसएमबी) को डिजिटल बनाने पर एक अरब डॉलर (7,000 करोड़ रुपये) का निवेश करेंगे।

'मेक इन इंडिया' उत्पादों का करेंगे निर्यात

अमेजन वैश्विक स्तर पर 2025 तक 10 अरब डॉलर (71,000 करोड़ रुपये) के 'मेक इन इंडिया' उत्पादों का निर्यात करेगी। साथ ही बेजोस ने कहा कि 21वीं सदी में भारत-अमेरिका गठजोड़ सबसे महत्वपूर्ण होगा।

जून 2020 तक बंद होगा प्लास्टिक का प्रयोग

उन्होंने यह भी कहा कि जून 2020 तक अमेजन भारत में पैकिंग के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद कर देगा। अमेजन ने साल 2030 तक कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए प्रण लिया है। विश्व की कई कंपनियों के सीईओ के साथ मिलकर इसपर काम करना होगा। अमेजन असफल होने की सबसे अच्छी जगह है। एक दर्जन असफलताओं के बाद हमको एक कामयाबी मिलती है। उन्होंने कहा कि हम बहुत बार असफल होते हैं क्योंकि हम प्रयोग बहुत करते हैं। बेजोस ने कहा कि अमेजन भारत के चीफ अमित अग्रवाल और वो काफी एक्सपेरिमेंट में असफल हुए हैं। मैं ऐसे लोगों को नौकरी पर रखता हूं जिनसे खुद भी कुछ सीख सकूं, और उन्हें सीखा भी सकूं। लोगों को सिखाने के साथ-साथ उनसे सीखना भी जरूरी है।

इस पर अमेजन कर रही है काम

उन्होंने कहा कि वह स्पेस में उद्यमियों को बढ़ावा देंगे। बेजोस ने कहा कि वो स्पेस में अपनी कंपनी ब्लू ओरिजिन के जरिए उद्यमियों को बढ़ावा देंगे और एक से ज्यादा बार इस्तेमाल किए जानेवाले रॉकेट का प्रयोग करेंगे। धरती पर रिसोर्सेज सीमित हैं, जबकि स्पेस में बहुत कुछ किया जा सकता हैं।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता